नई दिल्ली । शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 206/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल सीडब्ल्यूजी 2026 : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गावित-बासिल...
@ विचार बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर...
@ व्यापार लागातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद हुआ बाजार...

सीडब्ल्यूजी 2026: जैवलिन फाइनल में पहुंची भारत की 'तिकड़ी'

एजेंसी ■ ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में भारत के तीन एथलीट्स नजर आएंगे। गुरुवार को मुश्किल हालात के बावजूद ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यशवीर सिंह ने क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप-ए में शीर्ष-10 स्थान हासिल करते हुए 31 जुलाई को खेले जाने वाले मेडल इवेंट में जगह बनाई।

तेज हवाओं ने क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान सटीक थ्रो को मुश्किल बना दिया था, लेकिन भारतीय तिकड़ी मेडल इवेंट में आगे बढ़ने वाले टॉप-12 एथलीट्स में अपनी जगह पक्की करने में सफल रही। नीरज 79.61 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि रोहित यादव 78.37 मीटर के साथ नौवां और यशवीर सिंह 78.36 मीटर के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

दूरी के बजाय क्वालिफिकेशन को प्राथमिकता देते हुए, तीनों भारतीयों ने शुरुआती राउंड को सुरक्षित रूप से पार किया और गेम्स के प्रमुख एथलेटिक्स इवेंट्स में से एक में भारत की मेडल की उम्मीदों को जिंदा रखा।

ग्लासगो गेम्स में अपना पहला मुकाबला खेल रहे नीरज, तेज हवाओं के बावजूद शांत नजर आए। नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बाद फाइनल में जगह पक्की होने पर अपने तीसरे और अंतिम प्रयास को न करने का फैसला किया। वहीं, रोहित यादव (78.37 मीटर) और यशवीर सिंह (78.36 मीटर) ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन। दोनों के बीच सिर्फ एक सेंटीमीटर का अंतर था।

श्रीलंका के रुमेश पथिराज ने 82.84 मीटर के शानदार थ्रो के साथ क्वालिफिकेशन स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के अनुसार खुद को सबसे बेहतर ढंग से ढाला। ग्रेनाडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 81.29 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि साउथ अफ्रीका के डौव स्मिट 80.64 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इंग्लैंड के बेन ईस्ट (80.38 मीटर) ने नीरज से आगे रहते हुए चौथा स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के कैमरन मैकिन्टायर (78.91 मीटर), पाकिस्तान के अरशद नदीम (78.63 मीटर), बहामास के कीशॉन स्ट्रैचन (78.60 मीटर), त्रिनिदाद और टोबैगो के केशॉर्न वॉलकॉट (78.26 मीटर) और नाइजीरिया के चिनेचेरम न्नामदी (75.27 मीटर) भी आगे बढ़े। सिर्फ चार एथलीट ही 80 मीटर का मार्क पार कर पाए। कोई भी 84 मीटर के सीधे क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड तक नहीं पहुंच पाया।

वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद ही लागू किया गया ई20 पेट्रोल : सरकार

पुराने वाहनों पर भी नहीं मिला कोई बड़ा नकारात्मक असर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद में स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) को देश भर में चरणबद्ध तरीके से लागू करने से पहले व्यापक वैज्ञानिक परीक्षण, फील्ड ट्रायल और सभी संबंधित पक्षों से विस्तृत परामर्श किया गया था। सरकार का कहना है कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल पुराने और नए दोनों प्रकार के वाहनों के लिए सुरक्षित है।

लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) तथा अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ वैज्ञानिक

और परामर्श आधारित प्रक्रिया के बाद लागू किया गया। मंत्री ने बताया कि ई20 ईंधन लागू करने से पहले एआरएआई, एसआईएएम, इंडियन ऑयल (आईओसीएल), आईआईपी और वाहन निर्माताओं ने व्यापक प्रयोगशाला परीक्षण और वास्तविक परिस्थितियों में फील्ड ट्रायल किए। इन परीक्षणों में इंजन की मजबूती, ड्राइविंग प्रदर्शन, स्टार्ट होने की क्षमता, जंग-रोधी क्षमता, विभिन्न पुर्जों की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की गई। सरकार के अनुसार, इन सभी अध्ययनों में यह पुष्टि हुई कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल पूरी तरह सुरक्षित है।

सरकार ने कहा कि परीक्षणों में यह भी पाया गया कि पुराने वाहनों के प्रदर्शन में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई और न ही इंजन या अन्य पुर्जों में असामान्य घिसावट देखने को मिली। व्यापक लैब परीक्षणों, फील्ड ट्रायल और वास्तविक उपयोग के अनुभवों में भी ई20 ईंधन के कारण वाहन प्रदर्शन पर किसी बड़े नकारात्मक प्रभाव का कोई प्रमाण नहीं मिला। सरकार ने बताया कि भारत में हर दिन करीब 8 करोड़ वाहन पेट्रोल पंपों पर ईंधन भरवाते हैं, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत पेट्रोल वाहन हैं। देश में पिछले साढ़े तीन वर्षों से ई15+ मिश्रित पेट्रोल और करीब ढाई वर्षों से ई19-ई20 पेट्रोल का व्यापक उपयोग हो रहा है। इस दौरान 20 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन और 3 करोड़ से ज्यादा पेट्रोल कारें इन मिश्रित ईंधनों पर चल चुकी हैं, लेकिन एथेनॉल मिश्रण के कारण इंजन खराब होने या बड़े पैमाने पर वाहन खराब होने का कोई सत्यापित मामला सामने नहीं आया।

छात्रों से संवाद नहीं, बल का प्रयोग किया गया : मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छात्रों के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय बल प्रयोग किया और पूरे मामले पर गृह मंत्री ने सदन और देश के सामने जवाबदेही नहीं दिखाई।

खड़गे ने कहा कि छात्रों और युवाओं की ताकत ही सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार की ओर से हर विषय पर कुछ चुनिंदा मंत्री ही जवाब देते हैं, जबकि जिन मंत्रियों से संबंधित विषय होता है, वे सामने नहीं आते। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई की घटना के तुरंत बाद सरकार को देश के सामने पूरी सच्चाई रखनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने इस पूरे मामले पर संसद या देश के सामने विस्तृत बयान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों से सीधे संवाद करने के बजाय अन्य माध्यमों से अपनी बात रखने की कोशिश की। खड़गे ने सरकार से कई सवाल पूछते हुए कहा कि छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि छात्रों लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। आंसू गैस छोड़ने का आदेश किसने दिया, पैलेट गन के इस्तेमाल की अनुमति किसने दी, सादे कपड़ों में छात्रों की पिटाई करने वाले लोग कौन थे, दिल्ली पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स ने किसके निर्देश पर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि यदि गृह मंत्री इन सवालों का जवाब नहीं दे सकते तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह मामला केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और असम सहित कई राज्यों में भी छात्रों के साथ कठोर कार्रवाई हुई, लेकिन केंद्र सरकार इस पर मौन रही। उन्होंने कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि छात्रों के खिलाफ हुई कथित कठोर कार्रवाई पर उसे कोई पछतावा है या नहीं। खड़गे ने पूर्व शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद संसद परिसर में सत्ता पक्ष द्वारा किए गए स्वागत पर भी सवाल उठाए।

प्रदर्शनकारियों पर नहीं होगी कार्रवाई गिरफ्तार लोगों की होगी समीक्षा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों में शामिल लोगों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने आदेश जारी कर कहा कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अब कोई प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही गिरफ्तार किए गए लोगों की रिहाई की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी।

दिल्ली के प्रधान सचिव गृह संतोष डी. वैद्य, आईएएस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 29 जुलाई को शाम 6 बजे तक नीट यूजी परीक्षा से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के संबंध में दिल्ली पुलिस ने कुल 13 एफआईआर दर्ज की थीं। इन एफआईआर और पूरे मामले पर एनसीटी दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के 28

जुलाई 2026 के 'शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी बनाम भारत संघ और अन्य' मामले में दिए गए आदेश के बाद सभी पहलुओं पर विचार किया।

आदेश में तीन बड़े फैसले लिए गए हैं। पहला, एनसीटी दिल्ली के भीतर किसी भी पुलिस प्राधिकरण द्वारा उन लोगों के खिलाफ कोई प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी जो इन विरोध प्रदर्शनों में शामिल रहे हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस मामले को यहीं समाप्त माना जाएगा और भविष्य में इस आधार पर कोई नई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

आरजी कर दुष्कर्म और हत्या केस : सीबीआई ने जांच अधिकारी बदला

एजेंसी ■ कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की एक महिला जूनियर डॉक्टर के साथ हुए भयानक दुष्कर्म और हत्या की नई जांच कर रही सीबीआई ने इस मामले में जांच अधिकारी को बदल दिया है। पिछली जांच अधिकारी सीमा पाहुजा पर पीड़िता के माता-पिता ने लापरवाही से जांच करने का आरोप लगाया था और उन्हें हटाने की मांग की थी। उन्हें आखिरकार इस मामले की जांच की जिम्मेदारी से हटा दिया गया है। उनकी जगह संदीपनी गर्ग को लाया गया है, जो गुरुवार को मध्य कोलकाता के सियालदह में ट्रायल कोर्ट की सुनवाई में मौजूद थीं। सीबीआई ने गुरुवार को मामले की जांच में हुई प्रगति पर एक स्टेटस रिपोर्ट भी सौंपी। गर्ग ने गुरुवार को पीड़िता की मां से भी बात की, जो कोर्ट में मौजूद थीं, और उनसे केंद्रीय एजेंसी द्वारा की जा रही जांच पर भरोसा रखने का आग्रह किया। गुरुवार को सीबीआई के वकील ने कोर्ट को बताया कि नई जांच के तहत इस मामले में 1,000 पन्नों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

भारतीय समुदाय के हितों की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं : मोदी

सीसीएस की बैठक में हुआ मंथन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनज़र आयोजित कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए भारतीय नागरिकों और विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय के हितों की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा ऊर्जा, उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने

तथा संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बैठक के दौरान आगामी रबी सीजन के लिए उर्वरकों की आवश्यकता का आकलन किया गया। साथ ही उर्वरकों की वैकल्पिक आपूर्ति के स्रोतों पर भी विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि देश में उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस बैठक को लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आज मैंने पश्चिम एशिया में चल रही घटनाओं के बाद की स्थिति की समीक्षा के लिए सीसीएस की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में लोगों के कल्याण और जरूरी चीज़ों की बिना रुकावट सप्लाई सुनिश्चित करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।' संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में घरेलू और विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर कार्यरत भारतीय नाविकों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि नाविकों और उनके परिवारों को समय पर सूचना, आपातकालीन सहायता तथा परामर्श उपलब्ध कराने के लिए एक प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए।

यह स्वीकृति क्षेत्र के विकास, बेहतर रेल संपर्क तथा औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगा

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के सतत प्रयासों से डोंगरगढ़-कटघोरा नई रेल लाइन को मिली स्वीकृति

एजेंसी ■ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के रेल नेटवर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में बहुप्रतीक्षित डोंगरगढ़-कटघोरा नई रेल लाइन को स्वीकृति मिल गई है। यह स्वीकृति क्षेत्र के विकास, बेहतर रेल संपर्क तथा औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी।

इस परियोजना को स्वीकृति दिलाने के लिए केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तथा बिलासपुर के सांसद तोखन साहू सांसद बनने के बाद से ही निरंतर प्रयासरत रहे। उन्होंने विभिन्न

अवसरों पर केंद्रीय रेल मंत्री से मुलाकात कर, पत्राचार के माध्यम से तथा मंत्रालय के समक्ष इस परियोजना की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने लगातार इस रेल लाइन को जनहित और क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

इसी क्रम में आज केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं राजनांदगांव के सांसद संतोष पाण्डेय के साथ केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ में रेल अवसंरचना के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में डोंगरगढ़-कटघोरा नई रेल लाइन सहित बस्तर क्षेत्र की नई रेल परियोजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ, जिसके उपरांत परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई। तोखन साहू ने कहा कि यह निर्णय छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति देगा तथा क्षेत्र के लाखों नागरिकों के लिए बेहतर आवागमन, व्यापार, उद्योग, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा।

उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा राजनांदगांव के सांसद संतोष पाण्डेय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से प्रदेश की वर्षों पुरानी जनभावना साकार हुई है।

नेपाल: सांप्रदायिक हिंसा के बाद अनिश्चितकालीन कर्फ्यू

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल के सुनसरी जिले के कसानगंज इलाके में दो समुदायों के बीच झड़प के बाद माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। हिंसा दक्षिणी मधेस प्रांत के दूसरे हिस्सों में फैलने के खतरे को देखते हुए, सिराहा जिला प्रशासन कार्यालय (डीएओ) ने गुरुवार को जिले के कुछ हिस्सों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। सुनसरी के कुछ हिस्सों में लगाया गया कर्फ्यू भी गुरुवार को जारी रहा। सुनसरी और सिराहा दोनों की सीमा भारत के बिहार राज्य से लगती है।

सिराहा के मुख्य जिला अधिकारी सुरेंद्र पौडेल ने गुरुवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे से अगले आदेश तक कर्फ्यू का आदेश जारी किया। नोटिस के अनुसार, प्रशासन को आशंका है कि शांति व्यवस्था में खलल डाला जा सकता है और दंगे या विरोध प्रदर्शन बढ़ सकता है इसलिए हाल की सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के बाद जिला सुरक्षा समिति ने इन इलाकों में कर्फ्यू लगाने का आदेश जारी किया है। प्रशासनिक आदेश के अनुसार, कर्फ्यू का दायरा पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के पूर्वी हिस्से में गोलबाजार नगरपालिका-3 के कसाहा खोला से लेकर पश्चिम में चोहरवा चौक तक फैला है। यह उत्तर में सैनिक चौक से लेकर दक्षिण में रामप्रताप रामप्रसाद तमांग जनता मल्टीपल कैंपस के आसपास के इलाके तक भी फैला हुआ है।

पीएम मोदी ने अरुणाचल और नगालैंड के सांसदों को दिया भरोसा, बाढ़ से निपटने में केंद्र देगा पूरा सहयोग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के पांच सांसदों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सभी जरूरी सहायता देगी और संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर समन्वय से काम करती रहेगी।

दोनों पूर्वोत्तर राज्यों के सांसदों से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के सांसदों से मुलाकात हुई। हमने बाढ़ के कारण इन राज्यों में बनी स्थिति पर बात की। केंद्र सरकार संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर चुनौतियों से निपटने के लिए काम करती रहेगी। सभी के कुशल और सुरक्षित रहने की कामना करता हूं।' केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के नेतृत्व में पांच सांसदों ने संसद भवन, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान दोनों राज्यों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।

बाद में किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा, 'अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से संसद भवन में मुलाकात कर दोनों राज्यों की बाढ़ स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने हर संभव मदद का भरोसा दिया और प्रभावित लोगों के लिए समय पर राहत, पुनर्स्थापन और सहायता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी निर्देश भी दे दिए हैं।'

प्रधानमंत्री से मिलने वाले सांसदों में तापिर गाओ (लोकसभा, अरुणाचल प्रदेश), ताई तागक (राज्यसभा, अरुणाचल प्रदेश), एस. सुपोंगमेरेन जमीर (लोकसभा, नगालैंड) और एस. फांगनोन कोन्याक (राज्यसभा, नगालैंड) शामिल थे। कांग्रेस सांसद एस. सुपोंगमेरेन जमीर को छोड़कर बाकी सभी सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हैं।

अरुणाचल पूर्व लोकसभा सीट से सांसद तापिर गाओ ने एक्स पर लिखा: 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल से आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के सांसदों से मुलाकात कर बाढ़ की स्थिति को लेकर हमारी चिंताएं धैर्यपूर्वक सुनीं। प्रधानमंत्री ने भरोसा दिया कि भारत सरकार प्रभावित लोगों को राहत और सहायता देने के लिए हर संभव मदद करेगी।'

पिछले महीने से ही नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हैं। इनसे कई लोगों की जान गई है और संपत्ति, बुनियादी ढांचे, घरों और फसलों को नुकसान पहुंचा है। भारतीय वायुसेना नगालैंड सरकार के साथ समन्वय कर राज्य के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चला रही है। अब तक 300 से अधिक फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जबकि क्षतिग्रस्त सड़क नेटवर्क के कारण कटे दूरदराज के जिलों में जरूरी राहत सामग्री हवाई मार्ग से पहुंचाई जा रही है। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्री किरेन रिजिजू और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय और हवाई सर्वेक्षण किया था।

किसानों की आमदनी बढ़ाने, युवाओं को रोजगार देने मील का पत्थर साबित होंगी योजनाएं : बृजमोहन अग्रवाल

विश्व केसरी

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसानों की खुशहाली, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए रायपुर के वरिष्ठ सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल लगातार केंद्र सरकार के समक्ष राज्य के हितों की प्रभावी पैरवी कर रहे हैं। संसद के वर्तमान सत्र में सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की प्रगति और जारी योजनाओं को लेकर पूछे गए अतारांकित प्रश्न (सं. 1891) के जवाब में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने महत्वपूर्ण जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री द्वारा दिए गए आधिकारिक विवरण के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से देश के किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। इसमें छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता के आधार पर बहुआयामी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ के 10 आकांक्षी जिलों में 383 सूक्ष्म उद्योगों की सौगात

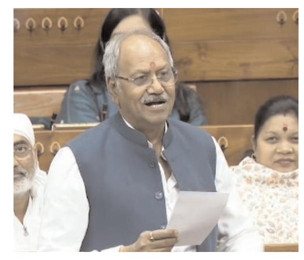

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि, 'सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना' के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के आकांक्षी व जनजातीय बहुल 10 जिलों में 383 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए ऋण स्वीकृत किए गए हैं। इससे स्थानीय स्तर पर हजारों युवाओं को सीधा रोजगार और स्वरोजगार प्राप्त होगा।

इसके तहत राजनंदगांव में 77 इकाइयां, कोरबा में 76, कांकेर में 73 , बस्तर में 59

बीजापुर में 32 इकाइयां, कोंडागांव 30, महासमुंद में 17 इकाइयां, दंतेवाड़ा: 11, सुकमा: 7 इकाइयां, नारायणपुर में 1 इकाई शामिल है।

बेमेतरा और रायपुर को मिलीं बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं

सांसद बृजमोहन अग्रवाल की सक्रियता का ही परिणाम है कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के अंतर्गत बेमेतरा जिले में कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर के तहत 'एमएस केके एग्रो ट्रेड वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' की करीब 68.87 करोड़ रुपए लागत की बड़ी परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिसमें ?10 करोड़ का केंद्र सरकार का अनुदान स्वीकृत है।

इसके साथ ही, रायपुर स्थित 'एमएस इंडस बेस्ट मेगा फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड' की 96.58 करोड़ रुपए की विशाल परियोजना के तहत कुल 31.6 एकड़ लीज योग्य भूमि में से 24.1 एकड़ क्षेत्र खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को आवंटित किया जा चुका है। इसके विकास हेतु केंद्र सरकार द्वारा ?39.57 करोड़ की अनुदान राशि भी जारी कर दी गई है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का विजन स्पष्ट है — खेत से लेकर बाजार तक किसान को उसकी उपज का सही मूल्य दिलाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना। छत्तीसगढ़ में धान और विविध कृषि-वनोपजों का प्रचुर उत्पादन होता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विस्तार से फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान में भारी कमी आएगी और छत्तीसगढ़ के मेहनतकश किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि होगी।

संक्षिप्त खबरें

नॉलेज पार्क पुलिस का एक्शन, 15 लाख रुपए की ड्रग्स के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाने की पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 15 लाख रुपए कीमत के विभिन्न प्रकार के विदेशी और प्रतिबंधित नशीले पदार्थ, एक मोटरसाइकिल तथा इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी स्कूल, कॉलेज और हॉस्टलों में रहने वाले छात्रों को महंगे दामों पर ड्रग्स की सप्लाई करते थे। पुलिस के अनुसार, 30 जुलाई को लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग की मदद से थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में क्राउन एक्सपो से एक्सपोमार्ट जाने वाले मार्ग पर स्थित पुलिया के पास अभियान चलाया गया। इस दौरान चार आरोपियों इमरान, दीपक कुमार, शिवम कुमार और बौबी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 50 ग्राम शिलॉन्ग गांजा, 70 ग्राम शैम्पेन एमडी, 75 ग्राम ओजी, 144 एमडीएमए की गोलियां तथा 63 ग्राम काला हैश बरामद किया गया।

गुमला में डायन-बिसाही के शक में महिला की हत्या, आरोपी ने थाने में किया आत्मसमर्पण

विश्व केसरी

गुमला। झारखंड के गुमला जिले के पालकोट थाना क्षेत्र स्थित खटगांव गांव में गुरुवार को डायन-बिसाही के आरोप में 40 वर्षीय तारामुनी देवी की टांगी (कुल्हाड़ी) से वार कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी खुद पालकोट थाना पहुंचा और पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। घटना उस समय हुई जब तारामुनी देवी गांव के स्कूल के पास बर्तन धो रही थी। इसी दौरान गांव का रहने वाला डुंगडुंग वहां पहुंचा और उस पर डायन-बिसाही करने का आरोप लगाते हुए टांगी से हमला कर दिया। सिर और शरीर पर गंभीर चोट लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के भतीजे रंजीत केरकेट्टा ने बताया कि आरोपी ने वर्ष 2025 में भी तारामुनी देवी पर इसी तरह टांगी से जानलेवा हमला किया था। उस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, लेकिन उसकी जान बच गई थी। उस समय पुलिस ने आरोपी से बाउंड भरवाकर उसे छोड़ दिया था। परिजनों का आरोप है कि इसके बावजूद आरोपी लगातार महिला को डायन बताकर धमकी देता रहा और अंतत: उसने उनकी हत्या कर दी।

करूर भगदड़ मामला : मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार सितंबर 2025 में करूर में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति देने के अपने फैसले को रद्द करने वाले मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है।

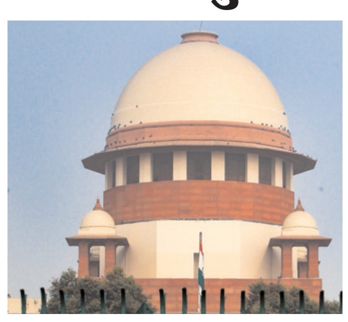

राज्य सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर (एसएलपी) की है। हाईकोर्ट ने भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को दी गई अनुकंपा नियुक्तियों को असंवैधानिक करार दिया था।

27 जुलाई को दिए गए अपने फैसले में न्यायमूर्ति सी.वी. कार्तिकेयन और न्यायमूर्ति आर. शक्तिवेल की खंडपीठ ने कहा कि कार्यकारी विवेकाधिकार का इस्तेमाल करके इस तरह अनुकंपा नियुक्तियां नहीं दी जा सकतीं, जिससे सार्वजनिक रोजगार में समानता और समान अवसर की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन हो। हाईकोर्ट ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य सरकारी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु होने पर परिवार को तुरंत आर्थिक राहत देना है। इसे किसी सार्वजनिक त्रासदी के बाद सामान्य पुनर्वास उपाय के रूप में नहीं माना जा सकता। खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 162 के तहत अपनी कार्यकारी शक्ति की सीमा का उल्लंघन किया है। कार्यकारी शक्ति हमेशा अनुच्छेद 14 और 16 में दिए गए अधिकारों के अधीन रहनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति देने से वे पहले से अनुकंपा नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हजारों योग्य आवेदकों से आगे निकल जाएंगे। मद्रास हाई कोर्ट ने टिप्पणी की, 'कार्यकारी शक्ति का प्रयोग संवैधानिक सीमाओं के भीतर होना चाहिए। अगर कार्यकारी कार्रवाई को खुली छूट दे दी जाए तो अराजकता फैल जाएगी।' हाईकोर्ट ने त्रासदी और पीड़ित परिवारों के प्रति राज्य सरकार की चिंता को स्वीकार करते हुए कहा कि सरकार वित्तीय सहायता या अन्य राहत उपाय दे सकती है, लेकिन भर्ती से जुड़े संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करके सार्वजनिक रोजगार नहीं दिया जा सकता।

यह फैसला तमिलनाडु सरकार के उस फैसले के संबंध में आया था, जिसमें सितंबर 2025 में करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति देने की घोषणा की गई थी।

जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान घायल युवती 10 दिन बाद आरएमएल अस्पताल से मिली छुट्टी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई में घायल हुई 21 साल की युवती की सेहत में संतोषजनक सुधार हुआ है। उसे गुरुवार को राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल ने कहा कि उसकी स्थिर हालत और सेहत में सुधार को देखते हुए उसे छुट्टी देने का फैसला किया गया।

विरोध प्रदर्शन में शामिल युवती को संसद मार्च के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति में दम घुटने के कारण बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। शुरुआत में उसकी हालत ऐसी थी कि उसे कई दिनों तक गहन देखभाल (आईसीयू) और वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत पड़ी। हालांकि, धीरे-धीरे उसकी हालत में सुधार हुआ और अस्पताल में भर्ती होने के लगभग दस दिन बाद उसे पूरी तरह होश आ गया और वह खुद से चलने-फिरने में सक्षम हो गई। गुरुवार को जारी अपनी ताजा मेडिकल रिपोर्ट में आरएमएल

अस्पताल ने कहा कि इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद व्यापक क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट से मरीज की सेहत में 'संतोषजनक सुधार' हुआ। अस्पताल में भर्ती होने पर इमरजेंसी डिपार्टमेंट में उसे होश में लाने की कोशिश की गई और फिर इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में शिफ्ट किया गया, जहां उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। सेहत में लगातार सुधार के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट सफलतापूर्वक हटा लिया गया और आईसीयू में एक हफ्ता बिताने के बाद उसे आगे की रिकवरी और रिहैबिलिटेशन के लिए नर्सिंग होम वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया।'

जेपीएससी परीक्षा विवाद पर भाजपा का हल्ला बोल, हेमंत सोरेन से इस्तीफे की मांग

विश्व केसरी

रांची। भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीसीसी) और झारखंड स्टाफ सलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) में हुई अनियमितता को लेकर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी इस मुद्दे का बिल्कुल भी जिक्र नहीं कर रहे हैं, क्योंकि यहां पर इनकी सरकार नहीं है।

उन्होंने गुरुवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में जमकर धांधली हुई है। बताया जा रहा है कि सवा लाख सीटों को बेचा गया। चेयरमैन से जबरन इस्तीफा लिया गया। एग्जाम की जिम्मेदारी संभाल रहे व्यक्ति को हटा दिया गया। परीक्षा रद्द होने के बाद अभी तक नई तिथि का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन अफसोस की बात है कि अभी तक इस मुद्दे को लेकर विपक्ष के किसी भी नेता ने अपना मुंह नहीं खोला है। इसी वजह से आक्रोशित छात्रों ने लंबा मार्च किया और सरकार से इस्तीफे की मांग की। भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि झारखंड में शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी कोई और नहीं, बल्कि सीएम हेमंत सोरेन ही संभाल रहे हैं। ऐसी स्थिति में विपक्ष के नेताओं को हेमंत सोरेन का इस्तीफा लेना चाहिए, लेकिन विपक्षी दलों का नजरिया इस बात से निर्धारित होता है कि प्रदेश में किसकी सरकार है। अगर झारखंड में बीजेपी की सरकार होती, तो कब का राहुल गांधी यहां आ चुके होते, लेकिन वे चुप हैं। प्रियंका गांधी भी कुछ नहीं बोल रही हैं, लेकिन हम इस मुद्दे को उठा रहे हैं। हम लगातार सीएम हेमंत सोरेन से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। साथ ही अध्यक्ष की भी गिरफ्तारी होनी चाहिए, क्योंकि उन्हें लगातार मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।

भोपाल में महिला कांग्रेस ने कंगना रनौत के पुतले का किया दहन

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कांग्रेस की महिला विंग ने सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत द्वारा दिए गए एक विवादित बयान के विरोध में प्रदर्शन किया और उनके पुतले का भी दहन किया। दरअसल, बीते दिनों दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर फिल्म अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने बेटियों को लेकर एक विवादित बयान दिया था।

इस बयान की चौतरफा निंदा हुई। बाद में उन्होंने सफाई भी दी। उसी के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय के सामने जिला महिला कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया गया। महिला कांग्रेस नेत्रियों का कहना है कि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा बिलकिस बानो प्रकरण से जुड़े दोषियों के स्वागत एवं समर्थन तथा सांसद कंगना रनौत द्वारा आंदोलनकारी बेटियों के प्रति कथित रूप से अपमानजनक शब्दों के प्रयोग के विरोध में उनके द्वारा यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं के सम्मान, न्याय और सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। देश की बेटियां जब अपने अधिकार और न्याय के लिए आवाज उठाती हैं, तब उनके सम्मान की रक्षा करना हर जिम्मेदार नागरिक और जनप्रतिनिधि का दायित्व है।

दुर्गा पूजा से पहले बंगाल में भाजपा के संगठन में फिर से फेरबदल की संभावना

विश्व केसरी

कोलकाता। दुर्गा पूजा त्योहार से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई संगठन में फिर से बदलाव कर सकती है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक अक्टूबर में इन बदलावों के तहत जिला, मंडल और बूथ स्तर पर फेरबदल की उम्मीद है।

सूत्रों ने बताया कि इस कवायद का मुख्य मकसद पार्टी के जमीनी ढांचे को मजबूत करना होगा। राज्य समिति में भी कुछ बदलाव हो सकते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि हाल ही में राज्य कैबिनेट में शामिल हुए कई भाजपा विधायकों को पार्टी की 'एक व्यक्ति, एक पद' नीति के तहत संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त किया जा सकता है। हालांकि यह नियम संगठनात्मक पदों पर काबिज सभी मंत्रियों पर एक समान रूप से लागू नहीं हो सकता है। उनके मुताबिक, यह नया फेरबदल मुख्य रूप से संगठनात्मक जिलों, मंडलों (ब्लॉकों) और बूथों के तीन स्तरों पर होगा।

पार्टी की राज्य समिति के एक सदस्य ने कहा, 'हालांकि, मौजूदा राज्य समिति में भी कुछ बदलावों की संभावना है। पार्टी की 'एक व्यक्ति, एक पद' की सामान्य नीति के तहत नई राज्य कैबिनेट में जगह पाने वाले कुछ विधायकों को संगठनात्मक कर्तव्यों से मुक्त किया जा सकता है। हालांकि यह उन सभी राज्य मंत्रियों पर लागू नहीं होगा जो राज्य के नेताओं के तौर पर भी पद संभाले हुए हैं।' पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि जिन नेताओं के खिलाफ पिछले दो महीनों में राज्य स्तर पर शिकायतें दर्ज की गई हैं (खासकर इस साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता में आने के बाद) उन्हें उनके मौजूदा पदों से हटाया जा सकता है। इस कदम का मकसद संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना और अहम पदों से विवादित लोगों को हटाना है।

माना जा रहा है कि राज्य नेतृत्व भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में अहम पदों के लिए पश्चिम बंगाल के दो नेताओं की सिफारिशों पर भी विचार कर रहा है, जिनमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय सचिव के पद शामिल हैं। राज्य भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और मौजूदा पंचायत मामलों और ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष पहले पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुके हैं, जबकि राज्यसभा सांसद राहुल सिन्हा पहले राष्ट्रीय सचिव का पद संभाल चुके हैं। दोनों नेता राज्य भाजपा अध्यक्ष के तौर पर भी काम कर चुके हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुता?बिक, राज्य में सरकार बदलने के बाद से ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे तृणमूल कांग्रेस के कई जमीनी स्तर के नेता भाजपा में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि खबर है कि राज्य नेतृत्व ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे 'अवांछित तत्वों' को अंदर न आने दें।

सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

बोले- झारखंड में छात्रवृत्ति योजनाओं की राशि बढ़ाए केंद्र सरकार

विश्व केसरी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी), पिछड़ा वर्ग (बीसी) और अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों के लिए संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं में केंद्रीय सहायता बढ़ाने की मांग की है।

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र से अपेक्षा से काफी कम राशि मिलने के कारण राज्य के लाखों पात्र विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने पत्र में कहा कि झारखंड सरकार ने छात्रवृत्ति वितरण की व्यवस्था को समुदाय के बजाय विद्यार्थियों के माता-पिता या आश्रित की वार्षिक आय के आधार पर लागू किया है, ताकि सामाजिक न्याय और समानता सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित संसाधनों और बड़ी संख्या में वंचित आबादी के कारण राज्य के सामने वित्तीय चुनौतियां बनी हुई हैं। उन्होंने पत्र में आंकड़ों के साथ बताया कि पिछड़ा वर्ग के प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति मद में वर्ष 2024-25 के लिए राज्य ने 66.14 करोड़ रुपए की मांग की थी, जबकि केंद्र से केवल 12.61 करोड़ रुपए मिले। इसी तरह वर्ष 2025-26 में 45.91 करोड़ रुपए की मांग के मुकाबले मात्र 3.95 करोड़ रुपए जारी किए गए। पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के मामले में भी बड़ा अंतर दर्शाया गया है। पत्र के अनुसार, वर्ष 2024-25 में राज्य ने 353.21 करोड़ रुपए की मांग की थी, लेकिन केंद्र से केवल 33.57 करोड़ रुपए मिले। वहीं, वर्ष 2025-26 में 370.87 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले 58.22 करोड़ रुपए ही उपलब्ध कराए गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मांझी-चालकी और बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ किया संवाद

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भी हुए शामिल

विश्व केसरी

रायपुर/दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ बस्तर की सामाजिक परंपराओं के प्रमुख मांझी-चालकी और बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ संवाद किया।

X पर एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'आज राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी के साथ बस्तर की सामाजिक परंपराओं के प्रमुख मांझी-चालकी और बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ संवाद किया। राष्ट्रपति भवन में पहली बार बस्तर की पारंपरिक वेशभूषा में पहुँचे बस्तरवासी इस बात के प्रमाण हैं कि जो बस्तर कभी नक्सली हिंसा के कारण अपनी समृद्ध विरासत, संस्कृति और परंपराओं को खोता जा रहा था, वह आज नक्सलमुक्त होकर अपनी धरोहरों को सहेज रहा है।

झविकास के पथ पर आगे बढ़ चुका बस्तर आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित संभाग बनकर विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

विरोध में लाखेनगर बिजली कार्यालय का घेराव

विश्व केसरी

रायपुर। स्मार्ट मीटर से आ रहे भारी-भरकम बिजली बिलों के विरोध में महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड की महिलाओं का आक्रोश गुरुवार को खुलकर सामने आया। बड़ी संख्या में महिलाएं लाखेनगर स्थित बिजली कार्यालय पहुंचीं और कार्यालय का घेराव कर स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने बिजली मीटर वापस लगाने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने 'महतारी वंदन नहीं चाहिए, पुराना मीटर वापस दो', 'स्मार्ट मीटर वापस लो' और 'जनता पर बिजली बिल का बोझ बंद करो' जैसे नारे लगाते हुए सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।

महिलाओं का कहना था कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद उनके बिजली बिलों में कई गुना वृद्धि हो गई है, जिससे मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उनका आरोप है कि सरकार एक ओर महतारी वंदन योजना के माध्यम से राहत देने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर स्मार्ट मीटर के जरिए आम जनता से अधिक बिजली बिल वसूला जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि 15 दिन के भीतर यदि स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर नहीं लगाए गए तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा तथा घरों मे लगे स्मार्ट मीटर को उखाड़कर बिजली आफिस मे जमा किया जाएगा.वार्डवासियों के इस प्रदर्शन को समर्थन देने शहर काँग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन प्रदेश प्रवक्ता धनंजय ठाकुर वार्ड छाया पार्षद बंशी कन्नौजे सहित वार्ड वासी लोकेश देवांगन बिट्ठू देवांगन देव तुलेंद्र सहित सैकड़ो वार्ड वासी उपस्थित थे।

सेक्स सीडी केस में भूपेश बघेल को हाईकोर्ट से मिली राहत

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कथित सेक्स सीडी मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अंतरिम राहत देते हुए सीबीआई की विशेष अदालत में चल रही आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यह आदेश उनकी उस याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें 24 जनवरी 2026 को विशेष अदालत के आरोप तय करने संबंधी आदेश को चुनौती दी थी। इस मामले में हाईकोर्ट के विस्तृत आदेश का अभी इंतजार है। यह आदेश भूपेश बघेल की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया।

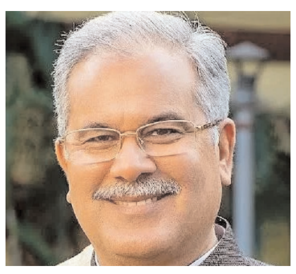

भूपेश बघेल ने दी थी चुनौती

भूपेश बघेल ने अपनी याचिका में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय करने के प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। यह आदेश 24 जनवरी 2026 को विशेष अदालत ने जारी किया था। इसके बाद बघेल ने हाईकोर्ट का रुख किया और निचली अदालत के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी।

कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फिलहाल सीबीआई विशेष अदालत की आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। हालांकि, आदेश आने के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि कोर्ट ने किन आधारों पर यह अंतरिम राहत दी है और आगे की कानूनी प्रक्रिया किस दिशा में जाएगी। आपको बता दें, यह मामला कथित सेक्स सीडी से जुड़ा हुआ है, जिसकी जांच सीबीआई की ओर से हो रही है। इस मामले में पहले निचली अदालत ने भूपेश बघेल को आरोपमुक्त कर दिया था, लेकिन बाद में विशेष अदालत ने उस आदेश को रद्द करते हुए उनके खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद फिलहाल इस मामले की सुनवाई पर रोक लग गई है। अब सभी की नजर हाईकोर्ट के फैसले पर है। इस आदेश के बाद भूपेश बघेल को कानूनी तौर पर राहत मिली है।

अभनपुर में अज्ञात युवती की लाश मिली

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे अभनपुर थाना क्षेत्र के लखना गांव में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बीच स्थित तालाब में एक अज्ञात युवती का शव पानी में तैरता हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि सुबह ग्रामीणों ने तालाब में एक शव तैरता देखा। नजदीक जाकर देखने पर पता चला कि शव एक युवती का है। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों का मिलान कर उसकी शिनाख्त का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। ऐसे में पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि युवती की मौत डूबने से हुई या इसके पीछे कोई आपराधिक घटना है। इस संबंध में पोस्टमार्टम रिपोर्ट को अहम माना जा रहा है।

आप ने 'गाय हटाओ या टोल हटाओ' को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

रायपुर। नेशनल हाईवे सहित जिले की प्रमुख सड़कों पर आवारा मवेशियों के जमावड़े से लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं और किसानों की फसलों को हो रहे भारी नुकसान को लेकर आम आदमी पार्टी रायपुर के अनुषा जोसेफ़ सागर क्षीरसागर, पुनारद निषाद और महेन्द्र बिसेन आदि नेताओं ने 'गाय हटाओ या टोल हटाओ' अभियान के तहत मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि जिले में नेशनल हाईवे और प्रमुख मार्गों पर दिन-रात मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। कई लोगों की जान जा चुकी है और अनेक लोग घायल हो चुके हैं, बावजूद इसके प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

आप ने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी इस विषय पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा गया है कि यदि नेशनल हाईवे से जानवरों को नहीं हटाया जा सकता तो टोल टैक्स वसूली का कोई औचित्य नहीं रह जाता। यह टिप्पणी राज्य शासन और प्रशासन के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

इसके बावजूद छत्तीसगढ़ में स्थिति जस की तस बनी हुई है। वहीं सड़कों पर चिह्नित ब्लैक स्पाट और सड़कों के किनारे घटिया मुरुम के चलते पानी भरे गड्ढे में गिरकर लोग जख्मी हो रहे या अपनी जान तक गंवा रहे हैं, जो सरकार की लापरवाही को उजागर करता है।

इसके साथ ही किसानों की चिंता का मुद्दा भी उठाते हुए कहा गया कि खुले में घूम रहे मवेशी किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

आप नेताओं ने कहा कि नेशनल हाईवे पर मवेशियों का जमावड़ा सीधे-सीधे लोगों की जान से खिलवाड़ है। जब सुप्रीम कोर्ट तक इस मुद्दे पर सख्त टिप्पणी कर चुका है, तब भी राज्य सरकार की निष्क्रियता समझ से परे है। अगर तत्काल प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आम आदमी पार्टी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय रायपुर में एक दिवसीय जागरूकता एवं स्व-संकलन प्रशिक्षण शिविर

विश्व केसरी

रायपुर। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्र संकार्य प्रभाग, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा आज अपने कार्यालय परिसर में निगमित सेवा क्षेत्र के उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASISSE)-2026 के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता एवं स्व-संकलन प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह सर्वेक्षण 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 31 मार्च 2027 तक संचालित रहेगा। इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य चयनित उद्यमों को ASISSE अनुसूचियों के स्व-संकलन में सहायता प्रदान करना, सर्वेक्षण की प्रतिक्रिया दर में सुधार करना, परिचालन संबंधी समस्याओं का समाधान करना तथा सर्वेक्षण के प्रति समग्र जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम का संयुक्त उद्घाटन अग्रवाल सचिता राकेश, उप निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर तथा मुख्य अतिथि सतीश थोरानी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, रायपुर द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अग्रवाल सचिता राकेश ने साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण तथा सतत आर्थिक विकास के लिए विश्वसनीय एवं समयबद्ध आधिकारिक सांख्यिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ASISSE-2026 के मुख्य उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए डेटा गुणवत्ता में सुधार तथा उत्तरदाताओं पर पड़ने वाले बोझ को कम करने में स्व-संकलन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने चयनित निगमित सेवा क्षेत्र के उद्यमों से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से समयबद्ध और सटीक जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

मुख्य अतिथि सतीश थोरानी ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की इस पहल की सराहना की और सेवा क्षेत्र के उद्यमों से आह्वान किया कि वे सरकार के साथ सहयोग कर उच्च गुणवत्ता वाले आंकड़े समय पर उपलब्ध कराएं, जिससे प्रामाणिक राष्ट्रीय सांख्यिकी के निर्माण में उनका योगदान सुनिश्चित हो सके। इस प्रशिक्षण शिविर में निगमित सेवा क्षेत्र के 35 उद्यमों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग के अधिकारियों, जिनमें उप क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर के सहायक निदेशक ऋषभ सिंह श्याम तथा दुर्ग के सहायक निदेशक अभिषेक शुक्ला शामिल थे।

एनआईटी रायपुर ने दिव्यांगजनों के लिए दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन

विश्व केसरी

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में 30 जुलाई 2026 को दिव्यांगजनों (दिव्यांग व्यक्तियों) के लिए समर्पित दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, रोजगार के अवसरों, कौशल विकास कार्यक्रमों और स्वावलंबन के रास्तों के प्रति जागरूक करना है, ताकि एक पूर्णतः समावेशी समाज के निर्माण को गति दी जा सके।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमणा राव ने मुख्य अतिथि के रूप में की। नेशनल करियर सर्विस सेंटर फॉर डिफरेन्टली एबल्ड के सहायक निदेशक (रोजगार) डॉ. सुरेश कुमार कुशवाह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर एनआईटी रायपुर के कुलसचिव डॉ. नरेंद्र डी. लोंढे के साथ-साथ बंशीलाल, अंकेश पाठक, शिखा वर्मा और राजेश तिवारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. नरेंद्र डी. लोंढे, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. बुनिल कुमार बलाबांत्रे तथा बायोटेक्नोलॉजी विभाग की सह-प्राध्यापक डॉ. सत्य ईश्वरी जुज्जावरपु द्वारा किया जा रहा है।

स्वागत भाषण देते हुए डॉ. बुनिल कुमार बलाबांत्रे ने दिव्यांगजनों के लिए समावेशिता, गरिमा और समान अवसरों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता को एक सीमा के रूप में देखने के बजाय जीवन को एक अलग दृष्टिकोण से जीने के माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने समाज से शारीरिक बाधाओं से परे जाकर प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता को पहचानने का आग्रह किया। इसके पश्चात, डॉ. नरेंद्र डी. लोंढे ने उद्घाटन संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए आयोजित किए जा रहे जागरूकता अभियानों की सराहना की और कार्यक्रम में भाग ले रहे विशेष बच्चों का आत्मीय स्वागत किया। अपने संबोधन में डॉ. सुरेश कुमार कुशवाह ने रेखांकित किया कि दिव्यांगजनों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव आ रहा है और यह अब दया-आधारित दृष्टिकोण से हटकर अधिकारों और संवेदनशीलता पर आधारित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। दिव्यांगजनों की विलक्षण प्रतिभा की तुलना बहुमूल्य हीरों से करते हुए उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और समाज के कल्याण के लिए उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मलेरिया पर निर्णायक प्रहार जारी, एक भी मृत्यु न हो यही हमारा लक्ष्य : स्वास्थ्य मंत्री

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान में 34 लाख से अधिक लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

विश्व केसरी

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि प्रदेश सरकार दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बस्तर अंचल में संचालित मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिसके माध्यम से लाखों लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंची हैं तथा गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार संभव हुआ है।

रायपुर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत 34.29 लाख से अधिक नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जो लक्षित आबादी का लगभग 99 प्रतिशत है। अभियान के दौरान मलेरिया, टीबी, सिकल सेल, कुष्ठ रोग, मुख कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों की पहचान कर समय पर उपचार प्रारंभ किया गया। वहीं 60 हजार से अधिक गंभीर मरीजों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया गया तथा 10,938 उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी और उपचार सुनिश्चित किया गया।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में मलेरिया के कुछ मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है। प्रदेश के स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन, एएनएम और मैदानी अमला गांव-गांव पहुंचकर जांच, उपचार, सर्वेक्षण और जनजागरूकता गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। मलेरिया नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिए विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मलेरिया से एक भी मृत्यु न हो, यही हमारा लक्ष्य है। इसके लिए समय पर जांच, त्वरित उपचार, सतत निगरानी और सामुदायिक जागरूकता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रणनीतिक कार्ययोजना, सतत निगरानी और जनसहभागिता के परिणामस्वरूप बस्तर संभाग की मलेरिया पॉजिटिविटी दर 4.60 प्रतिशत से घटकर 0.48 प्रतिशत रह गई है। वहीं राज्य का वार्षिक परजीवी सूचकांक (एपीआई) 5.21 से घटकर 0.90 तक पहुंच गया है। यह उपलब्धि मलेरिया नियंत्रण की दिशा में स्वास्थ्य विभाग के सतत प्रयासों को दर्शाती है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि विगत ढाई वर्षों में प्रदेश में 11.89 लाख से अधिक संस्थागत प्रसव सम्पन्न हुए हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नियमित विशेषज्ञ जांच, उच्च जोखिम गर्भावस्थाओं की पहचान तथा आवश्यक उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है।

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रदेश में 375 नई 108 संजीवनी एक्सप्रेस एम्बुलेंस संचालित की गई हैं। जनवरी 2024 से जून 2026 के बीच 6.50 लाख से अधिक नागरिकों को समयबद्ध आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे दुर्घटना, प्रसूति एवं अन्य आपात परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हो सकी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए ॥रूLifecare Limited के सहयोग से राज्य के 1,051 स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक पैथोलॉजी जांच सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। हब एंड स्पोक मॉडल, आईटी आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली एवं गुणवत्ता निगरानी व्यवस्था के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को भी विश्वसनीय और समयबद्ध जांच सुविधियां उपलब्ध हो रही हैं।

इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर ने बहुआयामी सेवा प्रकल्प किया आयोजन

विश्व केसरी

रायपुर। इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा महासमुंद स्थित आर्ष ज्योति गुरुकुल में सेवा, शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित बहुआयामी सेवा प्रकल्प आयोजित किया गया। क्लब की सचिव नेहा अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक रीति से हवन-पूजन के साथ हुआ। इसके बाद गुरुकुल परिसर में 30 पौधों का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

क्लब द्वारा गुरुकुल को आवश्यक अनाज, 20 ट्यूब लाइट्स, दो कंप्यूटर एवं एक प्रिंटर भेंट किए गए, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर रुचिता राव ने विद्यार्थियों के लिए करियर गाइडेंस एवं मोटिवेशनल सत्र लिया। उन्होंने छात्रों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर चुनने, लक्ष्य निर्धारित करने तथा आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम क्लब की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान पास्ट प्रेसिडेंट संगीता गोयल, पुष्पा मालवीय, गीता जेठानी, पूजा जैन, नम्रता दुबे, सोनिया नाथानी, पास्ट सेक्रेटरी प्रज्ञा नायडू, रूबी साओ, सुषमा अग्रवाल, प्रियंका मिश्रा, रुचिता राव तथा सचिव नेहा अग्रवाल सहित क्लब की सदस्याएं उपस्थित रहीं। गुरुकुल परिवार ने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। क्लब ने भविष्य में भी शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं समाजसेवा के ऐसे प्रकल्प निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

संपादकीय

मुंशी प्रेमचंद की समकालीन प्रासंगिकता

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारतीय साहित्य के इतिहास में मुंशी प्रेमचंद का स्थान केवल एक महान कथाकार या उपन्यासकार के रूप में नहीं है, बल्कि वे भारतीय समाज की आत्मा के सबसे विश्वसनीय व्याख्याकार भी हैं। उन्होंने साहित्य को मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना। प्रेमचंद का साहित्य भारतीय समाज की उन गहरी परतों को उजागर करता है, जहाँ गरीबी, शोषण, जातिगत असमानता, लैंगिक भेदभाव, किसान और मजदूर की पीड़ा, शिक्षा की विषमता, नैतिक मूल्यों का संकट तथा सत्ता और समाज के अंतर्विरोध मौजूद हैं। यही कारण है कि लगभग नौ दशक बाद भी प्रेमचंद केवल इतिहास का विषय नहीं हैं; वे आज के भारत की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक चुनौतियों को समझने का सशक्त माध्यम बने हुए हैं। उनकी रचनाएँ यह बताती हैं कि समय बदल सकता है, तकनीक बदल सकती है, लेकिन यदि समाज की मूल समस्याएँ बनी रहती हैं, तो साहित्य की प्रासंगिकता भी बनी रहती है।

समकालीन भारत तीव्र आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दावा करता है। देश विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल भुगतान, स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी नवाचार की चर्चा विश्व स्तर पर होती है। इसके बावजूद सामाजिक विषमता, बेरोजगारी, किसानों की आर्थिक असुरक्षा, ग्रामीण क्षेत्रों का पलायन, शिक्षा और स्वास्थ्य की असमान उपलब्धता जैसी समस्याएँ अभी भी व्यापक रूप से मौजूद हैं। प्रेमचंद ने अपने साहित्य में इन्हीं अंतर्विरोधों को सबसे अधिक महत्व दिया था। उनका प्रश्न यह नहीं था कि समाज कितना आधुनिक दिखता है, बल्कि यह था कि समाज कितना न्यायपूर्ण और मानवीय है। यही प्रश्न आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

प्रेमचंद के उपन्यास 'गोदान' का किसान होरी भारतीय किसान का

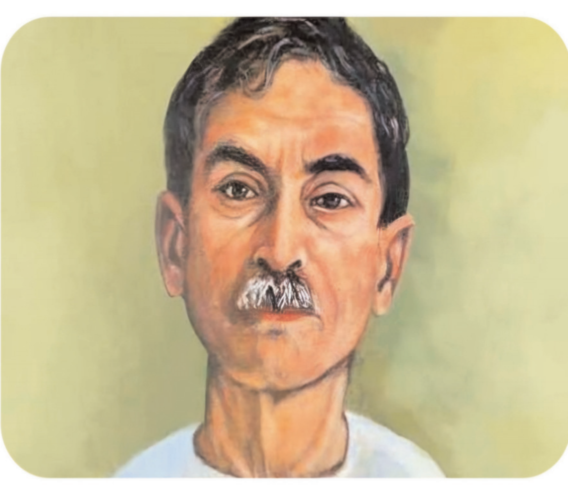

प्रतीक है। होरी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि उस किसान की सामूहिक चेतना है जो जीवन भर श्रम करता है, लेकिन सम्मान और आर्थिक सुरक्षा दोनों से वंचित रहता है। आज भारत कृषि उत्पादन में विश्व के अग्रणी देशों में है, फिर भी छोटे और सीमांत किसानों की आय, प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन, उत्पादन लागत और बाजार की अनिश्चितताओं से जुड़ी चुनौतियाँ समाप्त नहीं हुई हैं। खेती आज भी बड़ी संख्या में किसानों के लिए जोखिमपूर्ण पेशा बनी हुई है। बदलती जलवायु के कारण अनियमित वर्षा, अत्यधिक तापमान और प्राकृतिक आपदाओं ने ग्रामीण जीवन को और जटिल बना दिया है। ऐसे समय में 'गोदान' केवल साहित्यिक कृति नहीं, बल्कि भारतीय कृषि समाज की स्थायी पीड़ा का दस्तावेज़ प्रतीत होती है।

इसी प्रकार प्रेमचंद की कहानी 'कफन' अत्यंत मार्मिक ढंग से यह प्रश्न उठाती है कि जब समाज में आर्थिक विषमता चरम पर पहुँच जाती है, तब मानवीय संवेदनाएँ भी विकृत होने लगती हैं। घीसू और माधव की त्रासदी केवल उनकी व्यक्तिगत असफलता नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता है जो मनुष्य को सम्मानजनक जीवन देने में असमर्थ रहती है। आज भी जब महानगरों की चमक के समानांतर झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लाखों लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करते हैं, तब 'कफन' की सामाजिक चेतावनी नई अर्थवत्ता प्राप्त करती है। आर्थिक विकास तभी सार्थक माना जा सकता है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। प्रेमचंद का साहित्य इसी नैतिक कसौटी पर समाज का मूल्यांकन करता है। जातिगत असमानता प्रेमचंद की चिंता का एक महत्वपूर्ण विषय थी। 'सद्गति', 'ठाकुर का कुआँ' और अन्य अनेक कहानियाँ सामाजिक भेदभाव की अमानवीयता को उजागर करती हैं। भारतीय संविधान ने समानता का अधिकार प्रदान किया है और सामाजिक न्याय की दिशा में अनेक प्रयास हुए हैं, फिर भी समय-समय पर जातिगत भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार और हिंसा की घटनाएँ यह संकेत देती हैं कि सामाजिक परिवर्तन केवल कानून से संभव नहीं होता; उसके लिए मानसिकता का परिवर्तन भी आवश्यक है।

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव, ट्रंप के दूत ढाका दौड़े उलटे पाँव

नीरज कुमार दुबे

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है।

बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक

उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है। इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है।

सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा। बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं।

बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रविदास की विरासत का पुनर्पाठ

गोलेन्द्र पटेल

गुरु पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक संचालित 'समरसता संकल्प अभियान' का शुभारंभ गुरु पूर्णिमा एवं धम्मचक्र परिवर्तन दिवस (29 जुलाई 2026) के पावन अवसर पर बेगमपुर, अमरदेसवा और रामराज्य की नाभि कही जाने वाली काशी (वाराणसी) के सीर गोवर्धनपुर स्थित संत गुरु रविदास जन्मस्थली से किया गया। संत गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती-वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रारंभ किया गया यह राष्ट्रव्यापी अभियान सामाजिक समरसता, समानता और सद्भाव के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। गुरु रविदास की जन्मस्थली की पावन मिट्टी को देशभर में पहुँचाकर सामाजिक समरसता का संदेश देने का यह प्रयास सांस्कृतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। किंतु किसी भी महापुरुष का वास्तविक सम्मान स्मृति-उत्सवों, यात्राओं और प्रतीकात्मक आयोजनों से नहीं, बल्कि उनके विचारों को सामाजिक जीवन, सार्वजनिक नीति और मानवीय व्यवहार में प्रतिष्ठित करने से होता है। यदि समरसता केवल एक उत्सव बनकर रह जाए और समाज में जातिगत भेदभाव, सामाजिक विषमता तथा मानवीय अपमान की संरचनाएँ यथावत बनी रहें, तो ऐसे अभियान अपने मूल उद्देश्य तक नहीं पहुँच पाते। संत रविदास भारतीय श्रमजीवी संत परंपरा के उन विरल चिंतकों में हैं जिन्होंने मनुष्य की गरिमा को जन्म, जाति और कुल से ऊपर स्थापित किया। उनके लिए मनुष्य का मूल्य उसकी जातीय पहचान में नहीं, बल्कि उसके आचरण, ज्ञान और मानवता में निहित था। वे स्पष्ट घोषणा करते हैं—

'जनम जात मत पूछिए, का जात अरु पात।

रैदास पूत सब प्रभु के, कोउ नहिं जात कुजात।।

यह दोहा केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं, बल्कि भारतीय समाज की जाति-आधारित संरचना के विरुद्ध एक क्रांतिकारी सामाजिक उद्घोष है। रविदास मनुष्य को एक ही सार्वभौमिक मानव-परिवार का सदस्य मानते हैं; इसलिए किसी भी प्रकार का ऊँच-नीच उनके दर्शन में अस्वीकार्य है। रविदास की दृष्टि में जाति केवल सामाजिक विभाजन नहीं, बल्कि मनुष्यता के विखंडन का सबसे बड़ा कारण है। वे लिखते हैं—

'जाति-जाति में जाति है, जो केतन के पात।

रैदास मनुष न जुड़ सके, जब तक जाति न जात।।

केले के पत्तों की परतों की तरह फैलती जातियाँ मनुष्य को मनुष्य से अलग करती रहती हैं। यह दोहा आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पाँच सौ वर्ष पूर्व था। जब तक जाति सामाजिक संबंधों का आधार बनी रहेगी, तब तक समरसता का कोई भी दावा अधूरा रहेगा।

बोध कथा

माँ ममता का सागर नहीं..पर महासागर है

एक सौदागर राजा के महल में दो गायों को लेकर आया – दोनों ही स्वस्थ, सुंदर व दिखने में लगभग एक जैसी थीं। सौदागर ने राजा से कहा 'महाराज – ये गायें माँ – बेटी हैं परन्तु मुझे यह नहीं पता कि माँ कौन है व बेटी कौन – क्योंकि दोनों में खास अंतर नहीं है। मैंने अनेक जगह पर लोगों से यह पूछा किंतु कोई भी इन दोनों में माँ – बेटी की पहचान नहीं कर पाया बाद में मुझे किसी ने यह कहा कि आपका बुजुर्ग मंत्री बेहद कुशाग्र बुद्धि का है और यहाँ पर मुझे अवश्य मेरे प्रश्न का उत्तर मिल जाएगा...इसलिए मैं यहाँ पर चला आया – कृपया मेरी समस्या का समाधान किया जाए।' यह सुनकर सभी दरबारी मंत्री की ओर देखने लगे मंत्री अपने स्थान से उठकर गायों की तरफ गया। उसने दोनों का बारीकी से निरीक्षण किया किंतु वह भी नहीं पहचान पाया कि वास्तव में कौन मां है और कौन बेटी ? अब मंत्री बड़ी दुविधा में फंस गया, उसने सौदागर से एक दिन की मोहलत मांगी। घर आने पर वह बेहद परेशान रहा – उसकी पत्नी इस बात को समझ गई। उसने जब मंत्री से परेशानी का कारण पूछा तो उसने सौदागर की बात बता दी। यह सुनकर पत्नी बोली 'अरे ! बस इतनी सी बात है – यह तो मैं भी बता सकती हूँ ।' अगले दिन मंत्री अपनी पत्नी को वहाँ ले गया जहाँ गायें बंधी थीं। मंत्री की पत्नी ने दोनों गायों के आगे अच्छा भोजन रखा – कुछ ही देर बाद उसने माँ व बेटी में अंतर बता दिया – लोग चकित रह गए। मंत्री की पत्नी बोली 'पहली गाय जल्दी – जल्दी खाने के बाद दूसरी गाय के भोजन में मुंह मारने लगी और दूसरी वाली ने पहली वाली के लिए अपना भोजन छोड़ दिया, ऐसा केवल एक मां ही कर सकती है – यानि दूसरी वाली माँ है। ??माँ ही बच्चे के लिए भूखी रह सकती है – माँ में ही त्याग, करुणा, वात्सल्य, ममत्व के गुण विद्यमान होते है।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

ज़ेन ज़ी की किरांति सफल

डॉ मुकेश असीमित

ज़ेन ज़ी की किरांति सफल हुई। शहर के एक होटल में जश्न मनाया जा रहा है। उधर कई बूढ़े खूसटों के पेट में मरोड़े उठने लगे हैं। अरे... तुम क्या समझोगे ज़ेन ज़ी का दर्द! जिस पीढ़ी ने बचपन से 'रील' में जीना सीखा हो, वह क्रांति भी फुल एचडी क्वालिटी में ही करेगी। हम ठहरे पुराने ज़माने के लोग। हमारी किरांति का क्या था? चप्पल पहनकर किसी भी मोहल्ले के नेता के पीछे चल पड़ते थे। हमें बड़ा मुगालता रहता था कि व्यवस्था बदलने निकले हैं। न नारा ढंग का, न कैमरा, न ड्रोन। बस गला फाड़ते रहो, पसीना बहाते रहो और शाम को घर आकर चाय पी लो। आखिर आने वाली पीढ़ियाँ पूछेंगी कि 'दादा जी, आपने कौन-सी किरांति की थी?' तो एल्बम दिखाने लायक कंटेंट भी तो होना चाहिए। ज़ेन ज़ी जानती है कि सरकार तो अभी बदलनी नहीं। चलो, कम से कम एक दो मंत्री ही बदल जाएँ तो किरांति सफल मानी जाएगी।

एक बोला, 'यार, पुलिस का डंडा पड़ते समय कितना दर्द होता होगा? जिसके पड़ गया, उसी से पूछना पड़ेगा। '

दूसरा बोला, 'मेरे तो नहीं पड़े... लेकिन जिसकी पिटाई हुई उसकी रील बनाकर ही आत्मिक संतोष मिल गया। '

एक तीसरा आँसू गैस का गोला देखकर बोला, 'यार... अगर आँखों से आँसू नहीं निकले तो आंदोलन का इमोशनल एंगल कैसे बनेगा?'

उधर बिहार वाले कुछ जांबाज़ों ने तो बारिश का इंतज़ार ही छोड़ दिया। सीधे वाटर कैनन की माँग कर डाली—'भाई, थोड़ा इधर भी घुमा दो... रेन डांस भी हो जाएगा और वीडियो भी वायरल हो जाएगी!'

थोड़ी देर बाद एक अनुभवी क्रांतिकारी बोला—

'भाई... मज़ा तो आ गया। अब अगला सीन क्या है?'

दूसरा बोला—

'बस यार... एक रिज़ाइन दिलवा दो।'

तीसरा बोला—

'शिक्षा मंत्री का नहीं हो तो कोई स्टैंडबाय मंत्री ही सही। सरकार ने किसी न किसी को तो रिज़ाइन देने के लिए रिज़र्व रखा ही होगा।'

'अच्छा... फिर?'

'फिर पार्टी करेंगे।'

सुना है कुछ लोगों ने पहले से ही केक बुक करा रखा था ,मोमबत्तियाँ तैयार थी । डीजे तैयार। बस त्यागपत्र गिरते ही लोकतंत्र के नाम पर केक कटेगा और बैकग्राउंड में बजेगा—

'आज ब्लू है पानी-पानी... '

तभे जेन जी का लीडर चिल्लाया-'अरे सुबह हो गयी मामू..अरे... त्यागपत्र आ गया!'

वाह! पूरा न्याय तंत्र जैसे त्यागपत्र की जेब में ही रखा था। त्यागपत्र निकला और पेपर लीक का वायरस मोबाइल से अनइंस्टॉल हो गया। भ्रष्टाचार रीसेट हो गया। अगली सुबह सूरज भी सरकारी अधिसूचना पढ़कर उगा होगा। उधर लाखों विद्यार्थी अब भी सोच रहे हैं कि अगली परीक्षा कब होगी। लेकिन कुछ लोग उनसे भी नाराज़ हैं।

'ये बच्चे भी बड़े अहसानफ़रामोश हैं। मंत्री जी ने त्यागपत्र दे दिया, फिर भी संतुष्ट नहीं हैं!'

ज़ेन ज़ी ने भले खुद नीट न दी हो, लेकिन नीट देने वालों का दर्द खूब महसूस किया। कुछ लोगों नीट देकर नहीं, 'नीट' पीकर आंदोलन किया में भाग लिया है । अब जब त्यागपत्र निकलवा ही लिया है तो जश्न मनाने में क्या बुराई है? अब वही नीट दुआब्रा पीकर हम जीत का जश्न मनाएंगे।

इतिहास

30 जुलाई के इतिहास में वानुअतु की स्वतंत्रता, लॉस एंजिल्स ओलंपिक की शुरुआत, और प्रिटोरिया समझौते पर हस्ताक्षर जैसी प्रमुख घटनाएं दर्ज हैं।

भारत और विश्व में आज के दिन कई ऐसी प्रमुख ऐतिहासिक घटनायें (Historical Events) घटित हुई जिनका जिक्र आज भी इतिहास (History) के पन्नो में किया जाता है, और इतिहास से सम्बंधित प्रश्नों को प्रतियोगी परीक्षाओं में भी (Today History Questions) पूंछ लिया जाता है. हर दिन भारत-विश्व में कुछ न कुछ ऐसी घटनाएँ होती है जो की आगे चलकर इतिहास (Important History) बन जाती है जैसे, खेल जगत में रिकॉर्ड बनना, किसी प्रसिद्द व्यक्ति का जन्म व् मृत्यु, आज के दिन के महत्वपूर्ण दिवस, विज्ञान में अविष्कार, आज के दिन की खास बाते आदि।

भानबेड़ा : कीचड़ और पथरीले मार्ग से स्कूल जाने के लिए मजबूर हो रहे तूतारभर्री के बच्चे

ग्रामवासियों की मांग, बच्चों के आवाजाही के लिए मार्ग बनाया जाए

विश्व केसरी

कांकेर (लीलाधर नर्मलकर)। शासन प्रशासन विकास के चाहे कितने भी दावे कर ले पर जमीनी हकीकत उल्ट है । कुछ ऐसे ही शासन प्रशासन की खोखली दावों की पोल खोलती भानुप्रतापपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम भानबेड़ा के आश्रित ग्राम तूतारभर्री की जहां बारिश के शुरुवाती दौर में ही तूतारभर्री गांव के स्कूली बच्चों की परेशानी बढ़ गई है। स्कूल जाने का एकमात्र रास्ता कीचड़ और पानी से लबालब है। बच्चे हाथ में जूते-चप्पल लेकर और एक-दूसरे का हाथ पकड़कर जोखिम भरे रास्ते से गुजर रहे है ग्रामीणों से इसकी जानकारी सरपंच से लेकर प्रशासन के आलाधिकारियों तक भी किया इसके बावजूद न सड़क सुधरी और न ग्रामीणों की समस्या का समाधान निकला ।

इस मामले में दिलचस्प बात तो ये है कि कांकेर जिला पंचायत के सी ई ओ हरेश मंडावी के गृह ग्राम भानबेड़ा है इसी आश्रित ग्राम तूतारभर्री इस गांव से कई बच्चे है जो मिडिल स्कूल और हायर सेकंडरी तक के शिक्षा के लिए इसी रास्ते से होकर गुजरते है।

रोज का संघर्ष बना स्कूल जाना

तस्वीर में साफ दिख रहा है कि छोटे-छोटे बच्चे नीली ड्रेस में कीचड़ भरे रास्ते से नंगे पैर गुजर रहे हैं। हाथ में बैग और जूते हैं ताकि गंदे न हों। पीछे भी कई बच्चे छाता लेकर उसी दलदल से आ रहे हैं। थोड़ी सी बारिश में ही पूरा रास्ता तालाब बन जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि तूतारभर्री से स्कूल आने-जाने के लिए पक्की सड़क या पुलिया नहीं है। बरसात में 4 महीने तक बच्चों को इसी तरह आना-जाना पड़ता है। कई बार बच्चे गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं यह सिर्फ नन्हे स्कूली बच्चे की समस्या नहीं है बल्कि आम ग्रामीणों की भी यही हाल है इसी रास्ते से ग्रामीण हॉस्पिटल , बाजार , खाद के लिए लैंप्स और दैनिक कार्यों के लिए इसी रास्ता से आवागमन करते है ।

ग्रामीणों की मांग

गांव वालों ने प्रशासन से मांग की है कि तूतारभर्री से स्कूल तक तुरंत पक्की सड़क बनाई जाए। नाली और पुलिया का निर्माण हो ताकि पानी जमा न हो। बारिश के दिनों में वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

पालकों का कहना है 'हम अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन रास्ते की वजह से रोज डर लगता है। कहीं कोई हादसा न हो जाए।

ग्राम पंचायत भानबेडा और जिला प्रशासन से अनुरोध है कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए इस रास्ते को प्राथमिकता से ठीक कराया जाए। शिक्षा का अधिकार तब तक पूरा नहीं होगा जब तक बच्चे सुरक्षित स्कूल नहीं पहुंचेंगे ।

कलेक्टर ने 13 दिव्यांगजनों को प्रदान किये सहायक उपकरण

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समाज कल्याण विभाग के माध्यम चिन्हांकित दिव्यांगं को जनदर्शन में आए 13 दिव्यांगजनों सहायक उपकरण प्रदान किया।सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली।

विकासखण्ड सिमगा के ग्राम चौरेंगा निवासी बीरु वासूदेव एवं ग्राम रानीजरौद निवासी मोहन लाल कुर्रे को मोट्राईज्ड ट्रायसायकल तथा ग्राम उड़ेला निवासी मेमिन निर्मलकर को हस्त चलित ट्रायसायकल वितरण किया गया। सिमगा विकासखण्ड के ग्राम हथबंद निवासी साधे रात्रे एवं ग्राम रावन निवासी कु, सुमन्त वर्मा को कृत्रिम पैर वितरण किया गया। विकासखण्ड भाटापारा के ग्राम सिंगारपुर निवासी भीखमा साहू को श्रवण यंत्र, विकासखण्ड पलारी के ग्राम भोथीडीह निवासी यशवन्त कुमार को कृत्रिम पैर एवं ग्राम कोनारी निवासी सूरज बारले को कृत्रिम हाथ, पैर, पंजा, प्रदान की गई।

ग्राम गुचीपार निवासी हर्ष साहू को कैलिपर,ग्राम बिटकुली निवासी अंश खरे को कैलिपर पैर, पंजा, ग्राम बरपाली के सेवकराम निराला को कृत्रिम पैर, भाटापारा निवासी यशोदा बाई साहू को कृत्रिम पैर प्रदान की गई। विकासखण्ड बलौदाबाजार के ग्राम अहिल्दा निवासी तिजउराम निषाद को कृत्रिम पैर वितरण किया गया।

कलेक्टर शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को चिन्हांकित कर उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपने दैनिक कार्य कर सकें।

संक्षिप्त खबरें

इंटेकवेल में फंसे तीन कर्मचारी

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। महानदी में जलस्तर बढ़ने के कारण नगर पालिका परिषद महासमुंद के इंटेकवेल में रात्रि पाली में कार्यरत तीन कर्मचारी एहतियातन इंटेकवेल परिसर में ही रुके हुए हैं। तीनों कर्मचारी पूरी तरह सुरक्षित हैं तथा उनके लिए भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने जल प्रभारी दुर्गेश कुंजेकार एवं संबंधित अधिकारियों को इंटेकवेल पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करने का निर्देश देते हुऐ कर्मचारियों की सुरक्षा एवं पेयजल आपूर्ति व्यवस्था करने कहा। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि 'नगरवासियों को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। इंटेकवेल में कार्यरत तीनों कर्मचारी पूर्णतः सुरक्षित हैं। महानदी का जलस्तर सामान्य होते ही उन्हें सुरक्षित वापस लाया जाएगा।

बकायादारों पर प्रशासन सख्त, दो दिन में राशि जमा नहीं करने पर संपत्ति की होगी कुर्की

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत बैंको से ऋण लेकर राशि जमा नहीं करने वाले बकायादारों पर प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही की जा रही है। अंतिम चेतावनी के रूप में दो दिन में राशि जमा करनी होगी अन्यथा उनकी चल- अचल संपत्ति की कुर्की की जाएगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर बुधवार को नायब तहसीलदार बलौदाबाजार सहित बैंक ऑफ़ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक एवं अन्य राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बलौदाबाजार शहर के बकायादार के घर पर दबिश दिये। इनमे रामजी सेन, नसीम खान, नईम अहमद, रामजी फेकर, इलियास रजक, रीना साहू, मोहम्मद गुलफाम खान एवं अन्य शामिल हैं जिन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत लोन लेकर डिफाल्टर रहे और मांग सूचना जारी होने के बाद भी बकाया राशि जमा नहीं किया है।बकायादारों ने दो दिन में बकाया राशि जमा करने एवं खाता बंद करने की सहमति दी गई। दिये गये समयावधि में राशि जमा नहीं करने पर उनके चल- अचल संपत्ति कुर्क कर नीलामी की कार्यवाही की जाएगी एवं बैंकों की राशि का समायोजन किया जाएगा। यह अभियान लगातार चलता रहेगा इस क्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक,बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, कैनरा बैंक आदि सभी की वसूली की कार्यवाही की जानी है।

जिला सदस्य एवं सरपंच ने किया वृक्षारोपण

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। बुधवार को समीप के ग्राम पंचायत रायकोना मे वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य शिवा अनिल साहू और पंचायत रायकोना गांव के सरपंच जयश्री हरि यादव और पंचायत सचिव और जनप्रतिनिधि ने तालाब पार में , आम ,नीम बेल ,पीपल गुलमोहर आदि पेड़ों का वृक्षारोपण किया गया ।

कलेक्टर ने पांच आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। जिले में वर्तमान कानून व्यवस्था को देखते हुए कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने पुलिस प्रशासन से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर तीन आदतन अपराधियों को एक वर्ष के लिए जिला बदर के आदेश जारी किया है।

आदेश के तहत थाना राजादेवरी निवासी ग्राम चांदन के लाभोराम साहू पिता शंकर लाल साहू, थाना सिमगा अंतर्गत ग्राम गणेशपुर के बंटी मसीह उर्फ रिषभ मसीह पिता संजय मसीह एवं प्रवीण मसीह पिता विराज मसीह, नगर पंचायत लवन वार्ड नं. 8 बाजार चौक निवासी गितेश उर्फ सब्बू उर्फ अंश तिवारी पिता देवप्रकाश तिवारी एवं थाना कसडोल अंतर्गत महामाया पारा कसडोल के अनिल साहू पिता दिलहरण साहू को जिला बदर किया गया है। उक्त कार्रवाई छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3,5 (ख) के तहत किया गया है जिसमें 1 वर्ष के कालावधि के लिए बलौदाबाजार-भाटापारा जिला एवं उसके सीमावर्ती जिले बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, महासमुंद, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, सक्ति, बेमेतरा एवं सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिलों की सीमाओं से आदेश पारित होने के 24 घंटे के भीतर हटने एवं बाहर चले जाने के आदेश दिए है।

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ आपदा टीमों ने मिलकर डूबी कार को निकाला

विश्व केसरी

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, एसपी सुनील शर्मा, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और जिला आपदा राहत की टीम ने मिलकर लगातार काम किया। इससे लात नाला (माधोपाली पुल) में हुए हादसे में कार समेत बहे दम्पत्ति के शव आखिरकार बरामद कर लिए गए हैं। लगातार चले रेस्क्यू अभियान के दौरान कार को नदी से बाहर निकाला गया, जिसमें चालक देवनारायण पटेल एवं उनकी पत्नी के शव कार के अंदर ही मिले। गाड़ी के पीछे सीट में पति पत्नी के गोद में थे।

इस दाम्पत्य का हृदय विदारक मौत हुआ। घटना रविवार शाम का था जो बुधवार को 4 दिन में बड़ी मशक्क़त के बाद मिला इस रेस्क्यू ऑपरेशन में रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, कोरबा के कई टीम बड़ी मेहनत किया जिससे सफलता मिल गया। इस दर्दनाक हादसा के रेस्क्यू को देखने के लिए हजारों से भी अधिक लोग देखने गये। जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की संयुक्त टीमें लगातार बचाव एवं खोज अभियान में जुटी हुई थीं। तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद जवानों ने लगातार प्रयास जारी रखे और अंततः कार सहित दोनों शवों को बरामद कर लिया। कार मिलने की सूचना से बॉडी निकालते तक कलेक्टर एसपी घटना स्थल पर मौजूद रहे। इससे पहले घटना दिनांक से कलेक्टर एसपी इस अभियान का लगातार मॉनिटरिंग कर रहे थे। कलेक्टर ने जिले के लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में उफनते नदी- नालों, जलमग्न पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले रास्तों को पार करने का जोखिम न उठाएं। थोड़ी-सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है, इसलिए सुरक्षा निर्देशों का पालन करना ही सबसे बड़ा बचाव है।

गुरु पूर्णिमा पर योग साधकों ने गुरु का किया सम्मान

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पतंजलि योग समिति, कबीरधाम द्वारा श्रद्धा, भक्ति और संस्कार के साथ गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष एवं योग गुरु सुरेश चंद्रवंशी का योग साधकों एवं साधिकाओं ने पुष्प अर्पित कर सम्मान किया तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन से हुई। इसके पश्चात सामूहिक योगाभ्यास आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों, महिलाओं एवं वरिष्ठ योग साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा और गुरु भक्ति का भाव देखने को मिला।

इस अवसर पर योग साधकों और बच्चों ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु केवल योग का अभ्यास ही नहीं सिखाते, बल्कि अनुशासित, स्वस्थ और संस्कारित जीवन जीने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने बताया कि योग गुरु सुरेश चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में अनेक लोगों ने योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सकारात्मक परिवर्तन महसूस किया है। अपने संबोधन में योग गुरु सुरेश चंद्रवंशी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और समर्पण का पर्व है। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और जीवन में संतुलन स्थापित करने का मार्ग भी है। उन्होंने सभी से नियमित योग, प्राणायाम एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन गुरु वंदना, प्रसाद वितरण एवं सभी योग साधकों द्वारा समाज में योग और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश फैलाने के संकल्प के साथ हुआ। पूरे आयोजन में गुरु के प्रति सम्मान, भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था और योग के प्रति समर्पण का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

किसानगण एग्रीस्टेक में पंजीयन जरूर कराएं : पद्मिनी भोई

विश्व केसरी

सारंगढ़-भिलाई। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिले के सभी किसानों से अपील किया है कि वे भारत सरकार की महत्वाकांक्षी एग्रीस्टेक (फार्मर रजिस्ट्री) योजना के अंतर्गत अपना पंजीयन शीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक प्रत्येक किसान की एक विशिष्ट डिजिटल किसान आईडी है, जिसमें भूमि, फसल एवं अन्य आवश्यक कृषि संबंधी जानकारी सुरक्षित रहती है। भविष्य में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ इसी किसान आईडी के माध्यम से प्रदान किया जाएगा, इसलिए पंजीयन जरूर करें।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में एग्रीस्टेक पंजीयन का कार्य निरंतर प्रगति पर है, जो किसान वर्तमान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लिए पात्र नहीं हैं, यदि वे भूमिधारक हैं, तब भी उनके लिए एग्रीस्टेक कराना आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से संयुक्त खातेदार (जॉइंट ख़ाता) किसानों से अपील करते हुए कहा कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार संयुक्त खाते के सभी भूमिधारक सदस्यों का एग्रीस्टेक होना आवश्यक है। यदि संयुक्त खाते के किसी भी सदस्य का एग्रीस्टेक नहीं होगा, तो धान विक्रय में भी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

चलती ट्रेनों में चोरी करने वाला 'पेपर गैंग' गिरफ्तार

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत आरपीएफ और जीआरपी ने ट्रेनों में यात्रियों को निशाना बनाने वाले कुख्यात 'पेपर गैंग' का भंडाफोड़ किया है। बिहार के मुंगेर से संचालित इस अंतरराज्यीय गिरोह के 6 सदस्य बिलासपुर से गिरफ्तार किए गए। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के बाद रेलवे में हुई कई अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है।

क्या है 'पेपर गैंग' का तरीका ?

इस गैंग का नाम 'पेपर गैंग' इसलिए पड़ा क्योंकि आरोपी अखबार, कागज या कपड़े से सामान ढककर यात्रियों का ध्यान भटकाते हैं। फिर भीड़ और सोते हुए यात्रियों का सामान पार कर देते हैं। ये खासकर लंबी दूरी की पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों में सक्रिय रहते हैं।

कैसे हुआ खुलासा: 2.74 लाख के गहने चोरी का मामला

12 जुलाई 2026 को ट्रेन 58214 टिटलागढ़ पैसेंजर में बिलासपुर से रायगढ़ जा रहे यज्ञ नारायण सोनी के प्लास्टिक डिब्बे में रखे 2.74 लाख रुपये के सोने के आभूषण गायब हो गए। शिकायत के बाद आरपीएफ की CIB और जीआरपी बिलासपुर ने जांच शुरू की। चोरी के तरीके से बिहार मुंगेर के बरियारपुर से चलने वाले पेपर गैंग पर शक हुआ। पुलिस ने बिलासपुर, जयरामनगर, अकलतरा, नैला और चांपा स्टेशनों के सीसीटीवी खंगाले। शहर के ट्रैफिक कैमरों और तकनीकी साक्ष्यों से मिलान कर पता चला कि आरोपी बिलासपुर के एक होटल में ठहरे हैं और नई चोरी की प्लानिंग कर रहे हैं। इसी सूचना पर 26 जुलाई को संयुक्त टीम ने होटल में दबिश देकर 6 आरोपियों को पकड़ लिया।

सभी आरोपी बिहार के मुंगेर जिले, बरियारपुर के रहने वाले हैं - सतीश कुमार - उम्र 42 वर्ष, सागर - उम्र 23 वर्ष, पिंटू राज - उम्र 38 वर्ष, उदय कुमार - उम्र 35 वर्ष, शिंटू कुमार - उम्र 29 वर्ष, हिमांशु कुमार - उम्र 20 वर्ष।

पूछताछ में पता चला कि गिरोह का सरगना रंजीत कुमार मंडल और दीपक कुमार मंडल अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है। आरोपियों ने पहले भी कई ट्रेनों में चोरी करना कबूल किया है। जीआरपी बिलासपुर आगे की जांच कर रही है।

ये ट्रेनों में चोरी करने वाला अंतरराज्यीय गिरोह है। कागज-अखबार से सामान ढककर यात्रियों का ध्यान भटकाकर चोरी करते थे।

लगातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 274 अंक उछला, निफ्टी 24,300 के पार

विश्व केसरी ■

मुंबई । वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिली है।

बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 273.55 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 66.95 अंक यानी 0.28 प्रतिशत बढ़कर 24,317.15 पर बंद हुआ।

प्रमुख सूचकांकों की तुलना में व्यापक सूचकांकों का प्रदर्शन कमजोर रहा, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.35 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी ऑटो शीर्ष लाभ कमाने वाला इंडेक्स बनकर उभरा, जिसमें 1.63 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके साथ ही, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी भी बढ़त के साथ बंद

हुए। जबकि इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी सूचकांक सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स में भी गिरावट देखने को मिली।

निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एम एंड एम, कोल इंडिया, आइशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, टीएमपीवी और विप्रो शामिल थे, जबकि नुकसान उठाने वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और इंडिगो शामिल थे।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को यथावत रखने का फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा, लेकिन महंगाई पर लगातार सख्त रुख बनाए रखने के कारण उसका रुख (हॉकिश स्टैंड) बरकरार रहा। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में तेज बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना को लेकर दबाव बढ़ रहा है, जिससे वैश्विक निवेशकों की चिंता बनी हुई है। वहीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में फिर से उतार-चढ़ाव ने वैश्विक अनिश्चितता को और बढ़ा दिया।

एक्सपर्ट ने आगे कहा कि इन वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता रहा और दिन भर तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। निवेशक एक ओर वैश्विक जोखिमों का आकलन करते रहे, वहीं दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियादी स्थिति ने बाजार को सहारा दिया।

असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए 5 करोड़ से अधिक आईटीआर फाइल हुए, 31 जुलाई है अंतिम तारीख

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए 5 करोड़ से अधिक लोगों ने आईटीआर दाखिल कर दिया है। साथ ही, आयकर विभाग ने करदाताओं से अपील की है कि वह आयकर रिटर्न जमा करने के लिए अंतिम तारीख 31 जुलाई का इंतजार न करें।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आयकर विभाग ने एक पोस्ट में करदाताओं को सलाह दी कि अंतिम तारीख आने से पहले सभी करदाता आईटीआर-1 और आईटीआर-2 जमा कर दें, ताकि डेडलाइन के पास आने पर जल्दबाजी और अन्य तकनीकी व्यवधानों से बचा जा सके।

विभाग ने कहा, 'असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए 5 करोड़ से ज्यादा आईटीआर पहले ही भरे जा चुके हैं।

आखिरी समय की हड़बड़ी का इंतजार न करें। आज ही असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए अपना आईटीआर-1 या आईटीआर-2 मिलान करें और फाइल करें।'

यह रिमाइंडर उन करदाताओं

के लिए 31 जुलाई की डेडलाइन से पहले दिया गया है, जिन्हें असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए रिटर्न फाइल करने के लिए अपने अकाउंट्स का ऑडिट कराने की जरूरत नहीं है।

आयकर विभाग ने बार-बार करदाताओं को सलाह दी है कि वे अपना रिटर्न जमा करने से पहले जानकारी वेरिफाई कर लें। इसमें फॉर्म 16, एनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस), फॉर्म 26एएस, बैंक स्टेटमेंट और इनकम से जुड़े दूसरे रिकॉर्ड्स में मौजूद जानकारी शामिल है।

इससे पहले, आयकर विभाग ने टैक्सपेयर्स से रिटर्न फाइलिंग में देरी न करने की अपील की थी और चेतावनी दी थी कि देरी से पोर्टल पर ज्यादा ट्रैफिक और टेक्निकल दिक्कतों के कारण आखिरी समय में परेशानियां हो सकती हैं।

इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024-25 में 31 मार्च 2025 तक 9 करोड़ से अधिक करदाताओं ने आयकर रिटर्न फाइल किए। इनमें से 8.64 करोड़ रिटर्न ई-वेरिफाई किए गए, जबकि इस दौरान 4,35,008 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए।

भारत में वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में सोने की मांग 6 प्रतिशत घटी, लेकिन निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही: डब्ल्यूजीसी

विश्व केसरी ■

मुंबई । भारत में वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (क्यू2) यानी अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सोने की कुल मांग में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की ताजा क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, मौसमी सुस्ती, आयात शुल्क (कस्टम ड्यूटी) का असर और उपभोक्ताओं की बदलती सोच के कारण सोने की खरीदारी प्रभावित हुई। हालांकि, निवेश के उद्देश्य से सोने की मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी रही।

रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में देश की कुल सोने की मांग 131.4 टन रही, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 139.7 टन थी। इस दौरान सबसे अधिक गिरावट आभूषणों (ज्वेलरी) की मांग में देखने को मिली। आंकड़ों के अनुसार, ज्वेलरी

की मांग सालाना आधार पर 15 प्रतिशत घटकर 88.8 टन से 75.1 टन रह गई।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी को कुछ समय के लिए टालने और बचत के वैकल्पिक साधनों पर विचार करने की अपील की थी। उनका कहना था कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और आयात लागत में वृद्धि के कारण विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मई में कहा था, 'मैं लोगों से अपील करूंगा कि वे एक वर्ष तक शादियों के लिए सोना न खरीदें।' यह अपील पश्चिम एशिया में जारी तनाव और उससे पैदा हुई वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच की गई थी।

इस बीच, गुरुवार को एमसीएक्स पर मुनाफावसूली के चलते सोने और चांदी की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले मुनाफावसूली की।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि 4,080 डॉलर के आसपास सोने की कीमतों का टिके रहना इस बात का संकेत है कि बाजार एक ओर सख्त मौद्रिक नीति और दूसरी ओर पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने महंगाई पर नियंत्रण के लिए ब्याज दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया है और सितंबर में दरों में तत्काल बढ़ोतरी की संभावना भी कम कर दी है।

भारत में क्रिटिकल मिनरल की मांग 2047 तक 10 गुना बढ़ने की उम्मीद : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में क्रिटिकल मिनरल की मांग 2047 तक चार से दस गुना तक बढ़ सकती है। इसकी वजह सरकार की ओर से 2030 तक 500 गीगावाट की गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ाने की दिशा में उठाए जा रहे कदम हैं। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम के तेजी से विस्तार के चलते लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, ग्रेफाइट, तांबा और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की मांग में तेज बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अकेले ईवी बैटरियों की मांग 2030 तक 110-130 गीगावाट तक पहुंच सकती है। वहीं, भारत के 2070

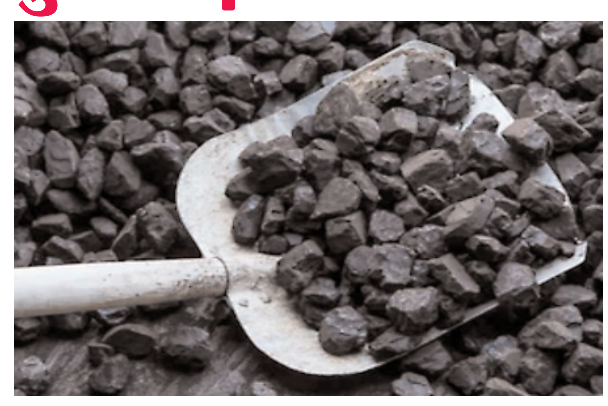

तक नेट जीरो लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के साथ क्रिटिकल मिनरल की मांग चार से दस गुना तक बढ़ सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत को केवल खनिज संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि एक्सप्लोरेशन, रिफाइनिंग, प्रोसेसिंग, रीसाइक्लिंग और फंडिंग जैसे क्षेत्रों में मजबूत घरेलू क्षमताएं भी विकसित करनी होंगी।

रिपोर्ट में 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप लक्षित नीतिगत सुधारों, रणनीतिक निवेश और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से वर्ष 2047 तक के लिए तीन चरणों वाला रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। पहला चरण 2026-31 के दौरान बुनियादी ढांचा तैयार करने का है, जिसमें एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर), सर्कुलर मिनरल प्रोसेसिंग जोन तथा बैटरी ट्रेसबिलिटी और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन शामिल हैं।

दूसरे चरण (2031-36) में रीसाइक्लिंग और ट्रेसबिलिटी प्रणालियों का विस्तार तथा ग्रीन फाइनेंसिंग को बढ़ावा देकर औद्योगिकीकरण को गति देने की बात कही गई है।

तीसरे चरण (2036-47) में रणनीतिक आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो, घरेलू रिफाइनिंग और रीसाइक्लिंग क्षमता मजबूत बने तथा 10-15 अरब डॉलर की वार्षिक रीसाइक्लिंग अर्थव्यवस्था विकसित की जा सके।

रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी नीतियों का फोकस राजस्व अधिकतम करने के बजाय संसाधन सुरक्षा पर होना चाहिए।

हुंडई मोटर इंडिया का मुनाफा पहली तिमाही में 35 प्रतिशत गिरकर 889 करोड़ रुपए रहा, आय भी घटी

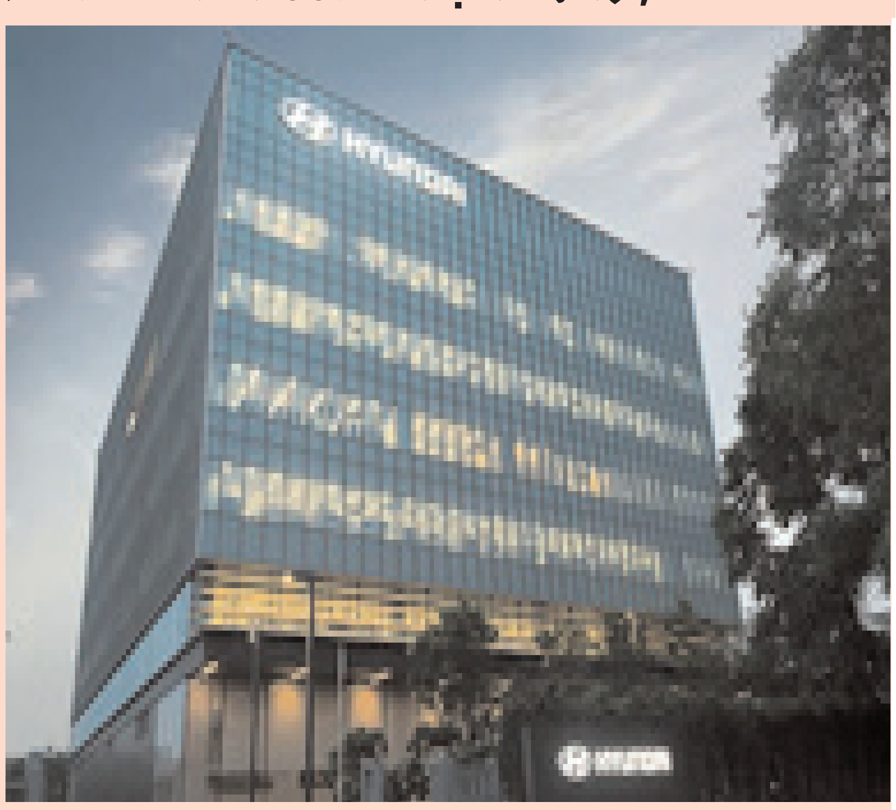

विश्व केसरी ■

मुंबई । हुंडई मोटर इंडिया ने गुरुवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी किए। इस दौरान कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 35 प्रतिशत घटकर 888.6 करोड़ रुपए रह गया है। इसकी वजह कमजोर निर्यात और उत्पादन में अस्थाई व्यवधान के चलते वॉल्यूम घटना है।

इस दौरान कंपनी की परिचालन से आय सालाना आधार पर 0.5 प्रतिशत कम होकर 16,334.6 करोड़ रुपए हो गई है।

हुंडई मोटर इंडिया का जून तिमाही में एबिटडा सालाना आधार पर 31 प्रतिशत कम होकर 1,511.7 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, एबिटडा मार्जिन सालाना आधार पर घटकर 9.3 प्रतिशत हो गया है, जो कि एक साल पहले 13.3 प्रतिशत था। कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान प्रोडक्शन में अस्थायी रुकावटों की वजह से घरेलू वॉल्यूम में सालाना आधार पर 5.4 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हो पाई, जबकि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर निर्यात पर पड़ा।

नतीजों पर बात करते हुए मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर तरुण गर्ग ने कहा कि जून तिमाही चुनौतीपूर्ण रही, जिसमें कई मुश्किलों ने वॉल्यूम और मुनाफे पर असर डाला।

गर्ग ने कहा, 'वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही कई चुनौतियों से भरी रही, जिससे वॉल्यूम और मुनाफे पर असर पड़ा। प्रोडक्शन के पूरी तरह सामान्य होने, अच्छी मांग और आने वाले नए प्रोडक्ट्स के साथ, घरेलू और एक्सपोर्ट दोनों ही तरह के कारोबार में दूसरी तिमाही से रिकवरी में तेजी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कंपनी घरेलू और निर्यात दोनों मार्केट में सालाना 8-10 प्रतिशत वॉल्यूम ग्रोथ और 11-14 प्रतिशत एबिटडा मार्जिन के अपने वित्त वर्ष 27 के अनुमान पर कायम है।

हुंडई मोटर इंडिया का शेयर गुरुवार के सत्र में 2.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,040 रुपए पर बंद हुआ। बीते एक महीने में शेयर ने 7 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न दिया है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का शेयर लिस्टिंग के करीब एक हफ्ते बाद इश्यू प्राइस के नीचे फिसला

विश्व केसरी ■

मुंबई। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर गुरुवार को अपने लिस्टिंग प्राइस 574 रुपए से नीचे फिसल गए।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयरों ने सत्र की शुरुआत सपाट 576.05 रुपए पर की और इस दौरान 579.90 रुपए का हाई बनाया, लेकिन शुरुआती कारोबार के बाद इसमें गिरावट बढ़ती चली गई है और 565.05 रुपए का नया न्यूनतम स्तर बनाया।

दोपहर 3 बजे शेयर 1.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 569.10 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर की लिस्टिंग 21 जुलाई को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 6.85 प्रतिशत से प्रीमियम के साथ 613.30 रुपए पर हुई थी।

लिस्टिंग ने दिन शेयर ने 624.95 रुपए का हाई बनाया, जो कि इसका अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है।

14-16 जुलाई तक खुले एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के आईपीओ को बाजार से बंपर रिस्पॉन्स मिला था और यह 41.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस पब्लिक इश्यू से एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने 9,812.91 करोड़ रुपए जुटाए थे और इसका प्राइस बैंड 545-574 रुपए प्रति शेयर था।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की स्थापना 1987 में हुई थी। यह एसबीआई की सहयोगी कंपनी है। तिमाही औसत एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (क्यूएएयूएम) के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है। 31 मार्च, 2026 तक, यह 12.51 लाख करोड़ रुपए के म्यूचुअल फंड एसेट्स को मैनेज कर रही थी और इसकी मार्केट हिस्सेदारी 15.3 प्रतिशत थी।

इसके अतिरिक्त, भारतीय शेयर बाजार में मजबूती के साथ कारोबार हो रहा था। इस दौरान सेंसेक्स 219 अंक या 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,874 और निफ्टी 65 अंक या 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,309 पर था।

एडीबी ने भारत में शहरी सुधार और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए मंजूर किया एक अरब डॉलर का लोन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने भारत सरकार के शहरी सुधारों के एजेंडा के समर्थन के लिए एक अरब डॉलर का लोन मंजूर किया है। इसका उद्देश्य शहरों में आर्थिक विकास, इनोवेशन और जीवन स्तर में सुधार करना है।

एडीबी के अनुसार, 'अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन एंड इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम' केंद्र के प्रमुख 'अर्बन चैलेंज फंड' (यूसीएफ) और उससे जुड़े सुधारों को लागू करने में मदद करेगा। इसका मकसद शहरी संस्थाओं को मजबूत करना, इंटीग्रेटेड इकोनॉमिक और स्पेशल प्लानिंग को बेहतर बनाना और शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय क्षमता को बढ़ाना है।

एडीबी ने आगे कहा कि यह प्रोग्राम मजबूत शहरी पुनर्निर्माण को

बढ़ावा देगा, जिसमें यातायात-केंद्रित विकास और सार्वजनिक जगहों का बेहतर प्रबंधन शामिल है। साथ ही, यह म्युनिसिपल बॉन्ड और बाजार-आधारित दूसरे फाइनेंसिंग तरीकों के जरिए कमर्शियल कैपिटल तक पहुंच बढ़ाने में भी मदद करेगा।

यह पारदर्शिता, कार्यकुशलता और सबूतों पर आधारित फैसले लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल सिस्टम को बढ़ावा देकर शहरी प्रशासन को भी आधुनिक बनाएगा।

एडीबी आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय का लंबे समय से सहयोगी रहा है।

2024 से, इसने शहरी विकास, शहर के पुनर्निर्माण, और जलापूर्ति व साफ-सफाई से जुड़े विश्लेषणात्मक कार्यों में सहयोग किया है, जिससे 'अर्बन चैलेंज फंड' की नींव रखने में मदद मिली है।

इसके अलावा, इस ग्लोबल बैंक ने प्रोग्राम को लागू करने में मंत्रालय की मदद के लिए 3 मिलियन डॉलर की टेक्निकल सहायता भी दी है।

एडीबी की भारत के लिए कंट्री डायरेक्टर मियो ओका ने कहा, '2047 तक पूरी तरह से विकसित देश बनने के 'विकसित भारत' के विजन को हासिल करने में भारत के शहर अहम भूमिका निभाएंगे।

वियतनाम में हुआ पूरे लिंग का सफल ट्रांसप्लांट, दुनिया में अब तक सिर्फ 5, क्या यह काम करेगा, सर्जन से समझें

वियतनाम ने देश का पहला सफल लिंग (Penis) ट्रांसप्लांट किया है. पेनाइल ट्रांसप्लांट सबसे दुर्लभतम ट्रांसप्लांट माना जाता है. अब तक पूरी धरती पर सिर्फ 5 पुरुषों में ही लिंग ट्रांसप्लांट किया गया है. इसलिए यह मेडिकल जगत की बड़ी उपलब्धि है. विएट डुक फ्रेंडशिप अस्पताल के मुताबिक 43 वर्षीय पुरुष में चार साल पहले ही छोटी सर्जरी हुई थी लेकिन लिंग सही से काम नहीं कर पा रहा था. ऐसे में डॉक्टरों की टीम ने पूरे अंग के ट्रांसप्लांट करने का फैसला किया. हालांकि इस ट्रांसप्लांट की जरूरत क्या है और पहले की तरह सामान्य हो पाएगा या नहीं इस पर कई तरह के सवाल है. इसलिए हमने इस विषय को बारीकी से समझने के लिए वीएनए अस्पताल, नई दिल्ली के डायरेक्टर और यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत मल्होत्रा से बात की.

आपने हार्ट ट्रांसप्लांट सुना होगा, किडनी ट्रांसप्लांट सुना होगा, यहां तक कि लिवर और लंग्स ट्रांसप्लांट भी सुने ही होंगे लेकिन क्या कभी आपने लिंग ट्रांसप्लांट (Penis Transplant) के बारे में सुना है? जी हां, लिंग ट्रांसप्लांट भी होता है लेकिन यह बेहद दुर्लभ है और अब तक सिर्फ 5 पुरुषों में ही लिंग ट्रांसप्लांट संभव हो पाया है. लेकिन वियतनाम ने पहला लिंग ट्रांसप्लांट कर मेडिकल जगत में बड़ी छलांग लगाई है. वियतनाम के वियट डुक फ्रेंडशिप अस्पताल के सर्जनों ने 43 साल के पुरुष में पूरे लिंग का सफल ट्रांसप्लांट किया है. एक ब्रेन डेड मरीज से यह लिंग निकालकर उस व्यक्ति में सफलतापूर्वक फिट कर दिया गया. लिंग ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया को पेनक्टॉमी कहा जाता है. अस्पताल का दावा है कि मरीज में लगाया गया लिंग प्रतिक्रिया दे रहा है. हम यह जानना चाहते हैं कि पेनिस ट्रांसप्लांट के बाद क्या व्यक्ति पहले की तरह सब कुछ कर पाता है. इसके लिए हमने वीएनए अस्पताल, नई दिल्ली के डायरेक्टर और मशहूर एंड्रोलॉजिस्ट डॉ. विनीत मल्होत्रा से बात की.

क्या होती है पेनेक्टॉमी

डॉ. विनीत मल्होत्रा ने बताया कि जब किसी दूसरे पुरुष के लिंग को किसी जरूरतमंद पुरुष में फिट किया जाता है तो इस प्रक्रिया को पेनेक्टॉमी कहा जाता है. आमतौर पर पुरुषों में पेनाइल कैंसर या किसी गंभीर चोट की वजह से कभी-कभी पेनिस को काट कर निकालना पड़ता है. ऐसे मरीज जब सही हो जाते हैं, तो उनमें नया लिंग लगाने की जरूरत पड़ती है. कुछ मामलों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी के तहत भी यह प्रक्रिया की जा सकती है. हालांकि अभी तक जेंडर अफर्मिंग के लिए किसी का लिंग ट्रांसप्लांट नहीं किया गया है. यह बेहद जटिल प्रक्रिया है. इसमें पेशाब की थैली से लेकर पेनिस के सबसे आखिर तक की धमनियां, नसें, टिशूज आदि को एक-दूसरे से बारीकी से जोड़ना पड़ता है. इसमें कई विभागों के सर्जनों की मदद ली जाती है।

वियट डुक फ्रेंडशिप अस्पताल डॉक्टरों ने बताया कि मरीज को पहले पेनाइल कैंसर हुआ था. उपचार के दौरान पेनिस के अधिकांश भागों को हटाना पड़ा. इसके बाद चार साल पहले उनके लिंग के टिशूज को बढ़ाने के लिए एक छोटी पेनेक्टॉमी की गई लेकिन इससे मरीज की परेशानी दूर नहीं हो पाई. वह सामान्य तरह से पेशाब भी नहीं कर पा रहा था. इसके साथ उसे यौन संबंध बनाने में भी दिक्कत हो रही थी. वह मानसिक तनाव से गुजर रहा था. उसके पेनिस का केवल छोटा हिस्सा ही बचा था. इसका असर उसकी जीवन की गुणवत्ता और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर पड़ रहा था। इसलिए पूरे लिंग के ट्रांसप्लांट की योजना बनाई गई।

सच्ची सहेलियों के बीच क्यों आती है दूरी? जानिए बदलते सिस्टरहुड के मायने और खोई दोस्ती वापस पाने के रास्ते

बचपन की पक्की सहेलियां अक्सर उम्र के साथ एक-दूसरे से दूर क्यों हो जाती हैं? जानिए बदलते दौर में 'सिस्टरहुड' की नई परिभाषा, दोस्ती में आने वाली दूरियों के मुख्य कारण और खोई हुई सहेली के दोबारा करीब आने के कुछ आसान तरीके.

कूल की छुट्टी के बाद एक ही साइकिल पर घर लौटना, हर छोटी-बड़ी बात साझा करना और एक-दूसरे के बिना एक दिन भी न रह पाना- यह कहानी सिर्फ रिया और स्नेहा की नहीं, बल्कि हममें से कई महिलाओं की है. रिया और स्नेहा बचपन की सबसे पक्की सहेलियां थीं. लेकिन कॉलेज खत्म होते ही रिया की शादी हो गई और स्नेहा करियर के सिलसिले में दूसरे शहर चली गई.

शुरुआत में रोजाना होने वाली फोन कॉल धीरे-धीरे हफ्तों में बदली और फिर सिर्फ जन्मदिन की शुभकामनाओं तक सीमित रह गई. आज स्थिति यह है कि सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की तस्वीरें लाइक करने के बावजूद दोनों के बीच एक अनकही दूरी आ चुकी है. रिया और स्नेहा का यह उदाहरण दर्शाता है कि कैसे जिंदगी के पड़ाव बदलते ही पक्की सहेलियां एक-दूसरे से दूर होती चली जाती हैं.

समाजशास्त्र में महिलाओं के अटूट और आत्मीय रिश्ते को 'सिस्टरहुड' (Sisterhood) कहा गया है. लेकिन जीवन के अलग अलग पड़ावों पर व्यस्त जीवनशैली, बदलती प्राथमिकताओं और अनकही गलतफहमियों ने सिस्टरहुड के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है.

मनोवैज्ञानिक और संबंध विशेषज्ञ डॉ. बेकी स्पेलमैन की मानें तो वयस्क जीवन में दोस्ती का टूटना अक्सर किसी बड़े झगड़े से नहीं, बल्कि जीवन की प्राथमिकताओं और परिस्थितियों के धीरे-धीरे बदलने से होता है. इसे समाजशास्त्र में 'कैजुअल ड्रिफ्ट' (Casual Drift) कहा जाता है.

कंसास विश्वविद्यालय (University of Kansas) के एक शोध के अनुसार, दो लोगों के बीच गहरी और पक्की दोस्ती बनने में कम से कम 200 घंटों का समय लगता है।

जब जीवन की व्यस्तताओं के कारण यह समय मिलना बंद हो जाता है, तो रिश्ता अपने आप कमजोर पड़ने लगता है.

वहीं, UCLA के एक शोध के मुताबिक, 'महिलाओं के लिए सहेलियों का साथ सिर्फ भावनात्मक जरूरत नहीं, बल्कि जैविक जरूरत भी है. सहेलियों से बात करने पर शरीर में तनाव कम करने वाला 'ऑक्सीटोसिन' हार्मोन बनता है, लेकिन दूरियां आने पर यह भावनात्मक ढाल कमजोर पड़ने लगती है।

क्यों छूट जाता है पक्की सहेलियों का साथ?

जिंदगी के सफर में समय के साथ रिश्ते का मिज़ाज भी बदलने लगता है. सहेलियों के बीच दूरी आने की मुख्य वजहें य हैं:

जीवनशैली का बदलना:

उम्र बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां बदलती हैं. करियर की भागदौड़, शादी, ससुराल और बच्चों का पालन-पोषण, इन पड़ावों पर आते ही अक्सर महिलाओं के पास खुद के लिए भी वक्त कम पड़ जाता है. ऐसे में चाहकर भी सहेली को समय न दे पाना स्वाभाविक हो जाता है।

यह मिर्च नहीं अंगारे हैं जनाब, जीभ पे रखा तो कान से निकलेगा धुआ और आंखों से पानी!

अगर आपको तीखा खाना पसंद है, तो यह मिर्च आपके खाने का स्वाद काफी बढ़ा सकती है. हालांकि, इसे हमेशा सीमित मात्रा में ही खाएं ताकि स्वाद के साथ-साथ आपकी सेहत का भी ध्यान रखा जा सके.

अगर आपको तीखा खाना पसंद है, तो आपने ज़रूर गुंटूर मिर्च के बारे में सुना होगा. आंध्र प्रदेश के गुंटूर ज़िले में उगाई जाने वाली ये मिर्चें अपने तेज़ तीखेपन, गहरे लाल रंग और बेहतरीन क्वालिटी के लिए दुनिया भर में मशहूर हैं. यही वजह है कि ये भारत की सबसे लोकप्रिय लाल मिर्चों में गिनी जाती हैं और कई देशों में एक्सपोर्ट की जाती हैं. आइए जानते हैं कि गुंटूर मिर्च को क्या चीज़ इतना खास बनाती है...

गुंटूर मिर्च क्या है?

गुंटूर मिर्च का नाम आंध्र प्रदेश के गुंटूर ज़िले के नाम पर रखा गया है, जहां इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है. यहां की स्थानीय जलवायु और मिट्टी इस मिर्च की खेती के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है. अपने गहरे लाल रंग और तेज़ तीखेपन के कारण, गुंटूर मिर्च मसाला उद्योग में पहली पसंद है.

इसका तीखापन इतना ज़्यादा क्यों होता है?

मिर्च का तीखापन 'कैप्साइसिन' नाम के एक प्राकृतिक तत्व के कारण होता है. गुंटूर मिर्च में आम तौर पर इस तत्व की मात्रा ज़्यादा होती है. इसलिए, इसे खाने पर जीभ में तेज़ जलन होती है और आंखों से पानी भी आ सकता है. हालांकि, तीखेपन का स्तर मिर्च की अलग-अलग किस्मों के आधार पर कम या ज़्यादा हो सकता है.

किन चीजों में होती है इस्तेमाल?

लाल मिर्च पाउडर बनाने में.

अचार और चटनी में.

दक्षिण और उत्तर भारतीय मसालों के मिश्रण में.

स्नैक्स और रेडी-टू-कुक उत्पादों में.

फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में.

क्या गुंटूर मिर्च फायदेमंद भी है?

सीमित मात्रा में काली मिर्च का सेवन करने से स्वाद तो बढ़ता ही है, साथ ही कुछ ज़रूरी पोषक तत्व भी मिलते हैं. इसमें विटामिन ष्ट, विटामिन॰ और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं. हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि ज़्यादा मात्रा में काली मिर्च खाना सेहत के लिए बेहतर है.

ज्यादा खाने से हो सकती ये समस्याएं

गुंटूर मिर्च खाने से पेट में जलन, एसिडिटी, अपच, मुंह और गले में तेज़ जलन या पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

पंचमुखी हनुमान का दिव्य स्वरूप

आशुतोष चतुर्वेदी

कोरिया जिला से मेरा जुड़ाव केवल एक पदस्थापना का नहीं था, वह मेरे जीवन का एक भावनात्मक अध्याय बन चुका है ।वहाँ के लोग, वहाँ की मिट्टी, वहाँ की यादें.... सब कुछ मन का हिस्सा बन गए थे। फिर समय ने करवट ली और स्थानांतरण होकर अब बलरामपुर आना हुआ। नया स्थान, नई जिम्मेदारियाँ, घर से दूरी, अपनों से बिछड़ने का खालीपन, स्थानांतरण की व्यावहारिक उलझनें और मन के भीतर अनगिनत अनकहे प्रश्न.... बाहर से सब सामान्य दिखता है, पर भीतर बहुत कुछ चल रहा होता है। कई बार मन केवल एक आश्वासन चाहता है कि 'सब ठीक होगा।'

ऐसे ही मन की उस अवस्था में जब बछराज कुंवरधाम पहुँचा और पंचमुखी हनुमान महाप्रभु के दिव्य स्वरूप के दर्शन हुए, तो सच कहूँ.... ऐसा लगा मानो प्रभु साक्षात सामने खड़े होकर कह रहे हों - 'चिंता मत करो, मैं हूँ।' उनकी तेजस्वी, करुणामयी और जीवंत प्रतिमा को निहारते-निहारते कब आँखें नम हो गईं, पता ही नहीं चला। ऐसा अनुभव हुआ जैसे तन, मन, बुद्धि और आत्मा पर छाई सारी थकान, सारे संशय, सारी असुरक्षाएँ और भीतर का सारा बोझ उनके श्रीचरणों में स्वत: उतर गया हो। वर्षों बाद मन को वैसी शांति मिली, जिसे शब्दों में बाँध पाना कठिन है।

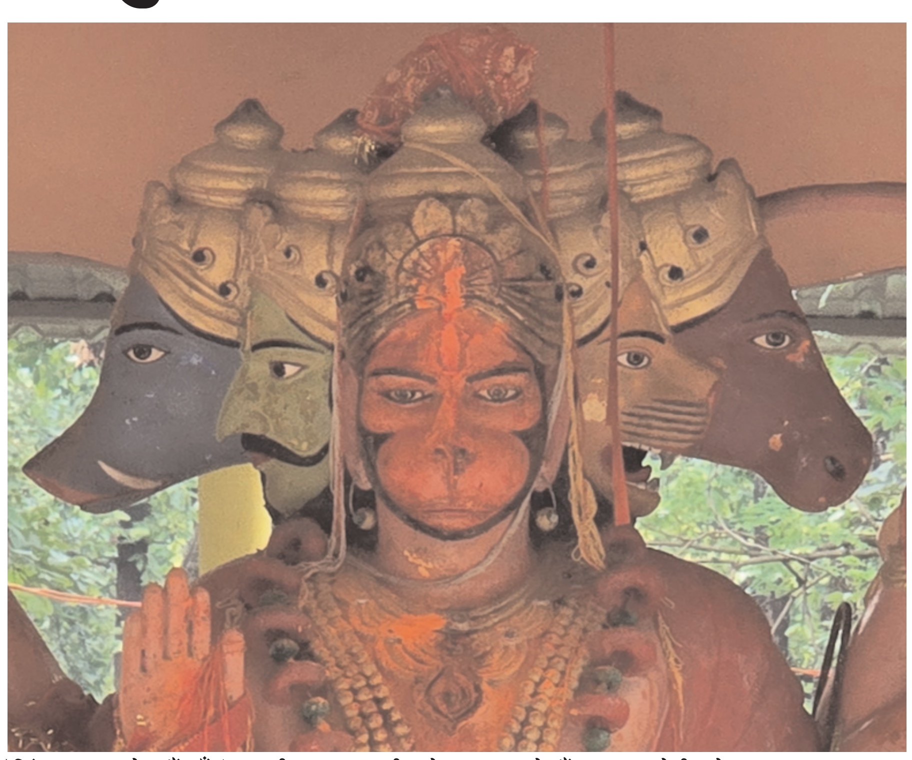

शायद इसी को कृपा कहते हैं.... जब प्रभु बिना कुछ कहे सब सुन लेते हैं, बिना कुछ पूछे सब समझ लेते हैं और बिना कुछ दिए भी सब कुछ दे जाते हैं। विश्वास, साहस और आगे बढ़ने की शक्ति। हे महाप्रभु, यदि आँखों में आए ये आँसू आपकी कृपा का प्रसाद हैं, तो इन्हें जीवन भर यूँ ही बने रहने दीजिए। बस अपना हाथ सिर पर बनाए रखिए।

बेगी हरो हनुमान महाप्रभु,
जो कछु संकट होय हमारो।
कौन सों संकट है मो गरीब को, जो तुमसे नहीं जात है टारो॥

समस्त विश्व का कल्याण कीजिए प्रभु। सभी के जीवन से भय, दुख और निराशा दूर कर उन्हें साहस, सेवा और सद्बुद्धि का आशीर्वाद दीजिए।

॥ हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट!

काजू कतली छोड़िए! देसी घी से बनाएं मुंह में घुल जाने वाली पिस्ता कतली, जानें आसान रेसिपी!

अगर आप घर पर कोई खास और शाही मिठाई बनाना चाहते हैं, तो देसी घी से बनी *पिस्ता कतली* एक बेहतरीन विकल्प है. इसे बनाना आसान है और इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि जो भी इसे एक बार चखेगा, वह इसका दीवाना हो जाएगा.

अगर आप अक्सर हर त्योहार या खास मौके पर काजू कतली बनाते हैं, तो इस बार कुछ नया क्यों न आज़माया जाए? पिस्ता कतली न सिर्फ़ खाने में बहुत स्वादिष्ट होती है, बल्कि देखने में भी बहुत शाही लगती है. बाज़ार में यह भले ही महंगी मिलती हो, लेकिन आप इसे आसानी से घर पर बना सकते हैं. देसी घी की खुशबू और पिस्ते का ज़बरदस्त स्वाद इस मिठाई को सच में खास बनाता है. आइए इसकी आसान रेसिपी जानते हैं...

सामग्री

2 कप बिना नमक वाले पिस्ते, 1 कप चीनी, ङ्घ कप पानी, 1 बड़ा चम्मच देसी घी, ङ्घ छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 1 बड़ा चम्मच दूध, सजावट के लिए पिस्ते के टुकड़े या चांदी का वर्क.

1. सबसे पहले, पिस्ता को 15-20 मिनट के लिए गर्म पानी में भिगो दें. इसके बाद, उनके छिलके उतार लें और उन्हें पूरी तरह से सुखा लें. अब, उन्हें मिक्सर में पीसकर बारीक पाउडर बना लें। ध्यान रखें कि उन्हें ज़्यादा न पीसें, क्योंकि पिस्ता अपना नेचुरल तेल छोड़ सकते हैं.

2. इसके बाद, चीनी और पानी का इस्तेमाल करके 'एक तार' वाली चाशनी तैयार करें. जब चाशनी तैयार हो जाए, तो उसमें पिस्ता पाउडर और इलायची पाउडर डालें और लगातार चलाते रहें।

हाईवे किनारे उगने वाले इस जंगली पौधे को लोग समझते हैं बेकार, आयुर्वेद में बताया है चमत्कार, बवासीर, जोड़ों के दर्द में रामबाण

सड़क किनारे उगने वाला गंभारी पौधा आयुर्वेद में औषधीय माना जाता है. इसके फल, पत्ते, छाल और जड़ का अलग-अलग पारंपरिक उपयोग बताया गया है. बवासीर, जोड़ों के दर्द, बुखार और पाचन संबंधी समस्याओं में इसका उल्लेख मिलता है. हालांकि बिना विशेषज्ञ की सलाह के इसका सेवन या उपयोग नहीं करना चाहिए. गलत मात्रा में इस्तेमाल करने से दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं.

भारत में कई ऐसे औषधीय पौधे पाए जाते हैं, जो बिना किसी खास देखभाल के खेतों के किनारे, सड़क के आसपास या खाली जमीन पर अपने आप उग आते हैं. ज्यादातर लोग इन्हें साधारण जंगली पौधा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन आयुर्वेद में इनमें से कई पौधों का विशेष महत्व बताया गया है. ऐसा ही एक पौधा है गंभारी (घनेरी). आयुर्वेदिक ग्रंथों में इसके फल, पत्ते, छाल और जड़ का उपयोग अलग-अलग पारंपरिक उपचारों में किया जाता रहा है. आयुर्वेद विशेषज्ञों का कहना है कि इसमें कई खनिज और प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जिनकी वजह से इसे शरीर के लिए

लाभकारी माना जाता है।

हालांकि यह समझना जरूरी है कि किसी भी औषधीय पौधे का इस्तेमाल बिना विशेषज्ञ की सलाह के नहीं करना चाहिए. गलत मात्रा या गलत तरीके से उपयोग करने पर नुकसान भी हो सकता है. आइए जानते हैं कि आयुर्वेद में गंभारी पौधे के बारे में क्या बताया गया है और किन समस्याओं में इसका पारंपरिक रूप से उपयोग किया जाता है.

क्या है गंभारी का पौधा?

गंभारी एक औषधीय पौधा माना जाता है, जो भारत के कई ग्रामीण इलाकों में आसानी से दिखाई देता है. यह अक्सर सड़क किनारे, खेतों की मेड़ और खुले स्थानों पर उगता है. आयुर्वेद में इसके फल, पत्ते, छाल और जड़ सभी का अलग-अलग उपयोग बताया गया है.

आयुर्वेद में क्यों माना जाता है खास?

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार गंभारी पौधे का उपयोग लंबे समय से पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता रहा है. इसे प्राकृतिक टॉनिक की तरह भी देखा जाता है. माना जाता है कि यह शरीर को मजबूती देने और कई समस्याओं में सहायक हो सकता है. हालांकि इसके उपयोग का तरीका और मात्रा हमेशा योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की सलाह से ही तय की जानी चाहिए.

7 पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है यह पौधा

आयुर्वेदिक जानकारी के अनुसार गंभारी में मैग्नीशियम, आयरन, जिंक, पोटैशियम, फास्फोरस, सल्फर, नाइट्रोजन, बोरॉन और क्लोरीन जैसे कई खनिज तत्व पाए जाते हैं. माना जाता है कि ये शरीर की सामान्य कार्यप्रणाली और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाए रखने में भूमिका निभा सकते हैं.

बवासीर में कैसे किया जाता है उपयोग?

आयुर्वेद में बताया गया है कि गंभारी की छाल, आंवला और कचनार की छाल से काढ़ा तैयार किया जाता है. इसमें अनार और इमली का रस मिलाकर कुछ विशेष परिस्थितियों में उपयोग करने का उल्लेख मिलता है. पारंपरिक मान्यता है कि इससे रक्तस्राव वाली बवासीर के लक्षणों में राहत मिल सकती है. हालांकि यह केवल आयुर्वेद चिकित्सक की देखरेख में ही किया जाना चाहिए।

‘लॉक अप 2’ में नेहल ने बढ़ाया आकांक्षा चमोला का हौसला, बोलीं- अपनी असली पर्सनालिटी दिखाओ

मुंबई। पूर्व बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट और मॉडल नेहल चुडासमा टीवी की दुनिया का जाना-पहचाना नाम हैं। बिग बॉस के घर में भी उन्होंने कई बार गलत समझे जाने और अकेले पड़ जाने का दर्द झेला था। शायद इसी वजह से जब वो ‘लॉक अप 2’ में आकांक्षा चमोला को सपोर्ट करने विजिटर बनकर पहुंचीं, तो उन्होंने सबसे पहले आकांक्षा की उसी उलझन को पकड़ा जो पिछले कई दिनों से दर्शकों को भी खटक रही थी।

’लॉक अप 2’ में आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से काफी शांत नजर आ रही थीं। शो में एंट्री के समय जितनी एनर्जी और कॉन्फिडेंस उनमें था, धीरे-धीरे वो गायब होता चला गया। दर्शकों को लग रहा था कि आकांक्षा गेम नहीं खेल रही हैं, बस कोने में बैठकर सब सह रही हैं। इसी बीच नेहल की एंट्री हुई और उन्होंने आते ही आकांक्षा से बातें की।

नेहल ने आकांक्षा से कहा कि उन्होंने गौरव खन्ना की सलाह को गलत तरीके से ले लिया है। उन्होंने कहा, ‘ ’मुझे पता है गौरव अच्छी नीयत से आया था, लेकिन मुझे लगता है आपने उसकी बातों के सिर्फ गलत हिस्से पकड़े और खुद को समेट लिया। आपको गलत समझा गया है। मैं खुद रियलिटी शो में कई महीनों तक गलत समझी गई थी, इसलिए ये फीलिंग मैं जानती हूं कि जब पूरी दुनिया आपको गलत समझे तो कैसा लगता है।’’

नेहल ने आकांक्षा से कहा, ‘ ’अब आपको इस खेल से बाहर निकलना होगा और अपनी असली पर्सनालिटी दिखानी होगी। इस समय ‘लॉक अप 2’ जितने लोग देख रहे हैं, उसकी बड़ी वजह आकांक्षा के सीक्रेट्स हैं।’’

जुलाई के पहले हफ्ते में आकांक्षा ने बताया था कि शादी से पहले वह बाइसेक्सुअल थीं। उनका कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहा है, हालांकि उन्होंने साफ किया था कि वो रिलेशन में बहुत ज्यादा इंटीमेट नहीं थीं। आकांक्षा ने यह भी कहा था कि उनके लिए महिलाएं सेफ स्पेस हैं। उन्हें लगता है कि दुनिया मर्दों की है, इसलिए लड़कियां बचपन से ही अपनी मां और बहनों के करीब होती हैं और वहीं उन्हें सबसे ज्यादा कम्फर्ट मिलता है।

शो के लॉन्च पर आकांक्षा ने खुलासा किया था कि वो और टीवी एक्टर गौरव खन्ना पिछले लगभग एक साल से अलग रह रहे हैं और उनका डिवोर्स होने वाला है। इन दोनों के खुलासों के बाद आकांक्षा सोशल मीडिया और शो दोनों जगह चर्चा का विषय बन गई थीं। आकांक्षा का हौसला बढ़ाते हुए नेहल ने कहा, ‘ ’सिर्फ सीक्रेट बताने से कुछ नहीं होगा। अगर आप खुद को बदल लेंगी और सबको खुश करने लगेंगी तो लोग आपको सीरियसली नहीं लेंगे।’’

नेहल की इन बातों के बाद सोशल मीडिया पर बहस देखने को मिली। कई दर्शकों ने पोस्ट पर लिखा कि नेहल ने बिल्कुल सही कहा। रियलिटी शो में टिकने के लिए मजबूत बनना पड़ता है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि आकांक्षा शायद अभी उन खुलासों के सदमे से बाहर नहीं आई हैं, इसलिए वो चुप हैं।

एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनीं सोनाली बेंद्रे, फिल्म ‘सोलह’ से शुरू किया सिनेमा का नया सफर

विश्व केसरी

मुंबई । बॉलीवुड में कई सालों तक अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली बेंद्रे अब एक नए रोल में नजर आएंगी। दरअसल, वह अब अभिनय के साथ-साथ अच्छी कहानियों को आगे बढ़ाने का काम भी करना चाहती हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने फिल्म ‘सोलह’ के साथ प्रेजेंटर के तौर पर अपना सफर शुरू किया है। बता दें कि प्रेजेंटर का मतलब होता है वो शख्स जो किसी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करे। वो फिल्म का चेहरा बनता है और लोगों को बताता है कि ये कहानी क्यों जरूरी है। सोनाली अपने इस रोल को लेकर काफी उत्साहित हैं।

मीडिया से खास बातचीत में सोनाली बेंद्रे ने बताया कि ‘सोलह’ उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है। ये उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्हें हमेशा से ऐसी कहानियां पसंद रही हैं जो फिल्म खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। ऐसी कहानियां जो आपको एक जगह बैठकर सोचने पर मजबूर कर दें। ‘सोलह’ में ये सब है, इसलिए जब उन्होंने पहली बार इस फिल्म की कहानी सुनी तो वो तुरंत उससे जुड़ गईं।

सोनाली ने कहा, ‘ ’फिल्म को प्रेजेंट करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह मेरे लिए एक नए सफर की शुरुआत है। मैंने हमेशा ऐसी कहानियों को चुना है जो खत्म होने के बाद भी आपके दिल और दिमाग में रह जाती हैं। जो आपको थोड़ी देर के लिए रुककर सोचने पर मजबूर करती हैं। आपको जिंदगी को थोड़ा अलग तरीके से देखने में मदद करती हैं। ‘सोलह’ ने मेरे साथ बिल्कुल यही किया। इसे सुनने के बाद मैं काफी देर तक शांत रही और सोचती रही।

सोनाली ने बताया कि आखिर उन्हें ‘सोलह’ की कहानी इतनी क्यों पसंद आई। उन्होंने कहा, ‘ ’जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो वो सीधे मेरे दिल से जा लगी। असल में ये फिल्म उम्मीद की कहानी है। ये हिम्मत की कहानी है और सबसे जरूरी बात ये आम लोगों के अंदर छिपी उस शांत ताकत की कहानी है, जिसके बारे में हम रोजमर्रा की जिंदगी में बात नहीं करते। पिछले कुछ सालों में मैंने जिंदगी को बहुत करीब से देखा है। बीमारी, संघर्ष और फिर उससे उबरना। इन सबके बाद मैंने उम्मीद और हिम्मत की कीमत और भी ज्यादा समझी है। इसलिए मुझे लगता है कि अपने इस नए सफर की शुरुआत के लिए ‘सोलह’ सबसे सही फिल्म है।

अभिनेत्री अदिति बालन की फिल्म ‘जीडीएन’ से पहला लुक जारी, इस किरदार में आएंगी नजर

मुंबई। निर्देशक कृष्ण कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘जीडीएन’ सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। इसी बीच, मेकर्स ने गुरुवार को अभिनेत्री अदिति बालन का लुक भी जारी किया।

मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिनेत्री का पहला लुक जारी कर लिखा, ‘पेश है, पद्मावती के रूप में अदिति बालन। एक आवाज, स्टैंड और ऐसी कहानी, जो सब कुछ बदल देती है। यह फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं।

यह फिल्म मशहूर भारतीय आविष्कारक, किसान और समाजसेवी जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है, जिसमें अभिनेत्री अदिति बालन पद्मावती की भूमिका अदा करती हुई सभी को मनोरंजन करेंगी।

मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज कर दिया है, जिसमें महान आविष्कारक गोपालस्वामी दोरैस्वामी नायडू (जीडी नायडू) के जीवन, संघर्ष और ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनकी असंदिग्ध बगावत की एक रोमांचक झलक दिखाता है। इसकी शूटिंग मुख्य रूप से कोयंबटूर में की गई है, जहां नायडू ने अपनी कर्मभूमि बनाई थी। ट्रेलर की शुरुआत स्वतंत्रता-पूर्व काल के उन चुनौतीपूर्ण दौर से होती है, जहां ‘भारत के एडिसन’ कहे जाने वाले जीडी नायडू के अपरंपरागत विचारों और आविष्कारों को सत्ताधारी ब्रिटिश हुकूमत और ताकतवर ताकतों द्वारा दबाने की कोशिश की जाती है।

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुरकर का नजरिया

विश्व केसरी

मुंबई। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं।

अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि ‘तेवर’ म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं।

रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ‘ ’शूट के बीच में हार्डी ने कहा, ‘अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। ‘हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना’, इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।’’

उन्होंने कहा, ‘ ’हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था। रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ‘ ’सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ‘ ’वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से ‘तेवर’ का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।

रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

रेवती ने याद करते हुए कहा, ‘ ’48 घंटे नॉन-स्टॉप शूट करने के बाद हम सब बहुत थक गए थे, लेकिन जब पैकअप हुआ तो हार्डी ने कहा रुको, अभी नहीं। फिर हार्डी, हमारे कोरियोग्राफर, मेरे मैनेजर और मैं हम चारों ने फैसला किया कि हम थोड़ी देर और साथ बैठेंगे।

‘एआई महिलाओं की जिंदगी कर रहा बर्बाद’, खुशी दुबे की ‘सर्विस गर्ल’ दिखाएगी साइबर क्राइम की असली सच्चाई

मुंबई। आज के डिजिटल जमाने में टेक्नोलॉजी जितनी आसान हुई है, उतने ही नए खतरे भी सामने आए हैं। खासकर महिलाओं के लिए सोशल मीडिया और एआई का गलत इस्तेमाल एक बड़ा मुद्दा बन गया है। डीपफेक, फेक वीडियो और फोटो के जरिए लड़कियों को ब्लैकमेल करने की घटनाएं आए दिन सुनने को मिलती हैं। इसी गंभीर मुद्दे को लेकर एक नई वेब सीरीज ‘सर्विस गर्ल’ आ रही है।

इस सीरीज में टीवी और वेब की जानी-मानी एक्ट्रेस खुशी दुबे लीड रोल निभा रही हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि ‘सर्विस गर्ल’ सिर्फ एंटरटेनमेंट के लिए नहीं है, बल्कि यह समाज को आईना दिखाने की कोशिश है।

खुशी ने सबसे पहले एआई साइबर क्राइम की गंभीरता पर बात की। उन्होंने कहा, ‘ ’ये समस्या अब बहुत बड़ी हो गई है और इसका शिकार ज्यादातर युवा लड़कियां बन रही हैं। हमारी वेब सीरीज का मकसद यही है कि लोगों को इस खतरे के बारे में पता चले।’’

खुशी कपूर ने कहा, ‘ ’आजकल एआई की मदद से किसी की भी फेक तस्वीरें और वीडियो बनाना बहुत आसान हो गया है। हम अक्सर न्यूज में पढ़ते हैं कि किसी लड़की की फेक बोल्ड फोटो वायरल कर दी गई। उसकी शादी टूट गई, नौकरी चली गई, या समाज ने उसे जीने नहीं दिया। दुख की बात ये है कि कुछ लड़कियों ने तो इस सदमे की वजह से अपनी जान तक दे दी। ये सिर्फ एक खबर नहीं है। ये हकीकत है। ‘सर्विस गर्ल’ इसी हकीकत को दिखाने की कोशिश करती है। साथ ही यह भी दिखाती है कि अगर हिम्मत हो तो इंसान इस अंधेरे से बाहर निकल सकता है। मेरा किरदार उसी हिम्मत और जज्बे की कहानी है। खुशी सीरीज में दिव्या नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। दिव्या की कहानी लाखों भारतीय लड़कियों की कहानी है।

खुशी ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ‘ ’मैं दिव्या का रोल कर रही हूं। दिव्या एक सीधी और सिंपल लड़की है। उसकी शादी कम उम्र में हो जाती है। वो अपनी गृहस्थी में खुश है। लेकिन एक दिन उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। कोई शख्स एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके उसकी फेक और अश्लील तस्वीरें और वीडियो बना देता है।

‘दे दे प्यार दे’ से पहले जया प्रदा पूरी रात नहीं सो पाई थीं, एक्ट्रेस ने शूटिंग से पहले का एक्सपीरियंस किया शेयर

विश्व केसरी

मुंबई । 80 के दशक में बॉलीवुड एक्ट्रेस जया प्रदा ने अपनी मासूमियत और क्लासिक अंदाज से करोड़ों दिलों पर राज किया। ‘सरगम’, ‘कोहराम’, ‘शराबी’ जैसी फिल्मों में उनके किरदार आज भी लोगों को याद हैं, लेकिन जया सिर्फ एक्टिंग के लिए ही नहीं, अपने डांस के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट गाने किए, लेकिन ‘शराबी’ फिल्म का गाना ‘दे दे प्यार दे’ उनके करियर के सबसे आइकॉनिक गानों में से एक है। इस गाने में अमिताभ बच्चन के साथ उनकी केमिस्ट्री और उनके ग्लैमरस अंदाज को आज भी लोग कॉपी करते हैं।

1984 में रिलीज हुआ गाना ‘दे दे प्यार दे’ आज भी हर पार्टी और शादी में बजता है, लेकिन पर्दे पर जो चीज इतनी आसान दिखती है, उसके पीछे कितनी मेहनत और टेंशन होती है, यह बात खुद जया प्रदा ने डांस रियलिटी शो ‘इंडियाज बेस्ट डांसर’ में बताई। वह शो में बतौर गेस्ट पहुंची थीं।

शो के दौरान जब गाने की बात छिड़ी तो जया ने एक ऐसा किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया। उन्होंने बताया कि इस गाने को शूट करने से ठीक पहले वाली रात वह बिल्कुल सो नहीं पाई थीं। इसकी वजह थी गाने के लिए मांगा गया उनका मॉडर्न लुक।

जया ने कहा, ‘ ’इस गाने में मेरा मीना का किरदार मॉडर्न ड्रेस में दिखता है। उस रात मुझे फिल्म के डायरेक्टर प्रकाश मेहरा ने कहा था कि आपको इस सीक्वेंस में मॉडर्न ड्रेस में रहना होगा।’’

जया उस समय तक ज्यादातर साड़ी और ट्रेडिशनल इंडियन कपड़ों में ही नजर आती थीं। उनकी इमेज एक ट्रेडिशनल हीरोइन की थी। ऐसे में जब डायरेक्टर ने कहा कि इस गाने में उन्हें बिल्कुल अलग, ग्लैमरस और मॉडर्न दिखना है तो वह घबरा गईं और इसे एक बड़े चैलेंज के तौर पर ले लिया।

एक्ट्रेस ने बताया कि इसी टेंशन की वजह से वो पूरी रात सो नहीं पाईं। जया ने कहा, ‘ ’मैं रातभर टेंशन में थी कि मैं ग्लैमरस कैसी लगूंगी, क्योंकि इंडियन ड्रेस का मुझे पता था, लेकिन मॉडर्न ड्रेस में इतना परफॉर्म करना मेरे लिए उस वक्त चुनौतीपूर्ण था। मुझे डर था कि कहीं मॉडर्न आउटफिट में अगर फिट नहीं आई, तो मेरा परफॉर्मेंस कमजोर पड़ जाएगा। एक तरफ गाने का बीट बहुत तेज और एनर्जेटिक थी, दूसरी तरफ मुझे अमिताभ बच्चन जैसे बड़े स्टार के साथ स्क्रीन शेयर करना था।

जया ने बताया, ‘ ’मैं रातभर सोचती रही। फिर फाइनली शूटिंग का दिन आया। इस गाने में अमिताभ बच्चन का किरदार मुझे रातभर ढूंढता है। बिग बी ने फिल्म में एक शराबी का किरदार निभाया, जो नशे में अपनी पत्नी मीना को रातभर ढूंढता है।

इसी पर ‘दे दे प्यार दे’ फिल्माया गया था। वो गाने की शूटिंग मैंने जैसे-तैसे पूरी की और लोगों ने उसे बेहद प्यार दिया।

जापान भूकंप : मृतकों की संख्या बढ़कर 30, मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, 60 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जबकि कई लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है।

ब्रॉडकास्टर एनएचके के अनुसार, प्रांतीय सरकार ने बताया कि घायलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे मृतकों का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

करीब 5,000 जापानी सेल्फ-डिफेंस फोर्स (एसडीएफ) के जवान राहत और बचाव अभियान में जुटे हैं। हालांकि, गुरुवार को तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और रात में आए 5.8 तीव्रता के आफ्टरशॉक के कारण अभियान और चुनौतीपूर्ण हो गया है। कशिमा कस्बे के एयॉन शॉपिंग मॉल में लगभग 170 बचावकर्मी फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। भूकंप के समय मॉल में

हजारों लोग मौजूद थे। एयॉन कंपनी के अनुसार, भूकंप के बाद लगभग 3,000 ग्राहकों को सुरक्षित पार्किंग क्षेत्र में निकाल लिया गया था। इसके बाद मॉल के एक अन्य हिस्से में गैस विस्फोट हो गया। मलबे से अब तक आठ लोगों को निकाला गया है, जिनमें तीन की मौत हो चुकी है। कंपनी ने बताया कि विस्फोट की चपेट में आए सभी लोग दुकान के कर्मचारी थे, जो निकासी के बाद दोबारा भवन के भीतर लौटे थे। एयॉन के अध्यक्ष ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में झुककर माफी मांगी और स्वीकार किया कि कंपनी गैस विस्फोट की आशंका का अनुमान लगाने में विफल रही। विस्फोट के कारणों की जांच जारी है। जापानी मीडिया की ओर से जारी की गई तस्वीरों में मॉल की छत का एक हिस्सा ढहा हुआ दिखाई दिया, जबकि धातु के टुकड़े और अन्य मलबे के बीच हेलमेट और मास्क पहने बचावकर्मी खोज अभियान चलाते नजर आए।

यात्सुशिरो स्थित निप्पॉन पेपर मिल में चिमनी गिरने के बाद पुलिस और एसडीएफ के जवान अभी भी चार लापता कर्मचारियों की तलाश कर रहे हैं। इस हादसे में कुल सात कर्मचारी मलबे में फंस गए थे, जिनमें से पांच की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं।

इस बीच, भूकंप में किसी विदेशी नागरिक की पहली मौत की भी पुष्टि हुई है। वियतनाम सरकार के अनुसार, एक वियतनामी तकनीकी प्रशिक्षु की उस समय मौत हो गई, जब उसके कार्यस्थल पर एक क्रेन उसके ऊपर गिर गई।

होर्मुज को पार कर गया कतर एनर्जी का एलएनजी टैंकर

विश्व केसरी

दोहा। पश्चिम एशिया टकराव के बीच होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले टैंकरों या जहाजों की संख्या काफी कम हो गई है। इस बीच कतर एनर्जी के नियंत्रण वाला एक लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) टैंकर (बुधवार-गुरुवार की रात) होर्मुज से सफलतापूर्वक गुजर गया। जहाजों की निगरानी करने वाली कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार, 11 जुलाई के बाद यह पहला कतर एनर्जी-नियंत्रित एलएनजी पोत है जिसने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से बाहर निकलने में सफलता पाई।

केप्लर और एलएसईजी के आंकड़ों के मुताबिक,अल अरीश नामक टैंकर ने 4 से 6 जुलाई के बीच कतर के रस लाफान टर्मिनल से एलएनजी का कार्गो लोड किया था और 29 जुलाई की रात होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर निकल गया।

एलएसईजी के आंकड़ों के अनुसार, यह टैंकर फिलहाल पाकिस्तान के पोर्ट कासिम की ओर बढ़ रहा है, जहां इसके 31 जुलाई को पहुंचने का अनुमान है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अल रेकय्यात नामक टैंकर के जुलाई की शुरुआत में प्रभावित होने के बाद यह पहली बार है जब कतर एनर्जी के नियंत्रण वाला कोई एलएनजी टैंकर होर्मुज से बाहर निकला है। यह घटनाक्रम वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और इस रणनीतिक समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस बीच, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि बुधवार रात होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी हिस्से में एक तेल टैंकर में भीषण आग लग गई। इसके बाद उसी रास्ते से गुजर रहे दो दूसरे तेल जहाज आगे बढ़ने के बजाय लौट गए।

संक्षिप्त खबर

हिंद-प्रशांत में चीन की ग्रे जोन रणनीति का मुकाबला करने के लिए अमेरिकी सीनेट में बिल पेश

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटरों के द्विदलीय समूह ने एक कानून पेश किया है जिसका मकसद हिंद-प्रशांत में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की 'ग्रे-जोन' रणनीति का मुकाबला करने की वाशिंगटन की क्षमता को मजबूत करना है। उनका तर्क है कि बीजिंग की दबाव डालने वाली गतिविधियां इलाके की स्थिरता, अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और पूरे इलाके के खास साथियों के लिए खतरा हैं। यह कानून बुधवार (स्थानीय समय) को इलिनोइस से डेमोक्रेट सीनेटर टैमी डकवर्थ और टेनेसी से रिपब्लिकन सीनेटर मार्शा ब्लैकबर्न ने पेश किया। इसका मकसद अमेरिकी राज्य विभाग और हिंद प्रशांत साझेदारों के बीच सहयोग बढ़ाना है, ताकि चीन की उन गतिविधियों पर बेहतर नजर रखी जा सके, उन्हें रोका जा सके और ऐसा जवाब दिया जा सके जो खुली सैन्य लड़ाई से कम हों। डकवर्थ ने दोनों पार्टियों के इस कदम की घोषणा करते हुए कहा, 'हिंद-प्रशांत में पीआरसी का बढ़ता हमला सिर्फ इस इलाके में हमारे साझेदारों पर ही प्रभाव नहीं डालता, बल्कि इससे अमेरिका की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा है।' उन्होंने कहा, 'हम एक पैसिफिक देश हैं और हम एक आजाद और खुले हिंद-प्रशांत पर निर्भर हैं।

पाकिस्तान की कोर्ट ने ईसाई लड़की को अगवा करने वाले को दी उसकी कस्टडी : रिपोर्ट

विश्व केसरी

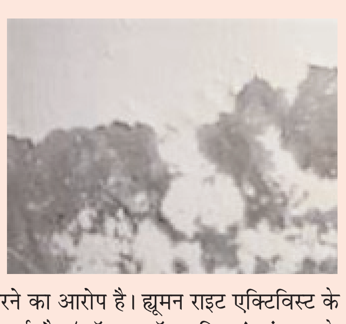

इस्लामाबाद। एक चौंकाने वाली घटना में, पाकिस्तान की एक अदालत ने 13 साल की ईसाई लड़की की कस्टडी उस मुस्लिम व्यक्ति को सौंप दी है, जिस पर उसे अगवा करने, जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने और शादी करने का आरोप है। ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट के हवाले से यह जानकारी दी गई है। 'वॉयस फॉर जस्टिस' संगठन के चेयरमैन जोसेफ जॉनसेन ने कहा, 'यह फैसला तब सुनाया गया जब लड़की की उम्र का पता लगाने के लिए अदालत के आदेश से मेडिकल टेस्ट होना अभी बाकी था।' जॉनसेन ने बताया कि फैसलाबाद के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज राणा सोहेल ने नाबालिग अंबर नदीम का हलफनामा स्वीकार कर लिया। इसमें उसने कहा कि उसने अपनी मर्जी से इस्लाम कबूल किया और आरोपी मोहसिन लियाकत से शादी की। उसने यह भी कहा कि उसे अगवा नहीं किया गया था। 'क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल' की रिपोर्ट के मुताबिक, नाबालिग लड़की का बयान दर्ज होने के बाद जज ने लियाकत को गिरफ्तारी के बाद जमानत दे दी। 'क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल' ने जॉनसेन के हवाले से कहा, 'वह (लियाकत) 26 जून से न्यायिक हिरासत में था। इसके बाद अंबर आरोपी के रिश्तेदारों और वकीलों के साथ कोर्टरूम से चली गई, जबकि उसके गरीब माता-पिता इस गंभीर अन्याय को देखकर रोते हुए खड़े रहे।'

आईआरजीसी ने ईरान के खिलाफ हमलों में अमेरिका के साथ शामिल देशों को कड़े जवाब की दी चेतावनी

विश्व केसरी

तेहरान। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने गुरुवार को ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमलों और अपराधों में शामिल देशों को सख्त और कठोर जवाब देने की चेतावनी दी।

गुरुवार को जारी एक बयान में आईआरजीसी के पब्लिक रिलेशन्स ने पश्चिम एशिया और उसके बाहर अमेरिका के साथियों को चेतावनी दी कि वे ईरान से बदले की कार्रवाई से बचने के लिए अपना बर्ताव बदलें।

आईआरजीसी ने कहा कि ईरान के पक्के इरादे और मजबूती ने दुश्मन के मोर्चे को तबाह कर दिया है। इसने दो और तेल टैंकरों में धमाके की भी घोषणा की जो होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिण में एक असुरक्षित शिपिंग रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। ईरान की सरकारी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी ने बताया कि उनमें से एक में आग लगने के बाद दो जहाज वापस लौट गए। होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका की कार्रवाई के बारे में बात करते हुए

आईआरजीसी ने कहा कि जलमार्ग ईरान का हिस्सा है और उसके पूरे नियंत्रण में है। इसके साथ ही आईआरजीसी ने कसम खाई कि वह हजारों किलोमीटर दूर से किसी अजनबी को दखल नहीं देने देगा।

आईआरजीसी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका की मदद करने वाले देश अपना बर्ताव नहीं बदलते हैं, तो उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उसने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट तब तक नहीं खोला जाएगा, जब तक समुद्री गतिविधियों में अमेरिकी अधिकारियों की धमकियां और दखल खत्म नहीं हो जाते। होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह दुनिया के सबसे जरूरी एनर्जी कॉरिडोर में से एक है, जो खाड़ी के बड़े प्रोड्यूसर्स से तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस एक्सपोर्ट को इंटरनेशनल मार्केट तक ले जाता है। आईआरजीसी का यह बयान ईरान और अमेरिका में सैन्य बातचीत के बाद पश्चिम एशिया में नए तनाव के बीच आया है।

कुवैत में चीनी कंपनी पर ईरान का हमला, एक की मौत

विश्व केसरी

कुवैत। ईरान के मिसाइल हमले में कुवैत स्थित एक चीनी कंपनी की इमारत निशाना बनी है। कुवैत की सेना के मुताबिक, हमले में एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है।

कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को इसे लेकर एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि ईरान के एक हमले में देश के उत्तरी हिस्से में स्थित एक चीनी कंपनी की इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें एक कर्मचारी की मौत हो गई।

रक्षा मंत्रालय के मेजर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने बताया कि हमले से इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों ने घटना से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

अल-ओतैबी ने कहा कि कुवैती सशस्त्र बल अपने मिशनों और कर्तव्यों का उच्च दक्षता के साथ निर्वहन जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'देश की संप्रभुता की रक्षा, सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। साथ

ही, संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर नागरिकों और देश में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।'

वहीं, मिस्र के दमियाता पोर्ट में लगी आग से भी भारी नुकसान की खबर है। पोर्ट पर बुधवार रात हुए हमले में दो जहाजों में आग लग गई थी। सरकार ने गुरुवार को बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आग लगने की वजह ड्रोन अटैक रहा। इस हमले के पीछे ईरान का हाथ माना जा रहा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने दो ईरानी सूत्रों के हवाले से बताया कि इस हमले का मकसद यह दिखाना था कि अगर ईरान संघर्ष को और बढ़ाता है, तो दुनिया की समुद्री शिपिंग और ऊर्जा आपूर्ति पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है।

पूर्वी अफगानिस्तान में पुलिस ने बरामद किया हथियारों का जखीरा, 2 गिरफ्तार

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत लगमान में बुधवार को पुलिस ने गैर-कानूनी रूप से हथियार रखने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया और उनके पास से हथियार व गोला-बारूद जब्त किया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद यूनुस यूसुफजई ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने यूसुफजई के हवाले से बताया कि दोनों लोगों को दौलत शाह जिले से गिरफ्तार किया गया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए, जिनमें पांच कलाश्निकोव असॉल्ट राइफल, तीन हैंड ग्रेनेड और सैकड़ों गोलियां व प्रोजेक्टाइल शामिल थे।

उन्होंने कहा कि पुलिस किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने और इलाके में बिना इजाजत हथियार रखने या ले जाने की

अनुमति नहीं देती। इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती है। जून में भी ऐसी ही कुछ बरामदगी हुई थी। अफगान सुरक्षा बलों ने पूर्वी पक्तिया प्रांत में हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा जब्त किया था। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने यह जानकारी दी। पुलिस के बयान के अनुसार, ये हथियार और गोला-बारूद पाकिस्तान से सटे सीमावर्ती जिले डंड पाटन के नारी झवारा इलाके में एक सुरक्षा अभियान के दौरान बरामद किए गए। बयान में कहा गया कि इसमें आठ कलाश्निकोव राइफल, 12 पिस्तौल, 20 कलाश्निकोव बैरल, तीन एम4 राइफल बैरल और पिस्तौल की एक हजार गोलियां शामिल थीं। अधिकारियों ने बताया कि इन हथियारों और गोला-बारूद की अफगानिस्तान में तस्करी की जा रही थी, तभी सुरक्षा बलों ने इस खेप को रोका और जब्त कर लिया। सुरक्षा मजबूत करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कोशिशों के तहत, अफगान सुरक्षा बलों ने हाल के महीनों में पूरे देश में हथियारों की तस्करी और सीमा पार होने वाले अन्य अपराधों के खिलाफ अभियान तेज कर दिए हैं।

'आमजन को निशाना बनाकर युद्ध अपराध कर रहा रूस', जेलेंस्की ने जल्द मदद की लगाई गुहार

विश्व केसरी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस लगातार आम नागरिकों निशाना बनाकर युद्ध अपराध कर रहा है। गुरुवार तड़के रूसी हमले ने एक परिवार को पूरी तरह तबाह कर दिया। रूसी बैलिस्टिक मिसाइल ने एक मकान पर हमला कर माता-पिता और उनके तीन बच्चों की जान ले ली।

कीव के अलावा नीपर, ल्वीव, पोल्टावा, खार्किव, मायकोलाइव, सुमी, विन्नित्सिया, चेर्कासी और इवानो-फ्रैंकिव्स्क इलाकों पर रात भर हमला हुआ। सुरक्षाकर्मी मलबे में दबे लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''गुरुवार तड़के रूस के एक मिसाइल हमले में नीपर क्षेत्र के रादुश्ने में एक परिवार तबाह हो गया। इस हमले में माता-पिता और

उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य बच्चों को मलबे के नीचे से जीवित निकाल लिया गया। यह एक आम परिवार का घर था, जिसे बैलिस्टिक मिसाइल ने पूरी तरह से बर्बाद कर दिया।''

जेलेंस्की ने कहा, ''ल्वीव में भी बचाव कार्य जारी है, जहां एक रिहायशी इमारत पर हमला हुआ था। राहतकर्मी मलबा हटा रहे हैं और लोगों की तलाश जारी है। अब तक पूरे देश में कम से कम आठ लोगों के मारे जाने की खबर है। मैं उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।' उन्होंने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं, और सभी को जरूरी मेडिकल सहायता दी जा रही है। सभी संबंधित सेवाएं और एजेंसियां राहत कार्य में लगी हुई हैं।

रात भर की इस हमले की लहर में कीव और उसके आसपास का क्षेत्र, साथ ही ड्नीप्रो, ल्वीव, पोल्टावा, खार्किव, मिकोलेइव, सूमी, विनित्सिया, चेरकासी और इवानो-फ्रैंकिव्स्क क्षेत्र निशाने पर रहे। कई आम घर, छोटे-बड़े कारोबार और बुनियादी ढांचे की सुविधाएं नष्ट हो गईं या क्षतिग्रस्त हुईं।

इंग्लैंड में हीट वेव के कारण मृतकों का आंकड़ा बढ़ा

विश्व केसरी

लंदन। यूरोप जुलाई महीने में भी गर्मी से झुलस रहा है। इंग्लैंड में इस वर्ष मई और जून के दौरान पड़ी भीषण गर्मी (हीटवेव) से होने वाली अतिरिक्त मौतों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। ब्रिटेन की यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी (यूकेएचएसए) की एक अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक हीटवेव से जुड़ी अनुमानित 2,877 अतिरिक्त मौत दर्ज की गई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 24 से 27 मई के बीच आई हीटवेव के दौरान लगभग 753 अतिरिक्त मौतें हुईं, जबकि 21 से 28 जून के बीच पड़ी दूसरी भीषण गर्मी में 2,124 लोगों की मौत का अनुमान है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष जून से अगस्त 2025 के दौरान दर्ज हीटवेव से जुड़ी मौतों की तुलना में लगभग दोगुना है। यूकेएचएसए ने कहा कि हालांकि ये आंकड़े अभी अंतरिम हैं, लेकिन वे पहले ही 2022 में दर्ज वार्षिक रिकॉर्ड के करीब पहुंच चुके हैं, जो अब तक का सबसे खराब वर्ष माना जाता है। विशेषज्ञों ने बढ़ती गर्मी को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए ग्रीनहाउस गैसों के

उत्सर्जन में तत्काल कमी लाने और लोगों को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न अत्यधिक गर्मी के प्रभाव से बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

रिपोर्ट के अनुसार, जून में पड़ी भीषण गर्मी के दौरान यूकेएचएसए और मौसम विज्ञान विभाग ने लगातार तीन दिनों तक रेड अलर्ट जारी किया था। यह चेतावनी जीवन के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती है। एजेंसियों ने कहा कि अत्यधिक तापमान और उमस के कारण बुजुर्ग, छोटे बच्चे और पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं।

युवा बौद्ध शोध के चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। युवा बौद्ध शोध के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीवाईबीएस) का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान (सीआईएचटीएस) के साथ मिलकर सारनाथ में चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 'आज की पीढ़ी के लिए बुद्ध का मध्यम मार्ग' थीम पर किया।

आईबीसी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा जानकारी के अनुसार, दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आईबीसी के सेक्रेटरी जनरल शार्त्से खेंसुर जंगचुप चोएडेन रिनपोछे ने वैश्विक संघर्ष और तनाव के बीच शांति और बातचीत के लिए मध्यम मार्ग को एक सही समय का फ्रेमवर्क बताया।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी के उस संदेश को याद किया, जिसमें उन्होंने

कहा था कि भारत ने दुनिया को 'बुद्ध दिया है, युद्ध नहीं।'

मुख्य अतिथि प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी, कुलपति बीएचयू, ने कहा कि मध्यम मार्ग केवल व्यक्तिगत आचरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक विमर्श और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए भी एक सजग प्रयास है। सीआईएचटीएस के कुलपति वेन. प्रो. वांगचुक दोरजी नेगी ने करुणा के लिए गाइड के तौर पर चार आर्य सत्य और आश्रित उत्पत्ति पर बात की। आईबीसी के डीजी राघव प्रसाद भटनागर ने स्कॉलर्स से 'धम्म सेतु' बनने की अपील की यानी बुद्ध के ज्ञान को आगे ले जाने वाला माध्यम। बता दें, युवा बौद्ध विद्वानों के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी) के सहयोग से, नई दिल्ली स्थित डीएआईसी के नालंदा सभागार में सफलतापूर्वक किया था। तीसरे सम्मेलन का विषय था, '21वीं सदी में बुद्ध धम्म में ज्ञान का संचरण।' इस वार्षिक सम्मेलन में रूस, वियतनाम, कंबोडिया, श्रीलंका, म्यांमार, ताइवान और भारत सहित कई देशों के युवा विद्वान, प्रोफेसर, भिक्षु और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए थे। इस सम्मेलन में इस बात पर चर्चा हुई थी कि करुणा, सजगता और नैतिक आचरण पर आधारित बुद्ध धम्म को आधुनिक युग में डिजिटल नवाचार, अंतर-सांस्कृतिक संवाद, शिक्षा और व्यक्तिगत अभ्यास के माध्यम से किस प्रकार सार्थक रूप से प्रसारित किया जा सकता है।

रक्षा मंत्री ने 'समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान को पूरा करने पर आईएनएसवी त्रिवेणी की महिला क्रू टीम को किया सम्मानित

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को 'समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने पर भारतीय ऑटोनॉमस सरफेस वेसल (आईएनएसवी) त्रिवेणी की तीनों सेनाओं की महिला क्रू टीम को सम्मानित किया।

नई दिल्ली में महिला अधिकारियों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने चार महासागरों में लगभग 25,500 समुद्री मील की 314 दिनों की यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने में टीम के साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने इस अभियान को 'नारी शक्ति' का प्रमाण और त्रि-सेवाओं के आपसी सहयोग व तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण बताया।

महिला अधिकारियों ने राजनाथ सिंह के साथ अपने अनुभव शेयर किए और बताया कि इस मुश्किल अभियान ने उनकी यात्रा को यादगार बनाया। उन्होंने कहा कि देश को गौरवान्वित करने के मजबूत इरादों ने उन्हें प्रेरित रखा, जिससे वे भारी शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना कर सकीं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि महिला टीम के समर्पण ने उन्हें प्रेरित किया और उनके अपने संकल्प को और मजबूत किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि महिला टीम की उपलब्धि यह दिखाती है कि मजबूत विश्वास और दृढ़ संकल्प से जीवन में कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अफसरों की काबिलियत और आत्मविश्वास को 'अविश्वसनीय' बताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि 'समुद्र प्रदक्षिणा' की कामयाबी ने उन रूढ़िवादी सोच को तोड़ दिया है जिनके अनुसार महिलाएं मुश्किल सैन्य मिशन पूरे नहीं कर सकतीं। उन्होंने महिला अफसरों से कहा, 'आपने साबित कर दिया है कि शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती और नेतृत्व के गुण जेंडर तक सीमित नहीं हैं। भारत की हर बेटी आपको देखकर यह विश्वास कर सकती है कि वह भी समुद्र पार कर सकती है और दुनिया जीत सकती है।'

रक्षा मंत्री ने इस अभियान को 'तीनों सेनाओं के संयुक्त सहयोग' का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय थल सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना की महिला अफसरों ने एक साझा मिशन के लिए एक ही झंडे के नीचे और एक ही जहाज पर साथ मिलकर यात्रा की। उन्होंने आगे कहा, 'यह अभियान इस बात का सबूत है कि अगर हम मिलकर आगे बढ़ें, तो कोई भी मंजिल इतनी बड़ी नहीं है जिसे हासिल न किया जा सके।' वहीं, राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैं महसूस कर सकता हूं कि 'आईएनएसवी त्रिवेणी' के साथ जब आप दूसरे देश में जाते होंगे, तो वहां पर किस तरह से आप भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, स्वदेशी क्षमता और तकनीकी विकास का प्रतिनिधित्व कर रहे होंगे।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में पाकिस्तानी गुब्बारा मिला, जांच जारी

विश्व केसरी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले की पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जिले के थानामंडी इलाके के अजमताबाद गांव से पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के नाम और लोगो वाला एक गुब्बारा मिला है।

अधिकारियों ने बताया कि सफेद और लाल रंग के गुब्बारे पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) लिखा हुआ था।

स्थानीय लोगों को यह गुब्बारा मिला और उन्होंने इसे पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस ने कहा कि गुब्बारा बरामद कर लिया गया है और इस बात की जांच शुरू कर दी गई है कि क्या यह महज एक घटना है या इसके पीछे कोई और मकसद भी हो सकता है।

सुरक्षा एजेंसियों ने अब तक जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तान से जुड़े कई प्रचार वाले और खिलौने वाले गुब्बारे बरामद किए हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर गुब्बारे हवा के साथ बहकर आने वाली आम चीजें होती हैं, लेकिन इलाके में ड्रोन की गतिविधियों को देखते हुए अधिकारी हर मामले को गंभीरता से लेते हैं। हाल ही में, अप्रैल में, जम्मू जिले के अरनिया सेक्टर में पाकिस्तान का एक गुब्बारा बरामद किया गया था।

मार्च में, राजौरी जिले के सरहोती गांव में हवाई जहाज के आकार का एक गुब्बारा मिला, जिस पर उर्दू में पीआईए लिखा हुआ था।

फरवरी में, जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में दो गुब्बारे मिले, जिन पर पाकिस्तान का 5,000 रुपए का नोट, एक अमेरिकी डॉलर और पाकिस्तान का मोबाइल फोन नंबर लगा हुआ था।

फिर फरवरी में ही, जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में हरे और सफेद रंग का हवाई जहाज के आकार का गुब्बारा मिला, जिस पर पीआईए लिखा था। इसके साथ ही पीले रंग का दिल के आकार का गुब्बारा भी मिला।

संक्षिप्त खबर

सतर्कता विभाग ने केरल के सीएम सतीशन के खिलाफ दर्ज 2018 का मामला बंद किया

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो (वीएसीबी) ने आठ साल पुराने विवाद को खत्म करते हुए मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के खिलाफ उस मामले की जांच बंद कर दी है, जिसमें 2018 में केरल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद घरों के पुनर्निर्माण के लिए यूके में फंड इकट्ठा करने के आरोप लगे थे। इस फैसले की घोषणा करते हुए राज्य के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने गुरुवार को कहा कि विजिलेंस जांच में मुख्यमंत्री के किसी भी गलत काम का कोई सबूत नहीं मिला है और वीएसीबी डायरेक्टर की अंतिम रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद इस मामले को औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया है। चेन्निथला ने पत्रकारों से कहा, 'इस मामले में विजिलेंस का कोई पहलू नहीं है और केस बंद कर दिया गया है। अब यह साफ हो गया है कि यह मामला राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित था।' गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से फाइल की विस्तार से जांच की और सतीशन का किसी भी गैरकानूनी काम से कोई संबंध नहीं पाया। उन्होंने बताया कि पिछली पिनाराई विजयन सरकार के दौरान हुई दो अलग-अलग जांचों में भी कोई दोषी साबित करने वाला सबूत नहीं मिला था और वीएसीबी की अंतिम रिपोर्ट ने भी इसी बात की पुष्टि की है। ये आरोप सतीशन की उस कोशिश से जुड़े थे, जिसमें उन्होंने 2018 की बाढ़ से बर्बाद हुए परिवारों के लिए घर बनाने के वास्ते यूके में रहने वाले मलयाली समुदाय से आर्थिक मदद जुटाने का प्रयास किया था।

बंगाल के हावड़ा में महिला सहकर्मी से रेप करने के आरोप में सिविक वॉलंटियर गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक सिविक वॉलंटियर को अपनी महिला सहकर्मी को ब्लैकमेल करके कई बार रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा पुलिस स्टेशन इलाके में हुई। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी साझा की। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार सिविक वॉलंटियर और पीड़ित सिविक वॉलंटियर, दोनों हाबरा पुलिस स्टेशन में काम करते हैं। आरोपी को बुधवार को बारासात कोर्ट में पेश किया गया और कोर्ट ने उसे पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। पीड़िता के मुताबिक, जब वह अपनी यूनिफॉर्म पहनने के लिए कपड़े बदल रही थी, तब उसके एक पुरुष साथी ने चुपके से उसकी तस्वीरें ले लीं। बाद में, उसने तस्वीरें दिखाकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। पीड़िता के मुताबिक, सिविक वॉलंटियर ने तस्वीरें दूसरों के साथ शेयर करने की धमकी देकर महिला साथी का कई बार यौन शोषण किया। इतना ही नहीं, उसने उसे यह भी चेतावनी दी कि अगर उसने किसी को इस बारे में बताया, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आखिरकार, महिला ने हिम्मत जुटाई और हाबरा पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पश्चिम बंगाल : अंतिम संस्कार से लौटते समय बाइक की टक्कर से दीवार ढही, चार की मौत

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में हुए एक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। वे अंतिम संस्कार में शामिल होकर घर लौट रहे थे। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी साझा की। पुलिस ने बताया कि चारों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे। गाड़ी चलाते समय चालक का नियंत्रण खो गया और बाइक सड़क किनारे बने एक पुराने घर की दीवार से टकरा गई। टक्कर से दीवार ढह गई, जिससे चारों युवक दब गए।

पुलिस के अनुसार, यह घटना नादिया जिले के रानाघाट पुलिस स्टेशन इलाके के साहेब डांगा में हुई। चारों युवक रानाघाट के मुसुंडा इलाके के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि इलाके की एक बुजुर्ग महिला का बुधवार को निधन हो गया था और उनके रिश्तेदार अंतिम संस्कार के लिए मुसुंडा से रानाघाट पुलिस स्टेशन इलाके में भागीरथी नदी के किनारे स्थित बालागढ़ श्मशान घाट गए थे। गुरुवार सुबह अंतिम संस्कार के बाद घर लौटते समय यह हादसा हुआ। दो लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि अन्य दो को रानाघाट सब-डिविजनल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सौमेन हलदर, प्रताप प्रमाणिक, अजीत विश्वास और सबुज विश्वास के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलने पर रानाघाट पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे, शवों को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस मोटरसाइकिल पर नियंत्रण खोने के कारण की जांच कर रही है। घटना के बाद, जिला भाजपा अध्यक्ष अर्पणा नंदी और अन्य स्थानीय भाजपा नेताओं ने अस्पताल का दौरा किया और शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी। भाजपा नेताओं ने भी संवेदना व्यक्त की और इस त्रासदी के बाद हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

पंचमहल जिले का धनपुरी इको टूरिज्म सेंटर, सैलानियों के बीच आकर्षण का केंद्र

विश्व केसरी

धनपुरी। प्रकृति की गोद में सुकून चाहने वाले पर्यटकों के लिए गुजरात के पंचमहल जिले में स्थित धनपुरी इको टूरिज्म सेंटर बेहतरीन विकल्प बनकर उभरा है। जांबुघोड़ा वन्यजीव अभ्यारण्य के बीचों-बीच हरियाली से घिरा यह टूरिज्म सेंटर सैलानियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

वडोदरा के पर्यटक वीएस पटेल ने कहा कि वह वन विभाग द्वारा विकसित की गई सुविधाओं के साथ ही बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और किफायती सेवाओं से बेहद संतुष्ट हैं। यहां जो सुविधाएं कम लागत में उपलब्ध हैं, वैसी सुविधाएं अन्य स्थानों पर तीन से चार गुना अधिक खर्च करने के बाद भी आसानी से नहीं मिलतीं।

दूसरे पर्यटक अजीत सिंह राठौर ने कहा कि यहां इको-टूरिज्म बहुत अच्छा है। यहां एक डैम है, जो देखने लायक जगह है। यहां के जंगल में रहने वाले लोग आपको गाइडेंस भी दे सकते हैं और महत्वपूर्ण जानकारियां भी दे सकते हैं। यह सच में घूमने लायक जगह है। अगर आप कुदरती नजारे देखना चाहते हैं तो सब कुछ घूमने के लिए यह बहुत अच्छी जगह है।

धनपुरी इको टूरिज्म सेंटर सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, बल्कि पर्यटकों को घर जैसी सुविधाएं और स्वादिष्ट भोजन भी उपलब्ध कराता है। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने यहां ठहरने के लिए एसी कॉटेज समेत कई सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इसके अलावा, जंगल सफारी और ट्रैकिंग का भी इंतजाम किया गया है।

तेल सप्लाई के नाम पर 15 लाख रुपए की धोखाधड़ी, चार आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) ने गुरुवार को कहा कि उसने 15 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

गुरवार को ईओडब्ल्यू के बयान के अनुसार, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 और 120-बी के तहत दर्ज मामले में श्रीनगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में चार्जशीट पेश की गई। आरोपियों की पहचान मोहम्मद अमीन भट, खालिद हुसैन खान, अनिल कुमार माहेश्वरी और शशांक कुमार के तौर पर हुई है। बयान में कहा गया है कि यह मामला एक शिकायत से शुरू हुआ था। आरोप है कि मोहम्मद अमीन भट ने खालिद हुसैन खान (जिसने खुद को एरिया सेल्स मैनेजर बताया) और अनिल कुमार माहेश्वरी, (जिसने एम/एस एश्योर्ड एग्रो फूड इंडस्ट्रीज का रीजनल सेल्स मैनेजर होने का दावा किया था) ने साथ मिलकर शिकायतकर्ता को खाना पकाने का तेल सप्लाई करने के नाम पर सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर 15 लाख रुपए निवेश करने के लिए राजी किया।

आरोपियों ने दावा किया था कि कंपनी खाना पकाने का तेल बनाती है और एक हफ्ते के भीतर स्टॉक की डिलीवरी का भरोसा दिलाया था। हालांकि कोई स्टॉक सप्लाई नहीं किया गया, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू हुई। जांच के दौरान, ईओडब्ल्यू ने पाया कि आरोपियों ने साजिश रचकर सरसों का तेल सप्लाई करने के बहाने शिकायतकर्ता के साथ धोखाधड़ी की थी। राजस्थान के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से की गई पूछताछ से पता चला कि एम/एस एश्योर्ड एग्रो फूड इंडस्ट्रीज नाम की कोई कंपनी रजिस्टर्ड नहीं थी।

जांच में मेरठ के शशांक कुमार की भूमिका का भी पता चला है, जो कंपनी का मालिक पाया गया। जांच पूरी होने के बाद न्यायिक कार्यवाही के लिए सक्षम अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई। बयान में ईओडब्ल्यू जनता को सलाह देती है कि वे इस तरह की आर्थिक धोखाधड़ी से सावधान रहें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना ईओडब्ल्यू कश्मीर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दें।

आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत न मिलने पर अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस से सांसद अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया गया था।

अभिषेक बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट की कार्यवाही के खिलाफ एक स्पेशल लीव याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने अपनी आंखों की बीमारी के इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत मांगी थी। अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 3 अगस्त को सुनवाई होने की संभावना है।

इससे पहले, बनर्जी ने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत मांगने के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने कोर्ट को बताया कि 2016 में सड़क दुर्घटना में आंख में चोट लगने के बाद से वे लगभग एक दशक से अमेरिका में आंखों का इलाज करवा रहे हैं। हालांकि, 20 जुलाई को जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल-जज बेंच ने सांसद को तुरंत विदेश जाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्हें पहले कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के विशेषज्ञों से सलाह लेने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि विदेश यात्रा के अनुरोध पर आगे का फैसला एसएसकेएम के नेत्र रोग विभाग के प्रमुख द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट की जांच के बाद ही लिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल सरकार ने विदेश यात्रा के लिए बनर्जी की याचिका का विरोध किया था। एडिशनल एडवोकेट जनरल राजदीप मजूमदार ने तर्क दिया कि तृणमूल नेता से जुड़े कई मामले लंबित हैं और उन्हें विदेश जाने की इजाजत देने से जांच में मुश्किलें आ सकती हैं। यह कार्यवाही उस मामले से भी जुड़ी है जिसमें बनर्जी पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान नफरत और हिंसा भड़काने वाले भाषण देने के आरोप हैं, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकाने वाली कथित टिप्पणियां भी शामिल हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पहले बनर्जी को गिरफ्तारी सहित पुलिस की सख्त कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा दी थी, जो कुछ शर्तों के अधीन थी।

तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर ने दलबदल मामले में एआईएडीएमके के चार पूर्व विधायकों से स्पष्टीकरण मांगा

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर जेसीडी प्रभाकर ने एआईएडीएमके के चार पूर्व विधायकों को 4 अगस्त को उनके सामने पेश होने का निर्देश दिया है। इन विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा देकर बाद में टीवीके जॉइन कर ली थी। उन्हें दल-बदल विरोधी कानून के तहत शुरू की गई अयोग्यता की कार्यवाही के सिलसिले में और स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया गया है।

विधानसभा चुनाव जीतने के बाद इन चारों ने एआईएडीएमके से इस्तीफा दे दिया और बाद में टीवीके में शामिल हो गए। यह कार्रवाई एआईएडीएमके के महासचिव और विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी द्वारा दायर एक याचिका के कारण शुरू हुई है।

उन्होंने स्पीकर से संविधान की दसवीं अनुसूची (जिसे आमतौर पर दलबदल विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है) के प्रावधानों के तहत इन विधायकों को अयोग्य घोषित करने का आग्रह किया था।

याचिका में कहा गया है कि विधायकों ने स्वेच्छा से उस पार्टी से अपना नाता तोड़ लिया जिसके समर्थन से वे चुने गए थे और इसलिए उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द हो सकती है।

शिकायत के बाद स्पीकर प्रभाकर ने पहले इन चार विधायकों को तलब किया था और उनसे स्पष्टीकरण मांगा था। वे उनके सामने पेश हुए और अपना जवाब सौंपा। विधानसभा सचिवालय ने शुरू में 30 जुलाई को एक और सुनवाई तय की थी, जिसमें इन चार विधायकों को फिर से पेश होने के लिए कहा गया था।

वायनाड आपदा को 2 साल : पीड़ितों ने मोमबत्तियां जलाकर अपनों को किया याद

विश्व केसरी

वायनाड। केरल के वायनाड में आई प्राकृतिक आपदा को दो साल पूरे हो गए हैं। इस भयानक आपदा में चूरलमाला और मुंडक्कई के पहाड़ी गांव तबाह हो गए थे। दो साल बाद भी बचे हुए लोगों पर दुख का साया बना हुआ है।

30 जुलाई 2024 को आए भूस्खलन में आधिकारिक तौर पर 330 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 32 लोग भी शामिल हैं, जिन्हें पहले लापता बताया गया था और बाद में मृत घोषित किया गया। कीचड़, पत्थरों और बाढ़ के पानी के तेज बहाव में कई बस्तियां गायब हो गईं। सैकड़ों लोग बेघर हो गए और वायनाड का नक्शा हमेशा के लिए बदल गया। घटना की दूसरी बरसी पर गुरुवार को बचे हुए लोग आपदा स्थल और नए बने पुनर्वास टाउनशिप में इकट्ठा हुए। उन्होंने प्रार्थना की, मोमबत्तियां जलाईं और उन लोगों को याद किया जो कभी वापस नहीं लौटे। कई लोगों के लिए यह दर्द आज भी ताजा है। कुछ लोगों को अपने परिवार के सदस्यों को अंतिम विदाई देने का भी अवसर नहीं मिला था। आज भी काले बादल या तेज बारिश की आवाज सुनकर उन लोगों की रूह कांप जाती है, जिन्होंने उस डरावनी रात को जिया है। अभी इन लोगों की जिंदगी धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। सरकार की ओर से बनाई गई पुनर्वास टाउनशिप में उन गलियों में बच्चों की हंसी गूंज रही है, जो दो साल पहले यहां नहीं थीं। इन बच्चों में छोटी सी बच्ची रितु भी शामिल है, जिसका जन्म उसकी गर्भवती मां सिंधु के भूस्खलन से मुश्किल से बच निकलने के बाद हुआ था। आज परिवार का नया घर त्रासदी से मिली उम्मीद की निशानी बनकर खड़ा है।

भारत की ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री के वित्त वर्ष 30 तक 10 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमानः रिपोर्ट

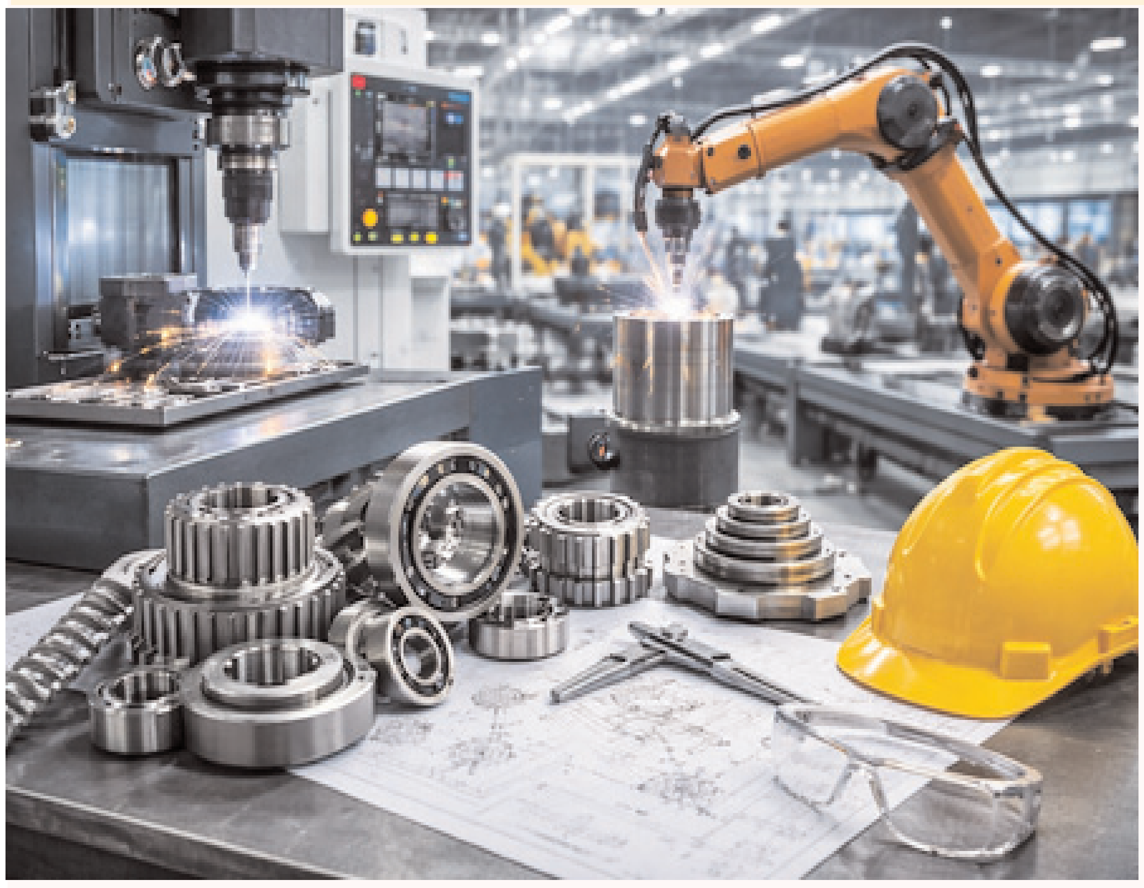

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री के वित्त वर्ष 2030 तक लगभग 10 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। इसकी वजह मैन्युफैक्चरर्स द्वारा सेमीकंडक्टर इक्विपमेंट, डिफेंस, एयरोस्पेस और डेटा-सेंटर पावर जेनरेशन जैसे अधिक मार्जिन वाले प्रिसिजन इंजीनियरिंग सेक्टर में अपने कारोबार का विस्तार करना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

यूएस इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि देश की ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री की आय वित्त वर्ष 30 तक 124.4 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है, जो कि वित्त वर्ष 26 में 85.6 अरब डॉलर थी।

इस दौरान एबिटडा सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। इसकी वजह कंपनियों का ज्यादा मार्जिन वाले कारोबार में विस्तार करना है।

इन्वेस्टमेंट बैंक ने कहा कि जैसे-जैसे भारत का ऑटो सेक्टर 'बदलाव के दौर' में प्रवेश कर रहा है, कई मैन्युफैक्चरर्स अपने प्रोडक्ट मिक्स को बदल रहे हैं और मुनाफा बढ़ाने के लिए अपनी मौजूदा क्षमताओं का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सप्लाई चेन के जोखिम को कम करने की वैश्विक कोशिशों के कारण सेमीकंडक्टर, ऑटोमोटिव और इंडस्ट्रियल खरीदार भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इससे भारतीय प्रिसिजन-मशीनिंग कंपनियों के लिए सेमीकंडक्टर वेफर-फैब्रिकेशन इक्विपमेंट, इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपोनेंट्स, एयरोस्पेस, डिफेंस और डेटा सेंटर पावर जेनरेशन जैसे क्षेत्रों में अवसर पैदा हो रहे हैं।

ब्रोकरेज ने कहा कि इन कंपनियों के बारे में मौजूदा धारणा (ये मुख्य रूप से सीमित प्राइसिंग पावर और बार-बार होने वाले पूंजीगत खर्च की जरूरतों वाली साइक्लिकल ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स हैं) इनके बढ़ते हुए मार्केट को पूरी तरह से नहीं दर्शाती है।

वित्त वर्ष 26- वित्त वर्ष 30 के दौरान ग्रोथ मुख्य रूप से इलेक्ट्रिफिकेशन, आने वाले आठवें वेतन आयोग, एक्सपोर्ट, पुराने इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई) कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग के भारत में शिफ्ट होने और डिफेंस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में विस्तार से आएगी।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय मैन्युफैक्चरर्स को कम लेबर कॉस्ट, पुराने आईसीई प्रोडक्ट्स में प्रतिस्पर्धात्मकता और घरेलू स्तर पर इलेक्ट्रिफिकेशन की अपेक्षाकृत धीमी गति से फायदा मिलने की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने अनुमान लगाया है।

पीएम मोदी की फेसबुक पोस्ट पर अस्थाई रोक लगाने के लिए सरकार ने मेटा से मांगा विस्तृत जवाब

Meta

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों को सरकार के सामने पेश होकर पीएम नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट के लिए विस्तृत जवाब देने को कहा है, जिस पर कुछ समय के लिए फेसबुक ने अस्थाई रोक लगा दी थी। यह बैठक अगले सात से 10 दिनों के बीच हो सकती है।

इस मामले को लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस.कृष्णन ने कहा कि सरकार मामले को पूरी तरह से समझने के लिए मेटा से नीतिगत स्तर और तकनीकी स्तर दोनों प्रकार का स्पष्टीकरण लेना चाहती है।

उन्होंने कहा, 'भारत अपनी चिंताएं सीधे मेटा तक पहुंचाना चाहता है और उन हालात के बारे में पूरी जानकारी चाहता है जिनकी वजह से यह अस्थायी रोक लगाई गई थी। कृष्णन ने बताया, 'मेटा ने इस घटना पर पहले ही खेद जताया है और सरकार को शुरुआती स्पष्टीकरण दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने और अधिक विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है, जिसमें यह भी शामिल है कि कंपनी ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए क्या उपाय कर रही है।

यह नया कदम सरकार द्वारा मेटा के एक सीनियर अधिकारी को बुलाए जाने के एक दिन बाद उठाया गया है। यह बुलावा प्रधानमंत्री की फेसबुक पोस्ट पर अस्थायी रोक लगने के बाद भेजा गया था।

इस पोस्ट में भारत के युवाओं को संबोधित किया गया था और पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के सरकार के संकल्प को दोहराया गया था।

हालांकि मेटा ने इस घटना को तकनीकी खराबी बताया और माफी मांगी, लेकिन सरकार का कहना था कि अब तक दिया गया स्पष्टीकरण अपर्याप्त है और इसकी और जांच की जरूरत है।

23 जुलाई को पोस्ट किए गए वीडियो में, पीएम मोदी ने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले में सख्त कार्रवाई कर रही है।

कृष्णन के अनुसार, मेटा ने सरकार को सूचित किया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उसने 28 जुलाई से एक नया प्रोटोकॉल लागू किया है।

डेस्क जॉब वालों के लिए रामबाण है डोलासन, जानें अद्भुत फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़भरी जिंदगी में अनियमित आहार और एक ही जगह देर तक बैठकर काम करने से शरीर रोगों का शिकार हो रहा है। हालांकि, बीच-बीच में समय निकालकर योग करने से फिर से तरोताजा महसूस होने लगता है। इन्हीं, डोलासन एक ऐसी योग मुद्रा है, जो शरीर की मांसपेशियों को मजबूती देने में मदद करता है।

यह एक हठ योग मुद्रा है, जो दो शब्दों से मिलकर बना है। 'डोल' = झूलना' आसन' = योग मुद्रा। इसके नियमित अभ्यास से थकान, सिरदर्द और तनाव से राहत मिलती है।

इस आसन को करने के दौरान शरीर के ऊपरी हिस्से को पेंडुलम की तरह आगे-पीछे झुलाया जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसके महत्ता पर जोर दिया है। उनके अनुसार, डोलासन (पेंडुलम या झूलने की मुद्रा) एक

गतिशील योगासन है, जो लचीलापन, रीढ़ की मजबूती और संतुलन बढ़ाता है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से पेट और कोर की मांसपेशियों को मजबूत करता है पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव देकर दर्द कम करता है। हैमस्ट्रिंग यानी जांघ के पीछे की नसों को टोन करता है। साथ ही, रीढ़ की नसों को एक्टिव करके रीढ़ को लचीला बनाता है।

इसे करना बेहद आसान है। सबसे पहले दोनों पैरों को थोड़ा चौड़ा करके सीधे खड़े हो जाएं। गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को आपस में इंटरलॉक करें और सिर के पीछे रखें। सांस छोड़ते हुए अपने धड़ (अपर एब्डोमेन) को पेंडुलम की तरह दाएं से बाएं और बाएं से दाएं झुलाएं। इस दौरान शरीर का ऊपरी हिस्सा घड़ी के पेंडुलम की भांति गति करता है। रोजाना 1-2 मिनट करने से शरीर में हल्कापन और ऊर्जा महसूस होती है। शुरु में इस आसन को करने में साधक को दिक्कत हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे वे इस आसन को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएंगे। धीरे-धीरे आदत हिस्सा बन जाएगी।

हालांकि, सिर्फ योगासन करने के साथ-साथ साधक को संतुलित आहार का सेवन भी करना चाहिए, तभी किसी आसन को करने का फायदा है। उच्च रक्तचाप के रोगी इसे न करें।हर्निया या गंभीर कमर दर्द की स्थिति में डॉक्टर की सलाह लें।

मारुति सुजुकी ने गुजरात में शुरू किया चौथा प्लांट, अब एक ही परिसर में हर साल बनेंगे 10 लाख वाहन; सबसे पहले बनेगी इलेक्ट्रिक ई विटारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को गुजरात के हंसलपुर स्थित अपने चौथे विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) प्लांट में व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया। इसके साथ ही इस परिसर की वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 10 लाख (1 मिलियन) वाहन हो गई है। यह अब एक ही स्थान पर भारत का सबसे बड़ा यात्री वाहन निर्माण केंद्र बन गया है।

नए प्लांट के शुरू होने से हंसलपुर संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 7.5 लाख यूनिट से बढ़कर 10 लाख यूनिट हो गई है।

कंपनी के अनुसार, चौथे प्लांट के शुरू होने के साथ हंसलपुर, सुजुकी का दुनिया का पहला ऐसा मैन्युफैक्चरिंग परिसर बन गया है, जहां एक ही स्थान पर हर साल 10 लाख वाहन बनाए जा सकते हैं।

इसके साथ ही यह भारत का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन पैसेंजर व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स भी बन गया है।

नए प्लांट के चालू होने के बाद मारुति सुजुकी की पूरे भारत में कुल

वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 29 लाख (2.9 मिलियन) वाहन हो गई है।

कंपनी ने हंसलपुर परियोजना में अब तक 25,288.7 करोड़ रुपए का कुल निवेश किया है, जिनमें से नए प्लांट पर ही करीब 3,900 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

नए प्लांट में शुरुआत में कंपनी अपनी पहली बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल (बीईवी) 'ई-विटारा' का उत्पादन करेगी। इसके जरिए मारुति सुजुकी भारत के इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन बाजार में अपनी मजबूत शुरुआत करने जा रही है।

हंसलपुर संयंत्र में फिलहाल फ्रॉन्क्स, बलेनो, स्विफ्ट और ई-विटारा जैसे मॉडल बनाए जाते हैं।

हंसलपुर प्लांट कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण एक्सपोर्ट हब भी बन चुका है। वित्त वर्ष 2025-26 में मारुति सुजुकी के कुल वाहन निर्यात का लगभग 47 प्रतिशत हिस्सा इसी संयंत्र से किया गया।

मारुति सुजुकी ने गुजरात प्लांट में टिकाऊ लॉजिस्टिक्स को भी बढ़ावा दिया है। कंपनी ने प्रधानमंत्री गतिशक्ति कार्यक्रम के तहत मार्च 2024 में हंसलपुर संयंत्र में भारत की पहली इन-प्लांट रेलवे साइडिंग शुरू की थी।

हालांकि, रेलवे के माध्यम से वाहनों की ढुलाई मार्च 2023 से शुरू हो चुकी थी। तब से अब तक कंपनी 7.5 लाख से अधिक वाहनों को रेल नेटवर्क के जरिए भेज चुकी है, जिससे कार्बन उत्सर्जन, ईंधन की खपत और सड़क पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिली है।

फरवरी 2026 में हंसलपुर की इन-प्लांट रेलवे साइडिंग को वेरा के सत्यापित कार्बन मानक (वीसीएस) कार्यक्रम के तहत दुनिया की पहली मोडल शिफ्ट परिवहन परियोजना के रूप में पंजीकृत किया गया। यह सम्मान परिवहन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने में परियोजना के योगदान के लिए दिया गया।

उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ मारुति सुजुकी गुजरात में कौशल विकास पर भी निवेश कर रही है। कंपनी ने भारत और जापान सरकार के सहयोग से मेहसाणा और गांधीनगर में दो जापान-भारत विनिर्माण संस्थान (जेआईएम) स्थापित किए हैं।

इन संस्थानों में अब तक 1,200 से अधिक छात्रों को ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान घायल युवती 10 दिन बाद आरएमएल अस्पताल से मिली छुट्टी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई में घायल हुई 21 साल की युवती की सेहत में संतोषजनक सुधार हुआ है। उसे गुरुवार को राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल ने कहा कि उसकी स्थिर हालत और सेहत में सुधार को देखते हुए उसे छुट्टी देने का फैसला किया गया।

विरोध प्रदर्शन में शामिल युवती को संसद मार्च के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति में दम घुटने के कारण बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। शुरुआत में उसकी हालत ऐसी थी कि उसे कई दिनों तक गहन देखभाल (आईसीयू) और वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत पड़ी। हालांकि, धीरे-धीरे उसकी हालत में सुधार हुआ और अस्पताल में भर्ती होने के लगभग दस दिन बाद उसे पूरी तरह होश आ गया और वह खुद से चलने-फिरने में सक्षम हो गई।

गुरुवार को जारी अपनी ताजा मेडिकल रिपोर्ट में आरएमएल अस्पताल ने कहा कि इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद व्यापक क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट से मरीज की सेहत में 'संतोषजनक सुधार' हुआ।

अस्पताल में भर्ती होने पर इमरजेंसी डिपार्टमेंट में उसे होश में लाने की कोशिश की गई और फिर इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में शिफ्ट किया गया, जहां उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। सेहत में लगातार सुधार के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट सफलतापूर्वक हटा लिया गया और आईसीयू में एक हफ्ता बिताने के बाद उसे आगे की रिकवरी और रिहैबिलिटेशन के लिए नर्सिंग होम वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया।'

अस्पताल ने बताया कि गुरुवार को महिला के अस्पताल में भर्ती होने का 10वां दिन था और वह अब स्थिर हालत में है तथा 'पूरी तरह होश में सतर्क, स्पष्ट रूप से बात करने में सक्षम है।

आरएमएल अस्पताल ने यह भी कहा कि वह बिना किसी मदद के चल फिर सकती है और अपने रोजमर्रा के काम खुद करने की क्षमता हासिल कर चुकी है।

यह युवती उन प्रदर्शनकारियों में शामिल थी जिन्होंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। यह प्रदर्शन 'संसद चलो' के बैनर तले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आयोजित किया गया था।

विरोध प्रदर्शन नीट पेपर लीक और परीक्षा से जुड़ी अन्य अनियमितताओं को लेकर सरकार से जवाबदेही की मांग करने और छात्रों की चिंताओं पर कार्रवाई की मांग के लिए किया गया था। बाद में यह प्रदर्शन हिंसक हो गया जब कुछ उपद्रवियों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई झड़पों में कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

कांगो में तेजी से फैल रहा इबोला, संयुक्त राष्ट्र ने कहा- प्रयासों में तेजी लाना जरूरी

विश्व केसरी ■

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला से निपटने के प्रयासों को बढ़ाने की अपील की है, क्योंकि महामारी का फैलाव बचाव के प्रयासों की तुलना में बहुत तेजी से हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ इबोला समन्वयक जूलियन हार्नीस और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काऊ ने बुधवार (स्थानीय समय) को डीआरसी के इतुरी प्रांत की राजधानी बूनिया से एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में यह अपील की। ??बूनिया इबोला के प्रकोप का केंद्र भी है।

हार्नीस ने कहा, 'पिछले 24 घंटों में कांगो में इबोला से 50 लोगों की मौत हुई है और मामलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जो हर 20 दिन में दोगुनी हो रही है। यह हमारे बचाव के प्रयासों की गति की तुलना में कहीं अधिक तेज वृद्धि है और इसलिए महामारी और हमारे बचाव के प्रयासों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। स्काऊ ने कहा कि डीआरसी में इबोला का प्रकोप अब तक का सबसे तेजी से बढ़ने वाला इबोला संकट है। 'तुलना करें तो, पिछले दो महीनों में (डीआरसी में) 1,000 लोगों की मौत हुई है। जबकि पश्चिम अफ्रीका में 8 महीने में 1,000 लोगों की मौत हुई थी।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बचाव के प्रयासों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की मांग की।

स्काऊ ने कहा कि पूर्वी डीआरसी में लंबे समय से चल रहे संघर्ष के कारण लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) लोग खाद्य असुरक्षा के संकट या आपातकालीन स्थिति में हैं। इबोला के प्रकोप का केंद्र इतुरी सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है, जहां लगभग 20 लाख (2 मिलियन) लोगों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है।

अंडों के लिए केज-फ्री सिस्टम कितना सही? नई स्टडी में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हममें से ज्यादातर लोग केज-फ्री या फ्री-रेंज तरीके से तैयार किए गए अंडे को हर लिहाज से बेहतर मानते हैं, लेकिन एक नई स्टडी में इसको लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। नई रिसर्च में सामने आया है कि मुर्गियों के बेहतर जीवन के लिए अपनाए जाने वाले ये तरीके पर्यावरण पर अतिरिक्त बोझ डाल सकते हैं। जहां एक तरफ पशु कल्याण को बढ़ावा मिलता है, वहीं दूसरी तरफ ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन और जमीन की जरूरत बढ़ सकती है।

यह अध्ययन ब्रिटेन (यूके) के आंकड़ों पर आधारित है। शोधकर्ताओं ने अंडा उत्पादन के कई अलग-अलग मॉडल की तुलना की। इसमें पारंपरिक केज सिस्टम, बार्न सिस्टम, फ्री-रेंज

और ऑर्गेनिक फार्मिंग शामिल थे। अध्ययन के दौरान यह ध्यान रखा गया कि सभी परिस्थितियों में अंडों का उत्पादन समान रहे, ताकि निष्कर्ष निष्पक्ष हों।

रिसर्च में पाया गया कि यदि पूरी तरह से फ्री-रेंज और ऑर्गेनिक तरीके से अंडों का उत्पादन किया जाए, तो मौजूदा व्यवस्था की तुलना में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, इसके लिए लगभग दोगुनी जमीन की भी जरूरत पड़ेगी।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्मिथ स्कूल ऑफ एंटरप्राइज एंड द एनवायरमेंट की वरिष्ठ शोधकर्ता डॉ. हैरियट बार्टलेट ने कहा कि भविष्य की अंडा उत्पादन व्यवस्था तय करते समय केवल पशु कल्याण को ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और खाद्य उत्पादन—तीनों पहलुओं को साथ लेकर चलना होगा।

सीडब्ल्यूजी 2026: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गावित-बासिल की ऐतिहासिक 1-2 फिनिश की तारीफ की, श्रीशंकर को भी सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय पैरा-एथलीट्स दिलीप महादु गावित और मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकाथी को पुरुषों की टी47 100 मीटर स्पर्धा में ऐतिहासिक गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई दी। इसी के साथ उन्होंने लगातार दूसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाले लॉन्ग-जंपर मुरली श्रीशंकर की भी तारीफ की।

गावित ने पुरुषों की टी47 100 मीटर स्पर्धा में 10.71 सेकंड के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि बासिल ने 10.83 सेकंड के अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। इस तरह भारत ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में यादगार 1-2 फिनिश हासिल की।

गोल्ड मेडलिस्ट दिलीप महादु गावित की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'दिलीप महादु गावित का शानदार प्रदर्शन। पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में बेहतरीन टाइमिंग के साथ गोल्ड मेडल जीतने, नया गेम्स रिकॉर्ड बनाने और अपना 'सीजन बेस्ट' प्रदर्शन करने पर उन्हें बधाई। उनकी रफ्तार, दृढ़ संकल्प और लगन ने हमारे देश का मान बढ़ाया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

इसी इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल करने वाले मोहम्मद बासिल की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, 'मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकथ को शानदार सिल्वर मेडल। क्या जबरदस्त स्प्रिंट और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन रहा। इस सफलता और सीजन के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता उनकी कड़ी मेहनत और फोकस को दर्शाती है। उम्मीद है कि वे भविष्य में नई ऊंचाइयां हासिल करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने भारतीय लॉन्ग-जंपर श्रीशंकर को भी बधाई दी, जिन्होंने पुरुषों की लॉन्ग जंप स्पर्धा में 8.09 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सिल्वर मेडल जीता। यह सिल्वर मेडल श्रीशंकर का इस स्पर्धा में लगातार दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स मेडल था। उन्होंने 2022 में बर्मिंघम गेम्स में भी 8.08 मीटर की दूरी तय करके सिल्वर मेडल जीता था।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'श्रीशंकर ने शानदार सिल्वर मेडल जीता! क्या बेहतरीन प्रदर्शन रहा। मेडल जीतने और वह भी अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन छलांग के साथ, इसके लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता एथलेटिक्स में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए कई युवाओं को प्रेरित करेगी। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

'केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इन तीनों खिलाड़ियों की तारीफ की है। उन्होंने दिलीप महादु गावित और मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकाथी की इस उपलब्धि को 'भारत के लिए दोहरी जीत' बताया और देश का मान बढ़ाने के लिए दोनों पैरा-एथलीट्स की तारीफ की। शाह ने पोस्ट किया, 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की पैरा 100 मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमशः गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतकर भारत के लिए गर्व का शानदार पल लाने के लिए दिलीप महादु गावित और मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकाथी को बधाई। आपकी जबरदस्त गति और बेहतरीन खेल भावना ने हर भारतीय के दिल में गर्व और खुशी जगा दी। आप हमेशा शानदार सफलता हासिल करें।

रोमांचक फाइनल मैच में 1 रन से जीत, यूएई ने अंडर-19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया

कुआलालंपुर। यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) ने आईसीसी अंडर-19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप एशिया क्वालीफायर के फाइनल में मेजबान मलेशिया को एक रन के करीबी अंतर से मात दी। इसी के साथ यूएई ने साल 2027 में होने वाले ग्लोबल इवेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने मसीरा जहांगीर (31) और मेहुल कुलकर्णी (22) की मदद से 19.3 ओवरों में 95 रन बनाए। इसके जवाब में मलेशियाई टीम निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट गंवाकर 94 रन ही बना सकी। बल्ले से चमक बिखेरने के बाद जहांगीर ने 4 ओवरों में 12 रन देकर 2 विकेट निकाले। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

बायुमास ओवल में मिली इस रोमांचक जीत के साथ यूएई का शानदार और अजेय अभियान सफल रहा। 23 जुलाई को शुरू हुए आठ टीमों के रीजनल क्वालीफायर से निकलकर यूएई ने एकमात्र क्वालिफिकेशन स्पॉट हासिल किया है। आईसीसी अंडर-19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप का तीसरा संस्करण नेपाल और बांग्लादेश की मेजबानी में खेला जाएगा, जिसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत ने इस टूर्नामेंट के शुरुआती दोनों एडिशन अपने नाम किए हैं।

पूरे टूर्नामेंट में यूएई का दबदबा रहा। उन्होंने हांगकांग चीन के खिलाफ डकवर्थ लुईस नियम के तहत 37 रन की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, फिर लीग स्टेज में मलेशिया को 39 रन और कतर को 81 रन से हराया। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में भूटान के खिलाफ 73 रन की शानदार जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह बनाई।

अपनी टीम के जज्बे से खुश यूएई की कप्तान महक ठाकुर ने मुश्किल हालात को संभालने की अपनी टीम की काबिलियत की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि हमारी टीम ने इस फाइनल में दबाव का कितनी अच्छी तरह सामना किया, जिससे हमें जीत मिली। अंडर-19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करना बहुत रोमांचक है; हम वहां जाने और उम्मीद है कि इस टूर्नामेंट की तरह ही शानदार खेल दिखाने के लिए उत्साहित हैं।

अजिंक्य रहाणे ने इंटरनेशनल क्रिकेट से किया संन्यास का ऐलान, शेयर किया भावुक वीडियो

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। रहाणे ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर एक भावुक वीडियो शेयर करते हुए यह जानकारी दी।

रहाणे ने वीडियो में कहा कि उन्हें लगता है कि इंटनरेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का यह सही समय है। उन्होंने कहा, 'जिंदगी की सच्चाई यह है कि हर चीज की एक शुरुआत होती है और हर चीज का एक अंत होता है। जब समय आता है, तो आपको बस उसका सम्मान करना है और आगे बढ़ना है। मैंने हमेशा अपनी बैटिंग में टाइमिंग पर भरोसा किया है और मैंने हमेशा इसकी अहमियत को समझा है। आज मुझे लगता है कि मेरे लिए आगे बढ़ने और इंटरनेशनल क्रिकेट और सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट की घोषणा करने का सही समय है।'

उन्होंने वीडियो में बताया कि कैसे वह महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली से निकलकर एक क्रिकेटर के तौर पर आगे बढ़े। रहाणे ने कहा कि उन्होंने खेल के लिए सब कुछ दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने हमेशा ईमानदारी से खेल खेला। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि खेल के साथ उनका सफर खत्म नहीं हुआ है। रहाणे ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन, हर आईपीएल फ्रेंचाइजी, परिवार और अपनी पत्नी राधिका समेत उन सभी का धन्यवाद किया, जो उनके समर्थन में हमेशा खड़ा रहे।

अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले। उन्होंने टेस्ट में 38 की औसत से 5077 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे में उन्होंने 35 की औसत से 2,962 रन बनाए। एकदिवसीय क्रिकेट में रहाणे ने 3 शतक और 24 अर्धशतक लगाए। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में रहाणे के बल्ले से 113 के स्ट्राइक रेट से 375 रन निकले। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में छह टीमों की तरफ से 212 मैच खेले।

सीडब्ल्यूजी 2026: मेडल टैली में एक स्थान ऊपर पहुंचा भारत, ऑस्ट्रेलिया टॉप पर बरकरार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का सातवां दिन भारत के लिए शानदार रहा। देश की झोली में एक गोल्ड और दो सिल्वर मेडल आए। इन तीन मेडल के साथ ही भारत के कुल मेडलों की संख्या अब 15 हो गई है, जिसका फायदा भारत को मेडल टैली में भी मिला है।

भारत ने अब तक कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। गेम्स के सातवें दिन 3 मेडल जीतने के बाद भारत को मेडल टैली में एक स्थान का फायदा पहुंचा है। भारत 9वें स्थान से अब आठवें नंबर पर आ गया है। मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लंबी कूद में देश को सिल्वर मेडल दिलाया। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 8.09 की लंबी कूद के साथ सिल्वर मेडल जीता। श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भी सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

वहीं, पैरा एथलीट दिलीप महादु गावित ने 100 मीटर टी47 स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। उन्होंने 100 मीटर की रेस को सिर्फ 10.71 सेकंड में पूरा किया, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। वहीं, इसी स्पर्धा में मोहम्मद बासिल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। उन्होंने रेस को पूरा करने के लिए 10.83 सेकंड का समय लिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की मेडल टैली में ऑस्ट्रेलिया का पहले स्थान पर दबदबा बरकरार है। ऑस्ट्रेलिया इस टूर्नामेंट में अब तक 47 गोल्ड, 21 सिल्वर और 35 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है और उनके कुल मेडल की संख्या 103 हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल एकमात्र ऐसा देश है, जिसने 100 मेडल के आंकड़े को पार किया है। कनाडा 14 गोल्ड, 11 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज के साथ दूसरे नंबर पर काबिज है।

इंग्लैंड ने सातवें दिन के अंत तक कुल 56 मेडल जीते हैं, जिसमें 12 गोल्ड, 27 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। मेजबान स्कॉटलैंड 23 मेडल के साथ चौथे नंबर पर बना हुआ है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 9 गोल्ड, 7 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज आए हैं। नाइजीरिया 7 गोल्ड, 5 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज के साथ पांचवें स्थान पर बरकरार है। साउथ अफ्रीका 22 मेडल के साथ छठे और मलेशिया 6 गोल्ड समेत कुल 11 मेडल लेकर भारत से ठीक एक स्थान ऊपर मौजूद है।

श्रीजा अकुला : बड़ी बहन से मिली प्रेरणा, डब्ल्यूटीटी कंटेंडर का खिताब जीत रचा इतिहास

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। श्रीजा अकुला की गिनती भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ियों में की जाती है। शुरुआती संघर्ष के बाद श्रीजा ने इस खेल में अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर पहचान बनाई। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में शरथ कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। इसके साथ ही वह डब्ल्यूटीटी कंटेंडर स्तर पर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

श्रीजा का जन्म 31 जुलाई, 1998 को हैदराबाद में हुआ। श्रीजा के पिता एक निजी बीमा कंपनी में प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। श्रीजा की बड़ी बहन रावली कॉलेज स्तर पर टेबल टेनिस खेलती थीं और उन्होंने ही श्रीजा को इस खेल से परिचित कराया।

बड़ी बहन के साथ मिलकर उन्होंने टेबल टेनिस की बारीकियों को सीखा। इसके बाद उन्होंने सोमनाथ घोष की अकादमी में दाखिला लिया और टेबल टेनिस में करियर बनाने का फैसला किया। हालांकि, श्रीजा पढ़ाई में भी काफी अच्छी थीं। उन्होंने 12वीं कक्षा में 98.7 प्रतिशत अंक हासिल किए।

साल 2019 में श्रीजा ने साउथ एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महिला युगल और टीम स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीते। वहीं, अप्रैल 2022 में सीनियर नेशनल और अंतर-राज्यीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भी अपना जलवा बिखेरते हुए एकल और युगल दोनों खिताब अपने नाम किए। हालांकि, श्रीजा के करियर के लिहाज से साल 2022 सबसे महत्वपूर्ण साबित हुआ।

हॉकी जर्सी विवाद: भाजपा बोली रंग बदलना सरकार का अधिकार, विपक्ष ने राजनीति करने का लगाया आरोप

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी की जगह भगवा रंग की जर्सी लाए जाने की खबर के बाद राजनीतिक गलियारों में बहस तेज हो गई है। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान विरेन रस्किन्हा ने इस बदलाव पर चिंता जताई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इसे सामान्य बदलाव बताते हुए इसका समर्थन किया है। दूसरी ओर विपक्षी दलों ने इस फैसले को प्रतीकों और पहचान से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं।

भाजपा सांसद जगन्नाथ सरकार ने कहा कि सरकार को रंग बदलने का फैसला लेने का अधिकार है। क्या हुआ अगर रंग बदल दिया गया? सत्ता में आने के बाद वे जो चाहें, कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में मौजूद थे और जिस विषय पर जवाब देना था, उसका उत्तर पहले से तय व्यवस्था के तहत केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने दिया।

केसरिया को लेकर उठ रहे विवाद पर उन्होंने कहा, 'यह सब छोटी मानसिकता का परिचायक है। अगर भगवा रंग की जर्सी हो गई, तो इसमें क्या दिक्कत है?'

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने भी केसरिया रंग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत क्रांतिकारियों की धरती है और केसरिया रंग देश की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके मुताबिक इस रंग पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

वहीं, समाजवादी पार्टी के सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने इस प्रस्तावित बदलाव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से भारतीय खेल टीमों, खासकर क्रिकेट और हॉकी में नीला रंग देश की पहचान बन चुका है।

उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय टीम किसी बड़े टूर्नामेंट में उतरती है तो 'ब्लीड ब्लू' का नारा लगाया जाता है। उनके अनुसार नीला रंग एक तटस्थ और प्रेरणादायक रंग रहा है तथा इस तरह का बदलाव अनावश्यक विवाद पैदा कर सकता है। सरकार को जनता की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और रंगों तथा प्रतीकों को राजनीतिक नजरिए से देखने से बचना चाहिए।

मैं अभी गेंदबाजी नहीं छोड़ना चाहती, मुझे तीनों स्किल्स में खेल का हिस्सा बनने में मजा आता है: साइवर ब्रंट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नैट साइवर ब्रंट का कहना है कि पिंडली की चोट के बावजूद वह टीम के लिए बतौर ऑलराउंडर ही योगदान देना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि द हंड्रेड के बाद रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद वह बतौर गेंदबाज वापसी करना चाहती हैं।

इंग्लैंड के द हंड्रेड में ट्रेंट रॉकेट्स का प्रतिनिधित्व करते हुए साइवर-ब्रंट ने अपने रिकवरी प्लान के बारे में बताया कि वह सितंबर में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के दौरान वापस से गेंदबाजी शुरू करने का प्लान कर रही हैं। फिलहाल ब्रंट टूर्नामेंट में बतौर बल्लेबाज खेल रही हैं, लेकिन इंग्लैंड की कप्तान ने साफ किया है कि अपने खेल का आधा हिस्सा छोड़ने पर वह बिल्कुल भी विचार नहीं कर रही हैं।

साइवर ब्रंट ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा, 'मैं अभी गेंदबाजी करना चाहती हूं। मुझे तीनों स्किल्स में खेल का हिस्सा बनने में मजा आता है।' साइवर ब्रंट को अप्रैल में पिंडली में चोट लगी थी और इस कारण उन्हें आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप में बतौर बल्लेबाज खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा था। ब्रंट का पूरा ध्यान चोट से उबरकर फिर से गेंदबाजी पर है।

उन्होंने आगे कहा, 'यही प्लान है। इस टूर्नामेंट के बाद मैं अपने शरीर को ठीक करने के लिए काफी लंबा रिहैब करूंगी और यह पक्का करूंगी कि पिंडली की चोट जरूरत से ज्यादा समय तक न रहे।' इंग्लैंड की कप्तान ने बताया कि टीम के मेडिकल और परफॉर्मेंस स्टाफ की मदद से उनके रिकवरी प्रोग्राम को ध्यान से मैनेज किया जा रहा है ताकि यह पक्का हो सके कि वह समस्या के दोबारा होने के जोखिम के बिना वापसी कर सकें।

उन्होंने कहा, 'हम स्पोर्ट्स साइंस और मेडिसिन टीम के साथ मिलकर एक प्लान बना रहे हैं कि कैसे फिट रहूं और जिस भी टीम में मैं रहूं उसमें सच में योगदान दे सकूं।' शारीरिक चुनौती के बावजूद साइवर ब्रंट ने जोर देकर कहा कि खेल के लिए उनका जोश वैसा ही है और उनका गेंदबाजी से दूर जाने का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा, 'मुझमें अब भी जोश है और मुझे क्रिकेट खेलना और उसका आनंद लेना पसंद है। मैं अभी गेंदबाजी नहीं छोड़ना चाहती।' सितंबर में आयरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की तीन मैचों की वनडे सीरीज टी20 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के बाद इंग्लैंड टीम की यह पहली सीरीज होगी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415